{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 13 सितम्बर 2026
भाद्रपद कृष्ण 13 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 350
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

अब जोमैटो से खाना मंगवाना पड़ेगा महंगा

नई दिल्ली। फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो से खाना ऑर्डर करना अब महंगा हो गया है। अब आप जोमैटो से खाना ऑर्डर करते समय कैश ऑन डिलीवरी यानी डिलीवरी के वक्त नकद भुगतान का ऑप्शन चुनते हैं, तो आपको 5 रुपए ज्यादा देने होंगे। यह नया शुल्क एप के बिल समरी में पे ऑन डिलीवरी फीस के नाम से अलग से जुड़ेगा। कुछ यूजर्स के एप बिल में यह फीस 7 रुपए से लेकर 20 रुपए तक अलग-अलग भी दिखाई दे रही है। हालांकि, जो यूजर यूपीए, क्रेडिट/डेबिट कार्ड या नेट बैंकिंग जैसे डिजिटल माध्यमों से ऑनलाइन भुगतान करेंगे, उन पर यह एक्स्ट्रा चार्ज नहीं लगेगा। जोमैटो की ओर से लगाया गया यह नया पे ऑन डिलीवरी फीस कंपनी के प्लेटफॉर्म फीस, रेस्टोरेंट पैकेजिंग चार्ज, डिलीवरी चार्ज और जीएसटी से अलग है।

लुधियाना कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

लुधियाना। लुधियाना में जिला एवं सत्र न्यायाधीश की आधिकारिक ईमेल पर शनिवार को कोर्ट परिसर में बम धमाके की धमकी मिलने से पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। धमकी उस समय मिली, जब कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत चल रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी और डॉग स्क्वायड और बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाकर पूरे परिसर की गहन तलाशी शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार, जिला एवं सत्र न्यायाधीश की आधिकारिक ईमेल पर 12 सितंबर को एक धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ। ईमेल भेजने वाले ने खुद को खालिस्तान नेशनल आर्मी और बब्बर खालसा से जुड़ा हुआ बताया। ईमेल में दोपहर एक बजकर 11 मिनट पर धमाका करने की धमकी दी गई थी।

1 दिन में 20 लाख रेलवे टिकट बुक करने का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे की ऑनलाइन टिकट बुकिंग व्यवस्था ने नया रिकॉर्ड बनाया है। एक ही दिन में करीब 20 लाख रेलवे टिकटों की बुकिंग दर्ज की गई है। त्योहारों और छुट्टियों के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या के बीच यह आंकड़ा रेलवे की डिजिटल टिकटिंग व्यवस्था के बढ़ते उपयोग को दर्शाता है। बड़ी संख्या में यात्रियों ने घर बैठे ऑनलाइन टिकट बुक किए। रेलवे लगातार अपनी ऑनलाइन सेवाओं की क्षमता बढ़ाने और यात्रियों को सुविधाजनक टिकट बुकिंग उपलब्ध कराने पर जोर दे रहा है। रिकॉर्ड बुकिंग के दौरान सर्वर पर बढ़े दबाव को संभालना भी रेलवे के लिए महत्वपूर्ण चुनौती रहा।

कुछ ना कहना

प्याज के भाव आसमां पर

पीएम मोदी का आह्वान

ग्लोबल साउथ आज वैश्विक संकटों की फ्रंट रॉ में है, लेकिन डिसीजन में बैक रो में

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आधिकारिक आगाज

नई दिल्ली। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आधिकारिक आगाज शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उद्घाटन संबोधन के साथ हुआ। पीएम मोदी ने अपने भाषण में ग्लोबल साउथ के देशों की मौजूदा स्थिति पर प्रकाश डालते हुए कहा, वे वैश्विक संकटों की अग्रिम पंक्ति में हैं, लेकिन निर्णय लेने की प्रक्रिया में पीछे हैं। उन्होंने ब्रिक्स देशों से वैश्विक शासन प्रणाली में सुधार के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत में ब्रिक्स प्रतिनिधियों का स्वागत कर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता जन-केंद्रित और मानवता-प्रथम दृष्टिकोण पर आधारित है। उन्होंने लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता को भारत की प्राथमिकताएं बताया। इन प्राथमिकताओं के तहत 350 से अधिक बैठकों का आयोजन हुआ और करीब 30 शहरों में प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने भारत की अध्यक्षता को सफल बनाने में मिले सक्रिय सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिक्स के संस्थागत कामकाज में निरंतरता बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया, भले ही इसकी अध्यक्षता हर साल बदलती है। उन्होंने एक ऐसा तंत्र बनाने का प्रस्ताव रखा जिसके तहत ट्रोइका व्यवस्था के जरिए सभी पहलों और नतीजों पर आगे की कार्रवाई हो सके। इसके साथ ही, उन्होंने हर फैसले से जुड़े नोडल पॉइंट, समय-सीमा और कार्यान्वयन की स्थिति को दर्ज करने के लिए एक सुरक्षित डिजिटल रिपॉजिटरी बनाने का सुझाव दिया। अपने संबोधन में, पीएम मोदी ने कहा कि हमें ब्रिक्स को मजबूत करते हुए वैश्विक सुधार की दिशा भी तय करनी होगी। उन्होंने मौजूदा वैश्विक शासन संरचना की तुलना एक पिरामिड से की, जिसके ऊपरी भाग में शक्ति और निर्णय लेने का अधिकार केंद्रित है, जबकि निचले भाग में वे देश हैं जो इन निर्णयों से प्रभावित होते हैं लेकिन उन्हें आकार नहीं दे पाते।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ग्लोबल साउथ आज वैश्विक संकटों की फ्रंट रॉ में है, लेकिन डिसीजन मेकिंग की बैक रो में है। इस स्थिति को बदलने के लिए, पीएम मोदी ने ब्रिक्स देशों से मिलकर ग्लोबल गवर्नेंस रिफॉर्म के 10 प्रस्तावों की रूपरेखा तैयार करने का आह्वान किया, जिसे अगले शिखर सम्मेलन तक एक ब्रिक्स रिफॉर्म रोडमैप का रूप दिया जा सके। इस रोडमैप को बनाने में तीन मुख्य पहलुओं ङ्क प्रतिनिधित्व, जवाबदेही और नियम-निर्माण को ध्यान रखने की बात कही गई। प्रतिनिधित्व के संबंध में, पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार को अब और टाला न जा सकने वाला मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि इस विषय पर टेक्स्ट-आधारित बातचीत को निश्चित समय सीमा और स्पष्ट परिणाम से जोड़ना होगा। इसी प्रकार, वित्तीय संस्थानों में मतदान शक्ति, नेतृत्व पदों और नीतिगत प्राथमिकताओं को आज की आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप होना चाहिए। जवाबदेही के तहत, उन्होंने वैश्विक संस्थानों में मानवता का विश्वास बनाए रखने के लिए समस्याओं का प्रभावी समाधान करने में उनकी क्षमता पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने समुद्री नाविकों के लिए एक सी-फेयरर्स इमरजेंसी सपोर्ट नेटवर्क बनाने का प्रस्ताव रखा, जो संकटकालीन अलर्ट, चिकित्सा सहायता, परिवारों को सूचना और निकासी में सहयोग प्रदान करेगा। नियम-निर्माण के संबंध में, पीएम मोदी ने भविष्य के वैश्विक नियमों (जैसे एआई, साइबर स्पेस, आउटर स्पेस, बायोटेक्नोलॉजी) को तय करने में समान भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स के माध्यम से ग्लोबल साउथ के देशों के युवा राजनयिकों और नीति निर्माताओं को वार्ता कौशल, व्यावहारिक प्रशिक्षण और कानूनी विशेषज्ञता प्रदान करके उन्हें नियम-ग्रहणकर्ता से नियम-निर्माता बनाने के प्रयास करना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज संयुक्त राष्ट्र दक्षिण-दक्षिण सहयोग दिवस है, और इस दिन ऐसा निर्णय लिया जाना विशेष महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि भारत में आयोजित इस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का संदेश स्पष्ट होना चाहिए: यदि हमारा भविष्य साझा है, तब उसके निर्माण का अधिकार भी साझा होना चाहिए।

चेन्नई में कचरे को अलग-अलग करना हुआ अनिवार्य, नहीं तो लगेगा जुर्माना

चेन्नई। ग्रेटर चेन्नई कॉरपोरेशन (जीसीसी) ने शहर भर में कचरे को उसके स्रोत पर ही अलग-अलग करना अनिवार्य कर दिया है। इसका मकसद कचरा प्रबंधन को मजबूत करना और लैंडफिल तक पहुंचने वाले कचरे की मात्रा को कम करना है। यह नियम सभी पर लागू होगा, जिसमें निजी घर, अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स, दुकानें, कमर्शियल संस्थान, स्कूल-कॉलेज, सरकारी दफ्तर और बड़ी मात्रा में कचरा पैदा करने वाले संस्थान शामिल हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक निगम ने चेतावनी दी है कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम, 2026 का पालन न करने पर जुर्माना और नगरपालिका कानूनों के तहत कार्रवाई हो सकती है। निवासियों और संस्थानों को कचरा कलेक्शन के लिए आने वाले सफाई कर्मचारियों को सौंपने से पहले उसे चार कैटेगरी में बांटना होगा। गीले कचरे के लिए हरा डिब्बा, कागज, प्लास्टिक, धातु, कांच और अन्य रिसाइकिल होने वाला सूखा कचरा के लिए नीला डिब्बा का इस्तेमाल करना होगा। लाल डिब्बा में सैनिटरी कचरा, जिसमें इस्तेमाल किए हुए डायपर और सैनिटरी नैपकिन शामिल हैं, इसे सुरक्षित तरीके से लपेटकर डालना होगा।

घरेलू खतरनाक कचरा, जैसे बैटरी, बिजली के बल्ब, इलेक्ट्रॉनिक कचरा, एक्सपायर्ड दवाएं और केमिकल के लिए काला डिब्बा का इस्तेमाल करना होगा। अलग किए गए कचरे को ले जाने के दौरान डोर-टू-डोर कलेक्शन में इस्तेमाल होने वाले बैटरी वाले वाहनों में भी चार रंगों के कंटेनर लगाए गए हैं। सभी 200 वार्डों के सफाई कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वे केवल वही कचरा लें जो स्रोत पर सही तरीके से अलग किया गया हो।

यह आदेश दक्षिणी चेन्नई में शुरू की गई एक बड़ी जागरूकता पहल के बाद आया है। 22 अगस्त को जीसीसी ने 40 दिन का सेग्रिगेट वेस्ट - सेव टुमॉरो अभियान शुरू किया था, जिसमें घर-घर जाकर लोगों को कचरे को अलग करने के महत्व के बारे में बताया। शुरुआती चरण में पांच जोन के हर जोन में 1,000 घरों को कवर किया। इसमें शामिल परिवारों को नॉन-बायोडिग्रेडेबल कचरा अलग रखने के लिए बैग भी दिए गए। निगम की योजना धीरे-धीरे इस अभियान को पांचों जोन के 50,000 घरों तक पहुंचाने की है। जीसीसी ने लोगों, संस्थानों और व्यापारियों से सफाई कर्मचारियों का सहयोग करने और रंग-कोड वाले सिस्टम का लगातार पालन करने की अपील की है। नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना या अन्य कार्रवाई हो सकती है।

टीएमसी चुनाव चिह्न विवाद: ईसी ने बागी गुट से मांगे और दस्तावेज

उपचुनाव में निर्दलीय लड़ने की नौबत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के चुनाव चिह्न को लेकर चल रहे विवाद के बीच, चुनाव आयोग (ईसी) ने बागी गुट से अतिरिक्त दस्तावेज मांगे हैं। शनिवार को ऋतब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट ने चुनाव आयोग के सामने मौखिक दलीलें पेश कीं और आयोग के सवालों के जवाब दिए। यह सुनवाई 6 अक्टूबर को नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीटों पर होने वाले महत्वपूर्ण उपचुनाव से ठीक पहले हो रही है, जिसके लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर है। बागी गुट चाहता है कि चुनाव चिह्न पर फैसला इस तारीख से पहले आ जाए। उधर, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले मुख्य गुट का एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल भी शनिवार को चुनाव आयोग से मिला, जिसमें डेरेक ओब्रायन, कल्याण बनर्जी, सागरिका घोष, साकेत गोखले और वकील अभिनव सिंह शामिल थे। यदि 16 सितंबर तक चुनाव आयोग किसी भी गुट को आधिकारिक टीएमसी का चुनाव चिह्न आवंटित करने में विफल रहता है, तब दोनों गुटों के उम्मीदवारों को इन उपचुनावों में निर्दलीय उम्मीदवारों के रूप में चुनाव लड़ना पड़ सकता है। यह स्थिति दोनों पक्षों के लिए राजनीतिक रूप से चुनौतीपूर्ण होगी, क्योंकि उन्हें पार्टी के पहचान चिह्न के बिना मतदाताओं का सामना करना पड़ेगा। टीएमसी में यह बगावत बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की अप्रत्याशित हार के बाद 3 जून को सामने आई थी। तब 58 बागी विधायकों ने पार्टी से निष्कासित ऋतब्रत बनर्जी को अपना नेता चुना था और विधानसभा स्पीकर रथींद्र बोस को समर्थन पत्र सौंपकर उन्हें विपक्ष का नेता घोषित करने की मांग की थी, जिसे स्पीकर ने बाद में मंजूरी दे दी थी। इस टूट के कारण ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी को भारी नुकसान हुआ है। पार्टी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से अब केवल 8 ही बचे हैं, जबकि 13 राज्यसभा सांसदों में से 9 ही पार्टी के साथ हैं। विधानसभा में भी, इस बार 80 सीटें जीतने वाली टीएमसी के पास अब केवल 22 विधायक ही शेष रह गए हैं, क्योंकि 58 विधायक बागी गुट का हिस्सा बन चुके हैं।

जम्मू-कश्मीर के तीन जिलों में एनआईए ने 7 ठिकानों पर मारे छापे

यह तलाशी सीमापार से रची गई आतंकी साजिश की जांच का हिस्सा

श्रीनगर। एनआईए ने आतंकी साजिश की जांच के सिलसिले में कश्मीर रीजन के अलग-अलग हिस्सों में छापेमारी की है। सूत्रों ने बताया कि कुलगाम, बांदीपोरा और बारामूला जिलों में एजेंसी ने तलाशी अभियान चलाया है। सूत्रों के मुताबिक एनआईए ने कश्मीर में सात जगहों पर शनिवार सुबह तलाशी अभियान शुरू किया। कुलगाम जिले में दो, बांदीपोरा में तीन और बारामूला के सोपोर में 2 ठिकानों की तलाशी ली है। सूत्रों ने कहा कि यह तलाशी सीमापार से रची गई कथित आतंकी साजिश की जांच का हिस्सा है, जिसमें पाकिस्तान में बैठे हैंडलर और स्थानीय ओवर ग्राउंड वर्कर शामिल थे। ओवर ग्राउंड वर्कर पर घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों की मदद करने का शक है। सूत्रों के मुताबिक ये तलाशी जकूरा पुलिस स्टेशन में दर्ज मुकदमे से जुड़ी हैं, जिसे बाद में एनआईए ने फिर से रजिस्टर किया था। तलाशी अभियान में एनआईए की टीमों को स्थानीय पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की टीमें मौजूद रहीं। इससे जुड़े मामले में एनआईए ने 22 अगस्त को भी जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर, कुपवाड़ा, अनंतनाग, पुलवामा और बडगाम में 10 स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया था। यह मामला 31 मार्च की देर रात नाके पर प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैबा से कथित रूप से जुड़े अवैध आतंकवादी की गिरफ्तारी के बाद शुरू किया गया था, जिसके पास से एक हथगोला और जिंदा कारतूस बरामद हुए थे। जांच में इस साजिश से कथित रूप से जुड़े पाकिस्तानी आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया और स्थानीय समर्थन नेटवर्क के सदस्यों की पहचान और उनकी कथित भूमिकाओं का भी पता लगाया गया। अब तक की जांच से पता चला है कि पाकिस्तान स्थित संचालकों और स्थानीय सहयोगियों के बीच कथित तौर पर संबंध थे, जिनका इस्तेमाल संचार, रसद व्यवस्था, आतंकवादियों की आवाजाही और छुपने, आश्रय प्रदान करने, जासूसी और अन्य प्रकार की मदद के लिए किया जा रहा था।

चुनाव हारने के बाद सरकारी नौकरी में वापसी नहीं

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों के चुनाव लड़ने से जुड़े एक महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया है कि नौकरी से इस्तीफा देकर चुनाव लड़ने वाला सरकारी कर्मचारी यदि चुनाव हार जाता है, तो वह दोबारा सरकारी सेवा में बहाली का दावा नहीं कर सकता। अदालत ने कहा कि चुनाव में हार जाना इस्तीफा वापस लेने के लिए नियमों में निर्धारित बाध्यकारी कारण या परिस्थितियों में ऐसा बदलाव नहीं है, जिसके आधार पर इस्तीफा वापस लिया जा सके।

जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने नीरज बिश्नोई की याचिका खारिज करते हुए सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (कैट), जयपुर के फैसले को बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता ने चुनाव लड़ने के उद्देश्य से अपनी इच्छा से इस्तीफा दिया था और उसके बाद विधानसभा चुनाव भी लड़ा। ऐसे में चुनाव में हार के बाद अपने निर्णय से पीछे हटकर सेवा में वापसी का अधिकार नहीं बनता।

चुनाव लड़ने के लिए दिया था इस्तीफा

नीरज बिश्नोई नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे में सीनियर ऑडिटर के पद पर कार्यरत थे। उन्होंने राजस्थान विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 10 अक्टूबर 2023 को इस्तीफा दिया था, जिसे विभाग ने 1 नवंबर 2023 से स्वीकार कर लिया। इसके बाद उन्होंने चूरू जिले की रतनगढ़ विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। चुनाव परिणाम आने के बाद बिश्नोई ने 1 जनवरी 2024 को इस्तीफा वापस लेने और सरकारी सेवा में बहाल करने के लिए आवेदन दिया। विभाग ने 29 जनवरी को उनका अनुरोध खारिज कर दिया। इसके बाद उनका अभ्यावेदन भी 22 फरवरी 2024 को अस्वीकार कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने कैट का रुख किया और वहां से राहत नहीं मिलने पर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

लाभ का दिया तर्क

याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि इस्तीफा वापस लेने के लिए आवेदन नियमों में निर्धारित 90 दिन की अवधि के भीतर किया गया था। उन्होंने यह तर्क दिया कि इस्तीफा देते समय उन्हें यह जानकारी नहीं थी कि इससे पेंशन और अन्य रिटायरमेंट बेनिफिट्स पर असर पड़ेगा। चुनाव हारने के बाद जब उन्हें इन लाभों से वंचित होने की जानकारी हुई, तो इसे परिस्थितियों में बदलाव माना जाना चाहिए। विभाग ने इसका विरोध करते हुए कहा कि कर्मचारी ने चुनाव लड़ने के लिए सोच-समझकर नौकरी छोड़ी थी। चुनाव में हारने के बाद वह अपने फैसले से पीछे हटकर सरकारी सेवा में दोबारा नियुक्ति का दावा नहीं कर सकता। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने कहा कि चुनाव हारने के बाद पेंशन और रिटायरमेंट लाभों पर पड़ने वाला असर ऐसा बाध्यकारी कारण नहीं है, जिसके आधार पर स्वेच्छा से दिया गया इस्तीफा वापस लेने का अधिकार पैदा हो जाए।

पेंशन और रिटायरमेंट

गैंगस्टर अमृतपाल सिंह प्रत्यर्पण कर लाया गया भारत

-21 केस, फर्जी पासपोर्ट से भागा था विदेश

अमृतसर। पंजाब पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स को बड़ी कामयाबी मिली है। कुख्यात गैंगस्टर को प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया है। विदेश में बैठे गैंगस्टर अमृतपाल सिंह उर्फ अमृत दलम उर्फ गुरपाल सिंह को पंजाब पुलिस भारत वापस लाई है। अमृतपाल फर्जी पासपोर्ट के जरिए भारत से विदेश भागा था। उसे मोल्दोवा में पकड़ा गया था। पंजाब पुलिस के मुताबिक, यूरोप के किसी देश से पंजाब पुलिस द्वारा किया गया यह पहला प्रत्यर्पण है।

बताया जा रहा है कि इस पूरी कार्रवाई को पंजाब पुलिस की एजीटीएफ और ओएफटीईसी टीम ने केंद्रीय एजेंसियों एवं अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से अंजाम दिया। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक अमृतपाल सिंह के खिलाफ पंजाब में कुल 21 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें 4 मामले ट्रायल में हैं, जबकि 17 मामलों में जांच चल रही है। वो जग्गू भगवानपुरिया के मुख्य हिटमैन के तौर पर काम करता था। उसे मोल्दोवा से भारत वापस लाया गया है।

यूक्रेन भागने की कोशिश के दौरान पकड़ा गया

बताया जा रहा है कि अमृतपाल सिंह को 24 फरवरी 2026 को मोल्दोवा के अधिकारियों ने उस समय पकड़ लिया, जब वो ओटासी स्टेट बॉर्डर से यूक्रेन जाने की कोशिश कर रहा था। इसके बाद पंजाब पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों की कोशिशों से उसे भारत वापस लाने की कानूनी प्रक्रिया शुरू हुई। अमृत सिंह को अजरबैजान के बाकू के ट्रांजिट रूट से भारत लाया गया।

उत्तराखंड में भारी बारिश से बैली ब्रिज बहा, छग में तीन छात्र नदी में डूबे

मध्यप्रदेश-राजस्थान में मौसम फिर सक्रिय, गंगा-यमुना समेत 10 नदियां उफान पर

नई दिल्ली। उत्तराखंड में भारी बारिश के बीच पिथौरागढ़ के कुलागाड़ नाले पर बना 170 फीट लंबा बैली ब्रिज बह गया। इससे चीन सीमा से लगी व्यास, दारमा और चौदांस घाटियों का संपर्क टूट गया। यह ब्रिज 27 अगस्त को ही बनाया गया था। पुराना पुल 18 अगस्त को चट्टान गिरने से टूट गया था।

वहीं छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा में हसदेव नदी के तेज बहाव में तीन कॉलेज छात्र बह गए। तीनों शुक्रवार को बिलासपुर के चौकसे कॉलेज के 8 छात्र-छात्राओं के साथ पिकनिक मनाने देवरी गांव गए थे। नदी किनारे सेल्फी लेने के दौरान एक छात्र का पैर फिसला, उसे बचाने के लिए कूदे 2 अन्य छात्र भी नदी में बह गए। तीनों की तलाश जारी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में बाढ़ से 15 जिलों में 47 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। यूपी के 26 जिले

बाढ़ की चपेट में हैं। चार लाख की आबादी प्रभावित है। 21 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है। नदी के किनारे पर बने गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है। वहीं मध्य प्रदेश और राजस्थान में मानसून फिर सक्रिय हो गया है। मध्यप्रदेश के 15 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है, जबकि राजस्थान के 29 जिलों में बारिश की संभावना है।

दिल्ली के कई इलाकों में शुक्रवार को हल्की बारिश हुई। सेंट्रल दिल्ली समेत कई क्षेत्रों में बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में कई इलाकों में मध्यम से तेज बारिश का अनुमान जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक शाम के समय भी दिल्ली में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। दिल्ली में बारिश का दौर अगले दो दिनों तक जारी रह सकता है। बिहार में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। 14 जिलों के 2,360 गांवों में करीब 44 लाख लोग प्रभावित हैं। प्रदेश की 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाढ़ के चलते 27,954 लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। मौसम विभाग ने शनिवार को दक्षिण-पूर्व और सीमांचल के 9 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन इलाकों में कुछ जगह हल्की बारिश हो सकती है। हरियाणा में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को 16 जिलों में हल्की बारिश हो सकती है। कल से दो दिन तेज बारिश का अनुमान है। इस बीच प्रदेश के औसत तापमान में थोड़ी गिरावट आई है, लेकिन पश्चिमी जिलों में गर्मी अभी बनी हुई है। सिरसा और हिसार में अधिकतम तापमान 37डिग्री के पार रहा। वहीं अंबाला और चरखी दादरी में तापमान 36 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया।

नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन, 1434 प्रकरणों का हुआ निराकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण के कुशल मार्गदर्शन में शनिवार, 12 सितंबर 2026 को जिले में नेशनल लोक अदालत का सफल आयोजन किया गया। लोक अदालत में कुल 1545 प्रकरण प्रस्तुत किए गए, जिनमें से 1434 प्रकरणों का निराकरण करते हुए कुल 4 करोड़ 79 लाख 5 हजार 609 रुपये की अवार्ड राशि निर्धारित की गई।

नेशनल लोक अदालत के आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण द्वारा समस्त विभागों के अधिकारियों एवं न्यायाधीशगण की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा समय-समय पर प्रोत्साहित एवं निरंतर समीक्षा की गई।

नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री प्राणेश कुमार प्राण के कर-कमलों से विशेष न्यायाधीश (एट्रोसिटी) श्री रघुवीर प्रसाद पटेल, प्रथम जिला न्यायाधीश श्री गौतम सिंह मरकाम, द्वितीय जिला

न्यायाधीश श्री डी.एन. सिंह, प्रथम जिला न्यायाधीश के अतिरिक्त जिला न्यायाधीश श्रीमती तबस्सुम खान, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनीष सिंह, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सतीश शर्मा सहित न्यायिक मजिस्ट्रेटगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में किया गया।

इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण एवं न्यायाधीश व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट श्री सतीश शर्मा द्वारा जिला न्यायालय बालाघाट में आयोजित लोक अदालत का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। जिला न्यायालय परिसर में जिला आयुष विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया, जिसमें पक्षकारों, अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा 200 से अधिक व्यक्तियों को दवाइयों का वितरण किया गया। लोक अदालत के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण द्वारा श्रवण बाधित बालकों को कान की मशीन का वितरण किया गया। साथ ही वैवाहिक विवाद संबंधी एक प्रकरण का राजीनामा के माध्यम से निराकरण कर पक्षकारों को फलदार एवं छायादार पौधों का वितरण किया गया। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए जिला न्यायालय बालाघाट में 13 खंडपीठ, सिविल न्यायालय बैहर में 3 खंडपीठ, सिविल न्यायालय कटंगी में 1 खंडपीठ, सिविल न्यायालय लांजी में 1 खंडपीठ तथा सिविल न्यायालय वारासिवनी में 7 खंडपीठों का गठन किया गया। इस प्रकार संपूर्ण जिले में कुल 25 न्यायिक खंडपीठों का गठन किया गया।

लोक अदालत में आपराधिक शमनीय प्रकरण, पराक्राम्य अधिनियम की धारा 138 के अंतर्गत प्रकरण, बैंक/मनी रिकवरी मामले, एम.ए.सी.टी. प्रकरण, वैवाहिक प्रकरण, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, जल कर एवं विद्युत चोरी सहित शमनीय प्रकरण तथा विभिन्न दीवानी मामलों का निराकरण किया गया। इसके अलावा प्री-लिटिगेशन के अंतर्गत बैंक रिकवरी, विद्युत एवं जल कर/बिल संबंधी शमनीय प्रकरण, आपराधिक शमनीय, वैवाहिक एवं दीवानी प्रकरण भी निराकरण हेतु रखे गए।

नेशनल लोक अदालत का अधिवक्ता संघ ने किया बहिष्कार

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देश पर शनिवार को बालाघाट न्यायालय परिसर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया, लेकिन जिला अधिवक्ता संघ के आह्वान पर अधिवक्ताओं ने इसका बहिष्कार कर दिया। अधिवक्ता न तो न्यायालयीन कार्य में शामिल हुए और न ही लोक अदालत की खंडपीठों में पहुंचे। इसके साथ ही अधिवक्ताओं ने रैली निकालकर न्यायालय के सामने प्रदर्शन किया और नवीन न्यायालय भवन के निर्माण के लिए राशि आवंटित नहीं किए जाने पर सरकार के खिलाफ नाराजगी जताई।

भूमि मिली आश्वासन मिला पर भवन निर्माण की नही मिली राशि

नया न्यायालय नवीन न्यायालय भवन निर्माण की मांग को लेकर नेशनल लोक अदालत का बहिष्कार कर रहे अधिवक्ताओं ने बताया कि जिला अधिवक्ता संघ के प्रयासों से कलेक्टर कार्यालय के पास नवीन न्यायालय भवन के लिए 9 एकड़ 87 डिसमिल भूमि का आवंटन हो चुका है, लेकिन भवन निर्माण के लिए अभी तक सरकार की ओर से आवश्यक राशि स्वीकृत नहीं की गई है। राशि आवंटन को लेकर चीफ जस्टिस और मुख्यमंत्री से मुलाकात करने के साथ ही लगातार पत्राचार भी किया गया, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं।

बहिष्कार से अदालत की प्रक्रिया भी हुई प्रभावित

बताया गया की नेशनल लोक अदालत में न्यायालयीन समझौता योग्य प्रकरणों के अलावा विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों का निराकरण किया जाना था। समझौता योग्य प्रकरणों के निराकरण में अधिवक्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण रहती है। ऐसे में अधिवक्ताओं के बहिष्कार के चलते लोक अदालत की प्रक्रिया भी प्रभावित हुई।अध्यक्ष मलेवार ने कहा कि अधिवक्ताओं की अनुपस्थिति की स्थिति में समाजसेवियों को लोक अदालत की प्रक्रिया में शामिल किए जाने की बात सामने आई है, लेकिन जिला अधिवक्ता संघ को इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई है कि किन समाजसेवियों को शामिल किया गया है।

अब बड़े आंदोलन की चेतावनी

अधिवक्ता संघ ने स्पष्ट किया कि नवीन न्यायालय भवन के लिए राशि आवंटन की मांग को लेकर अधिवक्ता लंबे समय से प्रयास कर रहे हैं। इसके बावजूद यदि सरकार ने इस गंभीर समस्या पर शीघ्र निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

जर्जर भवन में काम करने की मजबूरी- अधिवक्तागण

अधिवक्ता संघ उपाध्यक्ष दिलीप चौधरी, अधिवक्ता अनूप सिंह बैस, सुश्री मंगला भारवे, सहित अन्य अधिवक्ताओं ने कहा कि वर्तमान जिला न्यायालय भवन काफी पुराना और जर्जर हो चुका है। यहां न्यायाधीशों एवं अधिवक्ताओं के बैठने के लिए पर्याप्त सुविधाएं भी नहीं हैं। उन्होंने शासन-प्रशासन से नवीन न्यायालय भवन के लिए शीघ्र राशि स्वीकृत कर निर्माण कार्य प्रारंभ कराने की मांग की।

जर्जर भवन कभी भी गंभीर हादसे का कारण बन सकता है

जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष प्रवेश मलेवार ने बताया कि बालाघाट का न्यायालय परिसर और बार रूम दशकों पुराने हैं। भवन की स्थिति जर्जर होने के कारण न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं के साथ ही न्यायालय में आने वाले पक्षकारों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जर्जर भवन कभी भी गंभीर हादसे का कारण बन सकता है।उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पर विचार नहीं होने की स्थिति में अधिवक्ता धरना-प्रदर्शन, आंदोलन और जरूरत पड़ने पर बालाघाट बंद जैसे बड़े कदम उठाने से भी पीछे नहीं हटेंगे।

पहले से ज्यादा प्रकरणों का हुआ निराकरण- प्राण

मामले को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में प्रधान जिला एंव सत्र न्यायाधीश बालाघाट प्राणेश कुमार प्राण ने स्पष्ट तौर पर कहा कि पिछली लोक अदालत के मुकाबले इस लोक अदालत में अधिक प्रकरणों का निराकरण किया गया है और अधिक प्रकरणों का निराकरण भी हो सकता था किसी के बहिष्कार करने से कुछ ज्यादा फर्क नहीं पड़ा है।

एक नजर में

- नेशनल लोक अदालत का अधिवक्ताओं ने किया बहिष्कार
- न्यायालयीन कार्य से भी विरत रहे अधिवक्ता
- लोक अदालत की खंडपीठों में नहीं पहुंचे वकील
- रैली निकालकर न्यायालय के सामने किया प्रदर्शन
- नवीन न्यायालय भवन के लिए 9.87 एकड़ भूमि आवंटित
- भवन निर्माण के लिए राशि आवंटन का इंतजार
- चीफ जस्टिस और मुख्यमंत्री से मिल चुका है संघ
- मांग पूरी नहीं होने पर बालाघाट बंद की चेतावनी

आवश्यकता है

लड़कों की आवश्यकता है

10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा

मो. 9340308019

आस्था भी, पर्यावरण भी और स्थानीय कलाकारों का सम्मान भी-नगर पालिका अध्यक्ष

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आगामी पर्यूषण महापर्व, तीजा पर्व एवं गणेश उत्सव को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने नगर पालिका के संबंधित विभागों को आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि पर्व हमारी आस्था और परंपराओं से जुड़े होने के साथ-साथ सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय कलाकारों को प्रोत्साहित करने का भी माध्यम बनें, इसके लिए हम सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

जनभावनाओं और पर्वों की सात्विकता का रखा जाए ध्यान

नगर पालिका अध्यक्ष ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी एवं राजस्व विभाग को निर्देशित किया है कि पर्यूषण महापर्व एवं गणेश उत्सव के दौरान सार्वजनिक स्थलों, प्रमुख मार्गों, धार्मिक स्थलों के आसपास तथा सामान्य नागरिकों के अधिक आवागमन वाले क्षेत्रों में खुले रूप से संचालित मांस, मटन एवं अंडे की दुकानों को हटाकर नियमानुसार अन्य उपयुक्त स्थानों पर व्यवस्थित किया जाए।

उन्होंने कहा कि पर्यूषण महापर्व एवं गणेश उत्सव श्रद्धा, उपासना, संयम एवं सात्विकता से जुड़े पर्व हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस दौरान पूजा-अर्चना, उपवास और धार्मिक अनुष्ठान करते हैं। इसलिए उनकी आस्था एवं भावनाओं का सम्मान करते हुए सार्वजनिक स्थानों पर ऐसी गतिविधियाँ न हों, जिनसे किसी की धार्मिक भावनाएँ आहत हों।

संबंधित दुकानदारों को इसकी सूचना देने और नगर में नियमित निरीक्षण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। निर्देशों के बावजूद नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित दुकानदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। वहीं कार्रवाई एवं निरीक्षण में अधिकारी-कर्मचारियों की लापरवाही पाए जाने पर उनकी भी जवाबदेही तय की जाएगी।

POP नहीं, मिट्टी के गणेश विराजित करें

नगर पालिका अध्यक्ष ने गणेश उत्सव को पर्यावरण हितैषी और स्थानीय कलाकारों के सम्मान का पर्व बनाने की अपील करते हुए कहा कि शहर में गणेश प्रतिमाओं के अनेक विक्रय स्थल लगाए जाते हैं तथा बाहर से भी प्रतिमाएँ विक्रय के लिए लाई जाती हैं। ऐसे में प्रतिमा विक्रेताओं को पर्यावरणीय नियमों एवं लागू दिशा-निर्देशों का

पूर्णतः पालन करना होगा।

उन्होंने नगर पालिका के इंजीनियरों एवं संबंधित दलों को गणेश प्रतिमा विक्रय स्थलों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। प्रतिबंधित सामग्री अथवा नियमों के विपरीत प्लास्टर ऑफ पेरिस (क्क्क) से निर्मित प्रतिमाएँ पाए जाने पर उनका विक्रय रोकने तथा लागू पर्यावरणीय नियमों, प्रदूषण नियंत्रण संबंधी दिशा-निर्देशों एवं सक्षम प्राधिकरण/न्यायालय के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

नगर पालिका अध्यक्ष ने प्रतिमा विक्रेताओं से भी अपील की है कि वे मिट्टी से निर्मित पर्यावरण हितैषी गणेश प्रतिमाओं का ही विक्रय करें तथा प्रतिबंधित सामग्री से बनी प्रतिमाओं का विक्रय न करें।

स्थानीय कुम्हारों से खरीदें प्रतिमा — ङ्कश्ष्ड्ड्य द्वश्रह्ल स्थ्ष्ड्ड्य को दें मजबूती

नगर पालिका अध्यक्ष ने नागरिकों से विशेष अपील करते हुए कहा—

हमारे स्थानीय कुम्हार भाई-बहन और मूर्तिकार कई दिनों की मेहनत से मिट्टी को भगवान श्री गणेश का सुंदर स्वरूप देते हैं। प्रतिमा निर्माण से लेकर रंग-रोगन और साज-सज्जा तक उनकी कला और परिश्रम जुड़ा होता है। हम सभी का प्रयास होना चाहिए कि गणेश उत्सव पर अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों में मिट्टी से निर्मित गणेश जी की ही स्थापना करें और यथासंभव प्रतिमा अपने स्थानीय कुम्हार एवं मूर्तिकार भाई-बहनों से ही खरीदें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'ङ्कश्ष्ड्ड्य द्वश्रह्ल स्थ्ष्ड्ड्य' एवं स्थानीय उत्पादों और कारीगरों को प्रोत्साहित करने के आह्वान की भावना को हम अपने त्योहारों में भी आत्मसात करें। स्थानीय कलाकारों से प्रतिमा खरीदने से उनकी कला को सम्मान मिलेगा, रोजगार को बढ़ावा मिलेगा और हमारा गणेश उत्सव भी अधिक पर्यावरण अनुकूल बनेगा।

हमारा पर्व हमारी जिम्मेदारी

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि गणेश उत्सव के दौरान हमारा प्रयास होना चाहिए कि आस्था के साथ पर्यावरण की भी रक्षा हो। मिट्टी की प्रतिमाएँ प्राकृतिक रूप से विसर्जित हो जाती हैं, इसलिए नागरिक पर्यावरण हितैषी गणेशोत्सव मनाएँ और जलस्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने में नगर पालिका का सहयोग करें।

मातृशक्ति को तीजा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ

नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने तीजा पर्व के अवसर पर नगर की समस्त मातृशक्ति एवं बहनों को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि पति की दीर्घायु, परिवार की सुख-समृद्धि एवं मंगलकामना के लिए श्रद्धापूर्वक रखा जाने वाला यह व्रत हमारी समृद्ध पारिवारिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं का प्रतीक है।

उन्होंने कामना की कि भगवान शिव एवं माता पार्वती की कृपा से सभी परिवारों में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे।

साथ ही उन्होंने समस्त नगरवासियों को पर्यूषण महापर्व एवं श्री गणेश चतुर्थी व गणेश उत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए सभी पर्वों को आपसी प्रेम, सद्भाव, सात्विकता, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ मनाने की अपील की।

मिट्टी के गणेश अपनाएँ — पर्यावरण बचाएँ, स्थानीय कलाकारों को बढ़ाएँ।

— श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर
अध्यक्ष, नगर पालिका परिषद बालाघाट

सजने लगे पंडाल, जिले भर में गणेशोत्सव की तैयारी शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में गणेश उत्सव की तैयारियां शुरू हो गई है।14 सितंबर से शुरू होने वाले गणेश उत्सव को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।वहीं गणेश उत्सव की तारीख को निकट देखते हुए मूर्तिकार गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने की तैयारी में जुट चुके हैं।बताया जा रहा है कि जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में 14 सितंबर को श्रद्धालु भक्त गणों द्वारा घरो व चौक चौराहों में गणेश प्रतिमा स्थापित की जाएगी।जहां 10 दिनों तक विशेष पूजा अर्चना कर 25 सितंबर से धूमधाम के साथ इन प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। जहां श्रद्धालु भक्तगण बैंड बाजे के साथ विभिन्न जलाशयों में पहुंचकर अगले बरस तू जल्दी आ के नारों के साथ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन करेंगे। 10 दिनों तक चलने वाले गणेश उत्सव को लेकर तमाम पंडाल समिति वालों ने इस उत्सव में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की तैयारियां शुरू कर दी हैं। तो वहीं भाड़ा,मिट्टी, मटेरियल के दामो में आए उछाल से मूर्तिकार काफी परेशान हैं।

बाजार में रौनक बिखेर रही गणेश प्रतिमाए

गणेश उत्सव को अन करीब देखते हुए बाजार भगवान गणेश की प्रतिमाओ से सज चुके हैं। जहां 500रु से लेकर 25हजार रु तक की सजी धजी मूर्तियां बिक्री के लिए तैयार है।जो लोगो को अपनी ओर आकर्षित करते नजर आ रही है।इस शैली की मूर्तियों में गणेश भगवान चूहे, गरुण, मोर, पर्वत और कोई आसन लगाए बैठे हैं।देखने में यह मूर्तियां अधिक आकर्षक लग रही है। बताया जा रहा है कि पहले श्रद्धालु साइज के हिसाब से ही मूर्तियां खरीदते थे,लेकिन अब सुंदरता, कलर मैचिंग, कपड़े व सजावट को भी पैमाना मानते हैं।

पीओपी प्रतिमा निर्माण से मूर्तिकार कर रहे परहेज

प्रशासनिक अनुमति ना होने के चलते इस वर्ष भी मूर्तिकार पीओपी की मूर्तियां बनाने से परहेज कर रहे हैं। नगर के ज्यादातर मूर्तिकार मिट्टी की प्रतिमाएं बनाने में जुटे हुए हैं।उधर महंगाई बढ़ाने और कारोबार में आई गिरावट के चलते मूर्तिकारों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ रहा है।आपको बताए कि मूर्तिकारों के लिए यह वह समय होता है जब वे साल भर के लिए अपनी कमाई तीन से चार माह के भीतर कर लेते है।लेकिन इस वर्ष

कारोबार में फिलहाल उछाल ना होने की बात कही जा रही है।वही बैठकी के दिन व एक दिन पूर्व रविवार व सोमवार को उछाल आने की बात कही जा रही है।

बारिश के चलते बाहर से नहीं आ रही प्रतिमाएं

आपको बताए कि हर वर्ष गणेशोत्सव में बालाघाट जिले के अलावा अन्य जिलों से भी गणेश प्रतिमा विक्रय के लिये मूर्तिकारों द्वारा शहर में लाई जाती है। हालांकि बारिश के चलते बाहर से प्रतिमा विक्रय के लिये लगने वाली दुकानें सजी नहीं है।स्थानीय दुकानदार ही प्रतिमाओ की दुकान लगाए नजर आ रहे है।बताया गया कि सार्वजनिक समितियों के अलावा गणपति बप्पा की प्रतिमा श्रद्धालु भक्तजनों द्वारा घरों में स्थापित कर 10 दिनों तक विधि-विधान से भगवान गणेश की पूजा अर्चना की जाती है। गणेशोत्सव को लेकर श्रद्धालुजन भी बेसब्री से इंतजार करते है। बाजार में हरितालिका पर्व व गणेश स्थापना को लेकर पूजन सामग्री की दुकानें सजी रही।

पर्यावरण को ध्यान में रख मिट्टी की बनाई जा रही प्रतिमाए

पीओपी की प्रतिमाएं बैन होने के चलते नगर के मूर्तिकार मिट्टी की प्रतिमाएं बनाकर उन प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि पर्यावरण के प्रति आई जागरुकता के कारण मूर्तिकार सिर्फ मिट्टी की ही मूर्तिया बना रहे है। वही श्रद्धालुओं में भी मिट्टी की प्रतिमा की मांग हर साल बढती जा रही है। क्योंकि ऐसी प्रतिमाएं विसर्जन के दौरान पानी में आसानी से घुल जाती हैं। मूर्ति की सजावट के लिए प्लास्टिक एवं अन्य चीजों का उपयोग भी नही किया जा रहा है।वही लोगों का पीओपी प्रतिमा के प्रति रुझान कम हो रहा है। वही प्रशासनिक आदेश के तहत मूर्तिकार भी पीओपी से बनी मूर्तियों से परहेज कर, मिट्टी से बनी प्रतिमाएं बनाने और उन्हें अंतिम रूप देने में जुट चुके हैं।

फिलहाल नही है प्रतिमाओ की मांग

इस बार समितियों के द्वारा बड़ी प्रतिमाओं को बनाने का ज्यादा ऑर्डर नहीं दिया गया है।मूर्तिकारो का कहना है कि अभी छोटे सांचे की मूर्तियां बनाई जा रही जो घर-घर मे विराजमान होने की वजह अच्छी मांग रहती और जैसे समितियों का ऑर्डर मिलेगा तो बड़ी मूर्तियों को अंतिम आकार देकर रंग रोगन के साथ फाइनल टच दे दिया जाएगा।

महंगाई बढ़ने के कारण,प्रतिमाओं के बढ़े दाम- दुकानदार

प्रतिमाएं बिक्री को लेकर की गई औपचारिक चर्चा के दौरान मूर्तिकार व दुकानदारो ने बताया कि वे प्रतिमा बनाने का कार्य करीब 25-30 वर्षो से कर रहे है।प्रतिमा बनाने का काम पूर्वजों के समय से किया जा रहा है। वर्तमान में मिट्टी व रंग पेंट काफी महंगे मिलने लगे है जिससे मूर्तियों का दाम भी बढ़ गया है। हमारे पास 500 रूपये से मूर्तियों का दाम प्रारंभ है हम 25 हजार रूपये की कीमत तक की प्रतिमाए बना रहे है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0036/ड-154/2026-27
मौजा पांढरवानी, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गजलाल देशमुख पिता इमरत देशमुख, जाति मरार, निवासी ग्राम पांढरवानी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा पांढरवानी, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा उनके चाचा पिरम पिता नान्हो का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 02.03.2003 मृत्यु स्थल ग्राम पांढरवानी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 14.09.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 07.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 13.09.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0037/ड-154/2026-27
मौजा पांढरवानी, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गजलाल देशमुख पिता इमरत देशमुख, जाति मरार, निवासी ग्राम पांढरवानी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा पांढरवानी, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा उनकी चाची पुरनीबाई पति पिरम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 15.05.1986 मृत्यु स्थल ग्राम पांढरवानी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 14.09.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 07.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 13.09.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

दुकान में अवैध शराब की बिक्री- महिला गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रूपझर थाना क्षेत्र की सोनेवानी पुलिस चौकी अंतर्गत बंजारी तिराहा स्थित एक दुकान में पुलिस ने दबिश देकर अवैध रूप से रखी देशी-विदेशी शराब जब्त की है। पुलिस ने इस मामले में दुकान संचालक महिला को गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार 12 सितम्बर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बंजारी तिराहा स्थित एक दुकान में अवैध रूप से शराब रखकर उसकी बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर रूपझर थाना प्रभारी कामेश धूमकेती के मार्गदर्शन में सोनेवानी पुलिस चौकी की टीम ने दुकान पर छापा मारकर तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान दुकान से करीब 4 हजार रुपये कीमत की देशी-विदेशी शराब बरामद हुई।मामले में पुलिस ने अनीता डोंगरे 45 वर्ष ग्राम सोनेवानी निवासी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, महिला द्वारा अपनी दुकान में अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री की जा रही थी।पुलिस ने महिला के कब्जे से 30 पाव देशी प्लेन मदिरा, 15 पाव अंग्रेजी लाल मसाला, 1 नग ऑफिसर्स चॉइस, 2 नग आईबी, 3 नग मैजिक मूमेंट तथा 2 नग बैगपाइपर व्हिस्की जप्त की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 4 हजार रुपये बताई गई है।पुलिस ने प्रकरण में आबकारी अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए आरोपी महिला को गिरफ्तार किया है। क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस द्वारा आगे भी कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

खुले में जाम छलकाने वालों पर कार्रवाई

डेंजर रोड से बजरंग घाट तक देर रात चला अभियान, कान पकड़वाकर लगवाई उठक-बैठक; ड्रिंकिंग ड्राइव पर भी निगरानी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों के परिसरों और सुनसान सड़कों पर खुलेआम शराब पीने वालों के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है। बीते कुछ दिनों से लगातार मिल रही शिकायतों के बाद पुलिस ने देर शाम और रात के समय शहर के अलग-अलग हिस्सों में गश्त बढ़ाते हुए ऐसे लोगों पर कार्रवाई शुरू की है, जो सार्वजनिक जगहों को शराबखोरी का अड्डा बना रहे थे। पुलिस की इस कार्रवाई से देर रात खुले में शराब पीने वालों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

कोतवाली थाना प्रभारी अजय गुर्जर के अनुसार पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ लोग शासकीय कार्यालयों, सार्वजनिक संस्थानों, प्रमुख चौक-चौराहों और सुनसान मार्गों पर खुले में शराब का सेवन कर रहे हैं। खासकर डेंजर रोड और बजरंग घाट की ओर जाने वाले रास्तों पर देर शाम के बाद शराब पीने वालों के जमावड़े की शिकायतें सामने आ रही थीं। इसके बाद पुलिस ने केवल शिकायत आने का इंतजार करने के बजाय अलग-अलग क्षेत्रों में पैदल गश्त और पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने का निर्णय लिया। 11 सितंबर की देर रात से लेकर 12 सितंबर की शाम तक पुलिस की अलग-अलग टीमों ने शहर के कई संवेदनशील और सुनसान इलाकों में दबिश दी। बस स्टैंड, हॉस्पिटल रोड, उत्कृष्ट विद्यालय मैदान, हनुमान चौक, शराब दुकान के आसपास सहित कई स्थानों पर पुलिस टीम पहुंची और खुले में शराब पी रहे लोगों को मौके पर ही रोककर समझाइश दी। कुछ मामलों में पुलिस ने कार्रवाई भी की। पुलिस की निगरानी केवल शहर के व्यस्त इलाकों तक सीमित नहीं रही। डेंजर रोड क्षेत्र में भी पुलिस ने पहुंचकर खुले में शराब सेवन कर रहे लोगों को पकड़ा। यहां पुलिस ने शराब पी रहे लोगों को सार्वजनिक स्थान पर ऐसा कृत्य नहीं करने की हिदायत दी और मौके पर ही सख्ती दिखाते हुए उठक-बैठक लगवाई तथा कान पकड़वाकर चेतावनी दी। पुलिस की इस कार्रवाई का उद्देश्य सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी और उससे जुड़ी अव्यवस्था पर अंकुश लगाना बताया जा रहा है। थाना प्रभारी अजय गुर्जर ने बताया कि खुले में शराब पीने वालों के खिलाफ कार्रवाई के साथ पुलिस शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर भी नजर रख रही है। ऐसे मामलों में ड्रिंकिंग ड्राइव से संबंधित कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि सार्वजनिक स्थान पर शराब पीना केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि इससे आसपास रहने वाले लोगों, राहगीरों और परिवारों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार शराब के नशे में विवाद और अन्य घटनाओं की स्थिति भी बन जाती है। कोतवाली पुलिस द्वारा अचानक अलग-अलग स्थानों पर गश्त और दबिश दिए जाने से उन लोगों में खलबली है, जो देर शाम सुनसान इलाकों में बैठकर खुलेआम शराब का सेवन करते हैं। पुलिस ने संकेत दिया है कि यह अभियान केवल एक-दो दिन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शिकायतों और संवेदनशील स्थानों को चिन्हित कर आगे भी कार्रवाई जारी रखी जाएगी। शहर में सार्वजनिक स्थानों पर शराबखोरी रोकने के लिए पुलिस की सक्रियता से आम नागरिकों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि अब बड़ा सवाल यह है कि पुलिस की यह सख्ती कितने समय तक लगातार जारी रहती है और क्या कार्रवाई के बाद शहर के उन स्थानों पर दोबारा शराबखोरी पर पूरी तरह रोक लग पाती है, जहां लंबे समय से शिकायतें सामने आती रही हैं।

आंवलाझरी में नशे के खिलाफ महिलाओं की मुहिम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट/भरवेली। भरवेली थाना क्षेत्र के ग्राम आंवलाझरी में गांव को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से महिला संगठन द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में 11 सितंबर की रात महिला संगठन के सदस्यों ने रैली निकालकर हाथ भट्टी की कच्ची शराब बनाने और बेचने वालों के खिलाफ छापामार कार्रवाई की।महिलाओं द्वारा गांव में नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने के साथ ही कच्ची शराब के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के प्रयास किए जा रहे हैं। महिला संगठन की इस मुहिम को भरवेली पुलिस का सहयोग भी मिल रहा है। 11 सितंबर की रात पुलिस के सहयोग से महिलाओं ने

रैली निकाली और कच्ची शराब बेचने वालों के ठिकानों पर पहुंचकर कार्रवाई की।भरवेली थाना प्रभारी भूपेंद्र पन्द्रों ने बताया कि नशामुक्ति संगठन के सदस्यों द्वारा हाथ भट्टी की कच्ची शराब बेचने वालों के यहां छापामार कार्रवाई की गई है। ग्राम आंवलाझरी को नशामुक्त बनाने के लिए महिला संगठन द्वारा पहल की जा रही है। पुलिस द्वारा भी इस अभियान में आवश्यक सहयोग किया जा रहा है।महिला संगठन की इस पहल का उद्देश्य गांव को नशे के दुष्प्रभाव से मुक्त कराना और ग्रामीणों को नशे के खिलाफ जागरूक करना है।

किसानों के मुद्दों पर जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने उठाई आवाज

धान खरीदी व्यवस्था पर पुनर्विचार की मांग, कीट व मौसम से प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वे कराने की अपील

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किसानों की समस्याओं को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरसवार ने प्रदेश शासन एवं प्रशासन के समक्ष धान खरीदी व्यवस्था, उपज के उचित मूल्य तथा फसल नुकसान से जुड़े मुद्दे उठाए हैं। उन्होंने किसानों के हित में धान खरीदी की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के साथ ही कीट प्रकोप और खराब मौसम से प्रभावित फसलों का तत्काल सर्वे कराने की मांग की है।

भावांतर योजना पर सरकार करे पुनर्विचार

धान खरीदी व्यवस्था को लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि बालाघाट-सिवनी क्षेत्र धान उत्पादन के प्रमुख क्षेत्रों में शामिल है और बड़ी संख्या में किसानों की आजीविका धान की खेती पर निर्भर है। ऐसे में किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिलना जरूरी है।उन्होंने भावांतर योजना के माध्यम से धान

खरीदी के निर्णय पर पुनर्विचार करने तथा किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए पूर्व घोषित समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की।

कीट प्रकोप से फसल प्रभावित

जिले के विभिन्न क्षेत्रों में धान की फसल पर माहू, अन्य कीट एवं पतंगा के प्रकोप के साथ खराब मौसम के कारण फसल प्रभावित होने की बात भी सामने आई है। इसको लेकर सरसवार ने प्रभावित क्षेत्रों में मैदानी स्तर पर सर्वे कराने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि किसानों ने फसल तैयार करने में मेहनत और पूंजी लगाई है। यदि कीट प्रकोप अथवा मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से फसल को नुकसान होता है, तो ऐसे समय में शासन की ओर से किसानों को नियमानुसार राहत और सहायता मिलना जरूरी है।

वास्तविक नुकसान का हो आकलन

जिला पंचायत अध्यक्ष ने प्रशासन से मांग की कि संबंधित क्षेत्रों में अधिकारियों की टीम भेजकर फसलों की स्थिति का वास्तविक आकलन कराया जाए। सर्वे में प्रभावित किसानों और नुकसान का सही विवरण दर्ज कर पात्र किसानों को समयबद्ध तरीके से राहत उपलब्ध कराई जाए।उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान केवल कागजी प्रक्रिया तक सीमित न रहे, बल्कि मैदानी स्तर पर स्थिति की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए।

उठाते रहेंगे किसान हित के मुद्दे

सम्राट सिंह सरसवार ने कहा कि किसान जिले की अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण कड़ी हैं। धान खरीदी, उचित मूल्य और फसल नुकसान जैसे किसानों से जुड़े मुद्दों को आगे भी शासन-प्रशासन के समक्ष उठाया जाता रहेगा। उन्होंने शासन से किसान हित में धान खरीदी व्यवस्था की समीक्षा करने तथा प्रभावित फसलों का शीघ्र सर्वे कर राहत उपलब्ध कराने की मांग की है।

नेशनल लोक अदालत में नपा के 887 कर प्रकरणों का निराकरण

संपत्तिकर के 660 और जलकर के 227 मामलों में हुआ समझौता, 18.09 लाख रुपये नकद जमा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर पालिका परिषद बालाघाट से संबंधित संपत्तिकर और जलकर के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए 12 सितंबर को आयोजित नेशनल लोक अदालत में 887 मामलों का आपसी समझौते के आधार पर निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में कुल 1 करोड़ 36 लाख 5 हजार 695 रुपये की समझौता राशि तय हुई, जिसमें से लोक अदालत के दिन 18 लाख 9 हजार 195 रुपये नकद जमा किए गए। इन मामलों के निराकरण से कुल 381 लोग लाभान्वित हुए।नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीतसिंह ठाकुर, प्रभारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश ऊके, राजस्व सभापति वकील वाधवा के निर्देशन तथा राजस्व निरीक्षक वाचस्पति त्रिपाठी के मार्गदर्शन में 33 वार्डों के राजस्व कर्मियों द्वारा कर प्रकरण लोक अदालत में प्रस्तुत किए गए।

संपत्तिकर के सभी 660 प्रकरण निराकृत

संपत्तिकर से संबंधित कुल 660 प्रकरण लोक अदालत में रखे गए थे, जिनका निराकरण समझौते के आधार पर किया गया। इन मामलों में 1 करोड़ 16 लाख 32 हजार 86 रुपये की समझौता

राशि तय हुई, जबकि 16 लाख 99 हजार 195 रुपये नकद जमा किए गए। इससे 253 लोग लाभान्वित हुए।

जलकर के 227 मामलों में भी समझौता

जलकर के कुल 227 प्रकरणों का भी निराकरण किया गया। इन मामलों में समझौते की राशि 19 लाख 73 हजार 609 रुपये रही, जिसमें से 1 लाख 10 हजार रुपये लोक अदालत के दिन नकद जमा किए गए। जलकर प्रकरणों के निराकरण से 128 लोग लाभान्वित हुए।

लंबित मामलों के समाधान का मिला अवसर

लोक अदालत के माध्यम से करदाताओं को लंबे समय से लंबित संपत्तिकर और जलकर संबंधी विवादों को आपसी सहमति से समाप्त कराने का अवसर मिला। इससे जहां नागरिकों को अपने प्रकरणों के त्वरित निराकरण की सुविधा मिली, वहीं नगर पालिका को भी राजस्व प्राप्त हुआ। कुल 887 प्रकरणों का निपटारा और करीब 18.09 लाख रुपये की तत्काल नकद वसूली नगर पालिका के राजस्व की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

प्रेसिडेंट कप जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला फुटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित प्रेसिडेंट कप जिला स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट 2026 का फाइनल स्थानीय रेंजर कॉलेज मैदान में 13 सितम्बर को दोपहर 2 बजे से डायमंड रॉक और मॉयल इलेवन भरवेली के बीच होगा। टूर्नामेंट के फाइनल व समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी उपस्थित रहेंगे। 12 सितम्बर को टूर्नामेंट का दो सेमी फाइनल मैच खेला गया। इसमें पहला मैच पुलिस बॉयल फुटबॉल क्लब बालाघाट व मॉयल इलेवन भरवेली के बीच हुआ। इसमें भरवेली 3-1 गोल से विजयी रही। दूसरा सेमी फाइनल मैच डायमंड रॉक व गौरव फुटबॉल क्लब तिरोड़ी के बीच खेला गया। इसमें डायमंड रॉक 1-0 गोल से विजयी हुई।इस अवसर पर अतिथि के रूप में बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष अनूपसिंह बैस, विधायक प्रतिनिधि शफकत खान, पार्षद व प्रतिपक्ष नेता योगराज कारो लिल्हारे, पूर्व पार्षद पन्ना शर्मा व अन्य उपस्थित रहे। टूर्नामेंट के फाइनल व समापन अवसर पर आयोजन समिति के पदाधिकारी गणेश अग्रवाल, फुटबाल संघ जिला उपाध्यक्ष जेम्स बारिक, सुनील यादव, दिलीप राजपूत, डॉ. अक्षय कटरे, पूनम खोब्रागढ़े सहित अन्य पदाधिकारियों ने खेलप्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

14 सितंबर को श्री गणेश चतुर्थी, दोपहर 11.02 से 1.31 बजे तक स्थापना का शुभ मुहूर्त

पद्मेश न्यूज। लांजी। विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के स्वागत की तैयारियां क्षेत्र में तेज हो गई हैं। इस वर्ष श्री गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर, सोमवार को मनाया जाएगा। खास बात यह है कि इस बार गणेश चतुर्थी और हरितालिका व्रत एक ही दिन पड़ रहे हैं। गणेश चतुर्थी के अवसर पर घरों, प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाएगी। पंचांग के अनुसार 14 सितंबर की सुबह करीब 7.06 बजे से चतुर्थी तिथि प्रारंभ होगी, जो 15 सितंबर की सुबह करीब 7.44 बजे तक रहेगी। गणेश स्थापना एवं पूजा के लिए मध्यान्ह का शुभ मुहूर्त सुबह 11.02 बजे से दोपहर 1.31 बजे तक बताया गया है। इसी दौरान श्रद्धालु भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना कर विधिवत पूजन कर सकते हैं। गणेशोत्सव को लेकर लांजी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। मूर्तिकारों द्वारा भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। वहीं गणेश मंडलों द्वारा पंडाल सजाने, विद्युत सजावट और पूजा-अर्चना की तैयारियां की जा रही हैं। घरों में भी श्रद्धालु गणेश प्रतिमा स्थापना के लिए साफ-सफाई एवं सजावट में जुटे हैं। गणेश स्थापना से पहले श्रद्धालु पूजा स्थल की साफ-सफाई कर चौकी पर स्वच्छ वस्त्र बिछाकर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करेंगे। इसके बाद गणेशजी का पूजन, पुष्प अर्पण, दूर्वा, मोदक एवं अन्य नैवेद्य चढ़ाकर आरती की जाएगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और शुभ कार्यों का प्रथम पूज्य देव माना जाता है। इसलिए किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेशजी की पूजा करने की परंपरा है। इस वर्ष गणेश चतुर्थी पर एक विशेष स्थिति बनी है, क्योंकि इसी दिन हरितालिका व्रत भी है। पंचांग विशेषज्ञों के अनुसार दोनों पर्वों की तिथियां अलग-अलग समय में प्रभावी होने के कारण श्रद्धालु अपने-अपने धार्मिक अनुष्ठान निर्धारित समय के अनुसार कर सकते हैं। हरितालिका पूजन के लिए प्रात:काल तृतीया तिथि का समय और गणेश स्थापना के लिए मध्यान्ह काल में चतुर्थी तिथि को प्रमुख माना गया है। गणेशोत्सव का समापन अनंत चतुर्दशी पर होगा। इस वर्ष अनंत चतुर्दशी 25 सितंबर, शुक्रवार को रहेगी।

मॉडिफाइड साइलेंसर की पटाखे जैसी आवाज और तेज रफ्तार पर यातायात पुलिस सख्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सड़क सुरक्षा, आमजन की सुविधा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस ने मॉडिफाइड साइलेंसर लगाकर पटाखे जैसी तेज एवं कर्कश आवाज निकालने तथा तेज रफ्तार से वाहन चलाने वाले बुलेट चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की।

वाहन चेकिंग के दौरान पकड़े गए दो बुलेट चालक

यातायात पुलिस के अनुसार 11 सितंबर को थाना यातायात बालाघाट की टीम द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान दो बुलेट मोटरसाइकिल चालक ऐसे पाए गए।जिन्होंने अपने वाहनों में अनधिकृत रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर लगा रखे थे। इन साइलेंसर से तेज एवं पटाखे जैसी कर्कश आवाज निकल रही थी। इसके अलावा दोनों चालक तेज गति से वाहन चलाते पाए गए।पुलिस ने दोनों बुलेट मोटरसाइकिल चालकों के विरुद्ध मोटरयान अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत चालानी एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की।

ध्वनि प्रदूषण के साथ दुर्घटना का भी खतरा

यातायात पुलिस ने बताया कि वाहनों में अनाधिकृत रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने से तेज और पटाखे जैसी आवाज निकलती है।जिससे सड़क पर चलने वाले आम नागरिकों को असुविधा होती है और ध्वनि प्रदूषण भी बढ़ता है। अचानक तेज आवाज निकलने से अन्य वाहन चालक भी असहज हो सकते हैं, जिससे सड़क पर दुर्घटना की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका रहती है।वहीं तेज रफ्तार से वाहन चलाना भी सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बन सकता है। इससे वाहन चालक के साथ-साथ पैदल राहगीरों और अन्य वाहन चालकों की सुरक्षा भी प्रभावित होती है।

मानक साइलेंसर का ही करें उपयोग

कार्रवाई के दौरान यातायात पुलिस द्वारा वाहन चालकों को समझाइश दी गई कि वे अपने वाहनों में कंपनी द्वारा निर्धारित मानक साइलेंसर का ही उपयोग करें। पुलिस ने स्पष्ट किया कि वाहन में अनधिकृत मॉडिफिकेशन कराकर तेज आवाज निकालना यातायात नियमों का उल्लंघन है। वाहन चालकों से निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने और सड़क पर सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई।

नियम तोड़ने वालों पर आगे भी जारी रहेगी कार्रवाई

थाना यातायात बालाघाट पुलिस ने कहा है कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध वाहन चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। विशेष रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर, तेज रफ्तार, अनाधिकृत वाहन मॉडिफिकेशन और अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।यातायात पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने वाहनों में किसी भी प्रकार का अनधिकृत मॉडिफिकेशन न कराएं, निर्धारित गति सीमा का पालन करें और यातायात नियमों का पालन करते हुए स्वयं के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

आस-पास की खबरें

खमरिया क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया पोला और नारबोद का पर्व

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत ग्राम पंचायत खमरिया सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में पोला एवं नारबोद का पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ एवं धूमधाम

से मनाया गया। इस अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पोला पर्व पर क्षेत्रीय कृषकों के द्वारा भगवान नंदी के स्वरूप बैलों को विभिन्न रंगों से सजाकर आखर चौक में गुरूवार को एकत्रित किया गया। जहां पर आम की तोरण के समीप खड़ाकर उनकी पूजा अर्चना की गई और झड़ती देकर उन्हें विदा किया गया। जिसके पश्चात घरों में पूजा अर्चना की गई एवं तरह-तरह के पकवान बनाकर अपने हाथों से उन्हे खिलाया गया। वहीं सजाई गई बैलों की जोड़िया पोला पर्व का मुख्य आकर्षण रही। कृषि कार्य के लिये किये गये सहयोग पर बैलों का उपकार जताया गया है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किसान बैलों की सेवा कृषि कार्य में सहयोग के लिये उपकार मनाते हैं। जिसके चलते यहां पोला किसानों का प्रमुख त्यौहार माना जाता है।

गांव की सीमा के बाहर मारबत के पुतले का किया दहन

खमरिया क्षेत्र में नारबोद पर्व धुमधाम से मनाया गया। पोला त्यौहार के दूसरे दिन नारबोद (मारबत) का त्यौहार आता है। इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह के समय नारबोद पर्व मनाते हुए मारबत का पुतला दहन किया गया। यह पर्व पोला पाटन के दूसरे दिन मनाया जाता है, इस दिन पूतना नामक राक्षसी का पुतला मारबत बनाकर लोग आफत, बलायें, बीमारियों व महंगाई सहित अन्य बुराईयों को भी गांव की सीमा से बाहर निकालने के लिये 'घेऊन जा री नारबोद' कहकर पुतले को गांव की सीमा से बाहर ले जाकर पुतले का दहन करते है। इस त्यौहार को लेकर मान्यता है कि इस दिन भगवान श्रीकृष्ण ने पूतना का वध किया था। जिसके चलते यह त्यौहार मनाया जाता है। इसे लोग बीमारी, महंगाई और बुराइयों को कोसते हुए नारबोद का पुतला गांव-बस्ती से बाहर ले जाकर जलाते हैं।

भावांतर योजना के विरोध में उतरा किसान कांग्रेस

पूर्व की भांति समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की मांग को लेकर किसान कांग्रेस ने महामहिम राज्यपाल के नाम तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

फसलों का सर्व करवाकर मुआवजा एवं भावांतर योजना को बंद करने की मांग की, मांगे पूरी न होने पर उग्र आंदोलन की दी चेतावनी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

भावांतर योजना के विरोध और किसानों की विभिन्न ज्वंलत समस्याओं को लेकर किसान कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है। 12 सितंबर को नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में किसान कांग्रेस कमेटी लालबर्रा के तत्वाधान में एक महत्वपूर्ण और आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसानों, ग्रामीण जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उपस्थिति दर्ज करवाकर शासन की वर्तमान किसान नीतियों के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश सरकार द्वारा भावांतर योजना के तहत कृषि उपज मंडी के माध्यम से धान खरीदी करने के निर्णय का कड़ा विरोध करना था। वहीं उपस्थित पदाधिकारी एवं किसानों ने अपनी बात रखते हुए कहा कि शासन द्वारा पूर्व में सेवा सहकारी साख समितियों के माध्यम से संचालित किये जा रहे धान खरीदी केंद्रों पर ही समर्थन मूल्य पर खरीदी की जाती रही है। सरकार के द्वारा कृषि उपज मंडी के माध्यम से भावांतर योजना लागू करना किसानों के हितों के विपरीत है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान और परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

कीट प्रकोप से बर्बाद फसल का आरबीसी 6/4 के तहत सर्वे करवाकर उचित मुआवजे की मांग

वहीं क्षेत्र में पिछले एक माह से जारी लगातार बारिश और खराब मौसम के चलते धान की फसलों पर माहू (माहू-करपा) कीट का भयंकर प्रकोप देखा जा रहा है। कीटों के हमले से धान की फसलें पूरी तरह से बर्बाद होने की कगार पर पहुंच चुकी हैं। इस समस्या से व्यथित होकर लालबर्रा क्षेत्र के किसान बेहद परेशान है। बैठक संपन्न होने के बाद किसान कांग्रेस कमेटी के द्वारा नायब तहसीलदार को महामहिम राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा है। जिसमें किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए भावांतर योजना का आदेश तत्काल निरस्त किये जाने और पूर्व की भांति सेवा सहकारी साख समितियों के माध्यम से ही घोषित समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी सुनिश्चित करने। साथ ही मौसम की मार और अत्यधिक बारिश के कारण खेतों में माहू कीट का संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है। जिससे किसानों की पुरी फसल प्रभावित हो रही है। प्रभावित क्षेत्रों का राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी 6/4) के तहत तत्काल निष्पक्ष सर्वेक्षण करवाया जाये। सर्वेक्षण के पश्चात धान की फसल में हुए नुकसान का सही आकलन कर पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा (क्षतिपूर्ति) राशि प्रदान करने की मांग की है। वहीं उक्त मांगे पूरी नही होने पर उग्र आंदोलन करने की प्रशासन को चेतावनी दी है। इस अवसर पर किसान कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे, खमरिया अध्यक्ष भोजलाल पटले सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं किसान उपस्थित रहे।

भावांतर योजना में किसान की धान मंडियों में बिकेगा - धर्मेन्द्र

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पूर्व उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र ढांडे ने बताया कि सरकार के द्वारा भावांतर योजना के तहत किसानों की धान की फसल को मंडियों में खरीदने वाली है। जबकि पूर्व में सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से समर्थन मूल्य में खरीदी की गई है लेकिन अब नियम बदलकर मंडी स्तर पर खरीदी करने वाली है। जिससे किसानों को 30 से 40 किमी. दूर अपनी उपज लेकर जाना पड़ेगा, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पडेगा। श्री ढांडे ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2300 से 2400 रूपये प्रति क्विं. निर्धारित किया गया है। जबकि भावांतर योजना में किसानों का धान मंडियों में 15 से 17 सौं रूपये प्रति क्विं. बिकेगा जिससे किसानों को काफी नुकसान होगा। इसलिए पूर्व की तरह ही सेवा सहकारी समितियों के माध्यम से समर्थन मूल्य में धान खरीदी होनी चाहिए।

मांगे पूरी नही होने पर किसानों के साथ मिलकर करेंगे आंदोलन - मुनेन्द्र

किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष मुनेन्द्र ठाकरे ने बताया कि क्षेत्र में धान की खड़ी फसल कीटों और माहू रोग के कारण पूरी तरह खराब होने लगी है, महंगी दवाओं का छिड़काव के बाद भी बीमारी रूक नही रही है। वहीं दुसरी ओर सरकार भावांतर योजना के तहत किसानों की उपज खरीदने वाली है जिससे किसानों को काफी नुकसान होगा इसलिए उक्त संबंध में किसान कांग्रेस के पदाधिकारी एवं किसानों की बैठक आयोजित कर आगामी कार्यक्रमों की रणनीति तैयार की गई है। श्री ठाकरे ने बताया कि महामहिम रा'यपाल के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर फसलों का सर्वे करवाकर मुआवजा देने, भावांतर योजना को बंद करने की मांग की है। उक्त मांगे पूरी नही होने पर किसानों के साथ मिलकर सरकार के खिलाफ उग्र आंदोलन किया जायेगा।

भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं को अंतिम रूप दे रहे मूर्तिकार

रंग-पेंट कार्य में जुटे मूर्तिकार, 14 सितंबर से शुरू होगा 10 दिवसीय श्रीगणेशोत्सव पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में 10 दिवसीय गणेशोत्सव पर्व आगामी 14 सितंबर से भक्तिभाव एवं धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसकी तैयारियों में जुटे मूर्तिकारों के द्वारा भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं को अंतिम रूप प्रदान करने का काम किया जा रहा है। नगर मुख्यालय के ग्राम पंचायत पांढरवानी-लालबर्रा एवं अमोली में मूर्तिकारों के द्वारा भगवान श्रीगणेश के प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने के साथ ही रंग-रोगन का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है जिसमें अधिकांश प्रतिमायें बनकर तैयार भी हो गई है। वहीं गत दिवस से रूक-रूक कर हो रही बारिश एवं बदलीनुमा मौसम के कारण मूर्तिकारों को भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाएं बनाने में कुछ परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है और धूप नही निकलने से प्रतिमाओं को सुखाने में परेशानी हो रही है। ऐसी स्थिति में कंडे के माध्यम से प्रतिमा को सुखाकर प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने के साथ ही उसमें रंग-पेंट भी करने लगे है। वहीं बारिश होने के कारण सबसे अधिक परेशानी बड़ी मूर्ति को बनाने में हो रही है। चर्चा में मुर्तिकार एसपी घाटे ने बताया कि वर्तमान में भगवान श्रीगणेश मूर्तियों को अंतिम रूप देने का काम तेजी से किया जा रहा है। छोटी मूर्तियों की पेंटिंग और फिनिशिंग का काम अंतिम चरण में है, जबकि अधिकांश बड़ी मूर्तियां तैयार की जा चुकी हैं। लेकिन बारिश के कारण बड़ी मूर्तियों को तैयार करने में परेशानी हो रही है। साथ ही बड़ी मूर्ति बनाने में सबसे अधिक परेशानी हो रही

है, धूप नही निकलने के कारण कंडे में सुखाना पड़ रहा है। वहीं रंग-पेंट के दामों में भी वृध्दि हुई है जिसके कारण मूर्ति व प्रतिमाओं के निर्माण की लागत भी बढ़ रही है परन्तु उसके हिसाब से वाजिब दाम नही मिल पाता है। श्री घाटे ने बताया कि मिट्टी भी खरीदना करना पडता है, लंबे समय से प्रशासन से मिट्टी खदान उपलब्ध करवाने की मांग कर रहे है लेकिन उपलब्ध नही करवाया जा रहा है। शासन-

खमरिया के युवा ने मुंबई में लहराया परचम

बटेर पालन और फ्री-रेंज पोल्ट्री फार्मिंग में राष्ट्रीय सम्मान से बढ़ाया बालाघाट का मान

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम खमरिया के युवा उद्यमी स्नेहिल वाघाड़े ने अपनी मेहनत, नवाचार और उद्यमशील सोच के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर बालाघाट जिले का नाम रोशन किया है। बटेर पालन एवं फ्री-रेंज पोल्ट्री फार्मिंग के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्यों के लिए स्नेहिल वाघाड़े को मुंबई में आयोजित विशेष सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। ग्रामीण अंचल से निकलकर राष्ट्रीय मंच पर मिली इस उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण क्षण माना जा रहा है। वहीं स्नेहिल वाघाड़े ग्राम खमरिया (लालबर्रा) निवासी भोजराम वाघाड़े एवं श्रीमती लक्ष्मी वाघाड़े के पुत्र हैं। उनके पिता भूतपूर्व शिक्षक तथा माता भूतपूर्व जनपद सदस्य, सरपंच रही हैं। परिवार से मिले संस्कार और मार्गदर्शन के साथ स्नेहिल ने पशुपालन एवं पोल्ट्री फार्मिंग के क्षेत्र में पारंपरिक तौर-तरीकों से आगे बढ़ते हुए आधुनिक एवं व्यावसायिक दृष्टिकोण अपनाया। मुंबई में आयोजित यह सम्मान समारोह भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के अंतर्गत केंद्रीय कुक्कुट विकास संगठन (पश्चिमी क्षेत्र), मुंबई में आयोजित किया गया था। समारोह के दौरान स्नेहिल वाघाड़े को उनके उल्लेखनीय कार्य एवं पोल्ट्री क्षेत्र में योगदान के लिए नरेश पाल

गंगपाल एवं श्री मुथु कुमार स्वामी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्हें प्रशस्ति एवं सम्मान चिन्ह प्रदान किया गया। वहीं बटेर पालन और फ्री-रेंज पोल्ट्री फार्मिंग को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में स्नेहिल द्वारा किये जा रहे प्रयास ग्रामीण युवाओं और किसानों के लिए एक नई राह दिखाते हैं। उन्होंने यह साबित करने का प्रयास किया है कि ग्रामीण क्षेत्र में रहकर भी आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रबंधन और व्यावसायिक सोच के साथ कृषि एवं पशुपालन आधारित उद्यम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। वर्तमान समय में जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण युवा रोजगार की तलाश में शहरों की ओर रूख कर रहे हैं, वहीं स्नेहिल का प्रयास गांव में रहकर कृषि आधारित स्वरोजगार और उद्यमिता की संभावनाओं को मजबूत करने वाला है। बटेर पालन एवं फ्री-रेंज पोल्ट्री फार्मिंग जैसे क्षेत्रों में व्यवस्थित तरीके से काम कर युवा अपनी आय के नये स्त्रोत विकसित कर सकते हैं। स्नेहिल की यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि एक छोटे से ग्रामीण क्षेत्र से निकलकर उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के मंच पर पहचान बनाई है। भारत सरकार के अधीन केंद्रीय कुक्कुट विकास संगठन द्वारा सम्मानित होना न केवल स्नेहिल और उनके परिवार के लिए, बल्कि ग्राम खमरिया, लालबर्रा क्षेत्र और पूरे बालाघाट जिले के लिए गौरव की बात है। स्नेहिल वाघाड़े ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक पशुपालन एवं पोल्ट्री फार्मिंग को अपनाकर युवा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। मेहनत, नई सोच और सही दिशा में निरंतर प्रयास के माध्यम से गांवों में भी रोजगार एवं व्यवसाय के बेहतर अवसर तैयार किये जा सकते हैं। इस उपलब्धि पर सभी ने स्नेहिल वाघाड़े को शुभकामनाएं दी है।

श्वेताम्बर जैन मंदिर में मनाया जा रहा पर्युषण पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित श्वेताम्बर जैन मंदिर में जैन धर्मावलंबियों के द्वारा 8 सितंबर से 15 सितंबर तक पर्युषण पर्व मनाया जा रहा है। इस अवसर पर धर्मावलंबियों के द्वारा श्वेताम्बर जैन मंदिर में आकर्षक साज-सज्जा व लाइटिंग की गई है जिससे पूरा मंदिर रौशनी से जगमगा रहा है एवं पर्युषण पर्व के अवसर पर जैन धर्मावलंबियों के द्वारा मंदिर में पहुंचकर विशेष पूजा आराधना की जा रही है। पर्यूषण पर्व के पांचवे दिन शनिवार को 24 वें तीर्थकर भगवान महावीर के जन्म महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। वहीं शोभायात्रा निकलने के पूर्व मंदिर में भगवान महावीर स्वामी की माता त्रिशाला ने 14 स्वप्न देखे थे उनकी बोलियां की गई और प्रत्येक बोली पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये। जिसके बाद श्वेताम्बर जैन मंदिर से भगवान महावीर की शोभायात्रा बैडबाजे के साथ निकाली गई। जो नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची जहां विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। चर्चा में श्वेताम्बर जैन मंदिर के पदाधिकारियों ने बताया कि जैन धर्मालंबियों के द्वारा 8 सितंबर से पर्यूषण पर्व मनाया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन प्रात: 6.30 बजे से प्रभु पक्षाल, स्नात्र पूजा, शांति कलश एवं कल्पसूत्र वाचन किया जा रहा है एवं दोपहर 2.30 बजे से धर्म

चर्चा एवं रात्रि में भक्ति कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। आगे बताया कि 12 सिंतबर को पर्व के पांचवें दिन 24 वें तीर्थकर भगवान महावीर का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया गया, इस अवसर पर मंदिर से भगवान महावीर की शोभायात्रा निकाली गई एवं पर्व का समापन 15 सितंबर को किया जायेगा। साथ ही यह भी बताया कि यह पर्युषण पर्व 8 दिवस का होता है जिसमें प्रतिदिन प्रभु महावीर की आराधना की जाती है एवं पर्यूषण पर्व के पांचवे दिन भगवान महावीर का जन्म कल्याण (जन्मोत्सव) मनाया जाता है और भगवान महावीर स्वामी की माता त्रिशाला ने 14 स्वप्न देखे थे। उनकी बोलियां की जाती है एवं प्रत्येक बोली पर बच्चों के सांस्कृति कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। साथ ही पर्यूषण पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है एवं विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। इस अवसर पर जैन धर्मालंबी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पूर्व की तरह समर्थन मूल्य पर हो धान खरीदी, भावांतर योजना के निर्णय को निरस्त करें सरकार-सम्राट

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरसवार ने 12 सितंबर को महामहिम राज्यपाल के नाम पत्र प्रेषित कर समर्थन मूल्य पर धान खरीदी पूर्व घोषित केंद्रो पर ही करवाये जाने और मंडी में भावांतर योजना के तहत धान खरीदी के निर्णय को तत्काल निरस्त करने की मांग की है। जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार ने पत्र के माध्यम से अवगत करवाया कि बालाघाट एवं सिवनी जिले प्रमुख रूप से धान उपज बाहुल्य क्षेत्र हैं, जहां किसानों की जीविका का मुख्य आधार धान की खेती ही है। विगत दिनों म.प्र. शासन द्वारा मंडी के माध्यम से भावांतर योजना के अंतर्गत कृषकों की उपज खरीदने के आदेश दिये गये हैं, जो कि अत्यंत अव्यावहारिक एवं कृषकों के साथ अन्याय है। आगे कहा कि पूर्व घोषित धान खरीदी केंद्रों पर समर्थन मूल्य पर ही धान की खरीदी करना कृषकों के हित में है। यदि धान की खरीदी मंडी में भावांतर योजना के तहत की जायेगी, तो किसानों को फसल बेचने में अतिरिक्त रूपये और समय लगेगा। शासन के इस निर्णय से क्षेत्र के कृषकों में भारी आक्रोश है और वे आंदोलन की राह पर हैं। श्री सरस्वार ने महामहिम रा'यपाल से मांग की है कि किसानों की समस्याओं व हितों को ध्यान में रखते हुए भावांतर योजना के आदेशों को निरस्त किया जाये और पूर्व की भांति समर्थन मूल्य पर निर्धारित केंद्रों पर धान खरीदी की जाये। यदि भावांतर योजना के आदेश निरस्त नहीं किये जाते हैं, तो किसानों के हित में उग्र आंदोलन किया जायेगा।

आस-पास की खबरें

रामपायली पुलिस ने बिटोड़ी में दबिश देकर की 60 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । सागर जिले में जहरीली शराब के सेवन से हुई मौतों के बाद पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर अवैध शराब के निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं बिक्री के खिलाफ पूरे प्रदेश में

अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में रामपायली पुलिस द्वारा भी अवैध शराब के कारोबार में लिप्त लोगों के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर थाना रामपायली पुलिस ने ग्राम बिटोड़ी में दबिश देकर 60 लीटर कच्ची महुआ शराब जब्त करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना रामपायली पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम बिटोड़ी में गणेश नगपुरे उम्र 35 वर्ष निवासी बिटोड़ी द्वारा घर के पीछे स्थित छपरी में अवैध रूप से क' ची महुआ शराब का निर्माण किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। कार्यवाही के दौरान छपरी में शराब बनाने के लिए रखी 60 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई। पुलिस ने मौके से शराब निर्माण में प्रयुक्त दो बर्तन एवं लोहे का चूल्हा जिसकी अनुमानित कीमत करीब 11 हजार रुपये को जब्त किया। जब्त शराब एवं सामग्री को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के विरुद्ध थाना रामपायली में अपराध क्रमांक 306/2026 आबकारी अधिनियम की धारा 34,2 के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की गई है। इसी के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना तंत्र को सक्रिय करते हुए अवैध शराब बनाने और बेचने वालों के ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस की इस कार्यवाही से अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों में हड़कंप की स्थिति है।

व्यवहार न्यायालय में नेशनल लोक अदालत का हुआ आयोजन

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट प्रणेश कुमार प्राण के कुशल निर्देशन में शनिवार को तहसील न्यायालय वारासिवनी में संजयराज ठाकुर द्वितीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं प्रभारी अधिकारी, तहसील विधिक सेवा समिति के नेतृत्व में वर्ष 2026 की तृतीय नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ व्यवहार न्यायालय के समस्त न्यायाधीशगण एवं अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारीगण के द्वारा किया गया। उक्त नेशनल लोक अदालत में व्यवहार न्यायालय में कुल 7 खण्डपीठों का गठन किया गया। गठित खण्डपीठ जिसमें से खण्डपीठ क्रमांक 19 के पीठासीन अधिकारी जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश संजयराज ठाकुर की खण्डपीठ से मोटर दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति संबंधी प्रकरणों के 4 मामलों का निराकरण किया जाकर 2275000 रूपये के अवार्ड पारित किये गए। आपराधिक अपील के 2 मामलों का निराकरण किया गया। सिविल अपील का 1 प्रकरण एवं सिविल एमजेसी का 1 प्रकरण निराकृत किया गया। सिविल निष्पादनवाद के 1 मामले का निराकरण किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल 9 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल 2567475 रूपये के अवार्ड पारित किये गए। खण्डपीठ क्रमांक 20 के पीठासीन अधिकारी कमलेश मीणा प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश की खण्डपीठ से मोटर दुर्घटना दावा एवं क्षतिपूर्ति से संबंधित 1 प्रकरण का निराकरण किया जाकर 150000 रूपये की अवार्ड राशि प्राप्त की गई। विद्युत संबंधी विवादों में 16 मामलों का निराकरण किया जाकर 267303 रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। हिन्दू विवाह से संबंधित 2 मामलों का निराकरण किया गया। एमजेसी गार्जियन वार्डस एक्ट का 1 मामला निराकृत हुआ। क्लेम निष्पादनवाद का 1 प्रकरण निराकरण किया जाकर 1923537 रूपये के अवार्ड की राशि वसूल हुई। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल 21 मामलों का निराकरण किया जाकर 2340840 रूपये समझौता राशि के रूप में प्राप्त किये गए। खण्डपीठ क्रमांक 21 के पीठासीन अधिकारी श्रीमती दिव्या सिंह न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी की खण्डपीठ में आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के 2 मामले, परकाम्य लिखत अधिनियम के 2 मामलों में 265000 रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई एवं अन्य सिविल प्रकृति का 1 प्रकरण का निराकरण किये जाने पर 1014000 रूपये की राशि प्राप्त की गई एवं धारा.125 के 8 मामलों में निराकरण किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल 13 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल 1279000 की राशि प्राप्त की गई। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक 22 के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी ऋषभ डॉनल सिंह के न्यायालय द्वारा आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति का 4 प्रकरण निराकृत किये गए। एवं परकाम्य लिखत अधिनियम के 1प्रकरण निराकृत हुए एवं 390000 रूपये की समझौता राशि प्राप्त हुई। एमजेसीआर का 1 प्रकरण निराकृत किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ में कुल 8 प्रकरणों का निराकरण किया जाकर कुल 390000 रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इसी क्रम में खण्डपीठ क्रमांक 23 के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती अंकिता जैन के न्यायालय में आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के 7 प्रकरण का निराकरण किया गया। अन्य सिविल प्रकृति के 2 मामले एवं एमजेसीआर धारा.125 के 1 प्रकरण में 40000 की राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल 10 प्रकरणों का निराकरण किया गया। खण्डपीठ क्रमांक 24 के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री नेहा बाथरी के न्यायालय में आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के 6 प्रकरण का निराकरण किया गया एवं परकाम्य लिखत अधिनियम के 2 मामलों का निराकरण किया जाकर 230000 रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। धारा.125 से संबंधित 22 प्रकरण एवं घरेलू हिंसा से संबंधित 13 मामलों का निराकरण किया गया। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल 43 प्रकरणों का निराकरण किया 230000 रूपये की अवार्ड राशि प्राप्त की गई। खण्डपीठ क्रमांक 25 के पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नयन जैन के न्यायालय द्वारा आपराधिक एवं शमनीय प्रकृति के 26 प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं परकाम्य लिखत अधिनियम से संबंधित 3 प्रकरणों में 745000 रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार उक्त खण्डपीठ से कुल 29 प्रकरणों का निराकरण किया गया एवं कुल 745000 रूपये की अवार्ड राशि प्राप्त हुई। कुल 7 खण्डपीठों में कुल 130 प्रकरणों का निराकरण होकर 7592315 रूपयों की समझौता राशि प्राप्त की गई। इस प्रकार प्री.लिटिगेशन के प्रकरणों में बैंक के ऋण संबंधी 5 मामलों का निराकरण किया जाकर 3215000 रूपये की समझौता राशि प्राप्त की गई। प्रि.लिटिगेशन प्रकरण में विद्युत अधिनियम के 45 प्रकरण निराकृत हुये एवं कुल 874015 की समझौता राशि की वसूली की गई। प्री.लिटिगेशन प्रकरणों में नगर पालिका द्वारा कुल 33 प्रकरणों में समझौता होकर 369116 लोक अदालत के माध्यम से प्राप्त की गई। इस प्रकार प्रीलिटिगेशन के कुल 84 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

फुलचूर में महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत,कुएं में मिला शव

बीमारी से परेशान होने की बात सामने आई, पुलिस ने मर्ग जांच की प्रारंभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । खैरलाँजी थाना अंतर्गत ग्राम फुलचूर में 58 वर्षीय एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। महिला का शव गांव के एक कुएं में मिलने की सूचना से पूरे ग्राम में सनसनी फैल गई जहां लोगों की भीड़ लगी रही। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर

पहुंचकर कुंए से भूमेश्वरी मेश्राम का शव बरामद कर आवश्यक कार्यवाही शुरू की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम फुलचूर निवासी ईश्वरीदास मेश्राम ने पुलिस को बताया कि वह मजदूरी का कार्य करता है और उसके साथ उसकी पत्नी भूमेश्वरी मेश्राम रहती थी। 12 सितंबर की सुबह करीब 5.30 बजे जब वह शौच के लिए उठा तब उसकी पत्नी घर में मौजूद नहीं थी। इसके बाद उसने आसपास तथा मोहल्ले में महिला की तलाश की और पड़ोसियों से भी उसके संबंध में पूछताछ की परंतु कहीं कोई जानकारी नहीं मिली। इसके बाद खेत तालाब और नाले में तलाश किया गया तभी कुएं में तलाश के दौरान महिला के कुएं में होने की जानकारी सामने आई। इसके बाद कुएं में महिला के शव मिलने की जानकारी आग की तरह पूरे ग्राम में फैल गई जहां लोगों की भीड़ लग गई। इसी दौरान परिजनों एवं ग्रामीणों के द्वारा कुंए से भूमेश्वरी मेश्राम के शव को कुएँ से बाहर निकाला गया लेकिन तब तक उसकी मृत्यु हो चुकी थी। तत्पश्चात इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी परिजनों के द्वारा थाना खैरलांजी को पुलिस सूचना दी गई। जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर आवश्यक पूछताछ करने के बाद मामले में पंचनामा कार्यवाही कर खैरलांजी शव वि' छेदन गृह में शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया वहीं मामले में दर्ज मर्ग जांच की जा रही है। मृतिका के पति ईश्वरीदास मेश्राम ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी पिछले कुछ समय से गंभीर बीमारी से परेशान थी। इसी वजह से वह मानसिक रूप से परेशान रहती थी। परंतु कारण क्या है इसकी जानकारी पता नहीं है और कैसे क्या हुआ मुझे जानकारी नहीं हैं। जब यह घर में नहीं दिखे तो आसपास काफी तलाश के बाद कुएं में शव दिखाई दिया था। पुलिस का कहना हैं की घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद महिला की मौत के कारणों की स्थिति और स्पष्ट होने की संभावना है।

भौरगढ़ में मनाया तान्हा पोला पर्व 160 नंदी रहे आकर्षण का केंद्र

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी । खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम भौरगढ़ में कृषि एवं पशुधन के प्रति सम्मान की भावना को जीवंत रखने तथा नई पीढ़ी को अपनी लोक संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों से जोड़ने के उद्देश्य से पोला एवं तान्हा पोला पर्व का भव्य आयोजन किया गया। पर्व को लेकर ग्रामीणों के साथ साथ बच्चों में भी खासा उत्साह देखने को मिला। आयोजन स्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। वहीं छोटे छोटे बच्चे आकर्षक ढंग से सजाए गए नंदी लेकर पहुंचे। तान्हा पोला पर्व के अवसर पर करीब 160 नंदी आयोजन में शामिल हुए। बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का परिचय देते हुए नंदियों को विभिन्न प्राकृतिक एवं आकर्षक सामग्रियों से सजाया था। सजे धजे नंदी आयोजन स्थल पर लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहे। बच्चों के उत्साह, मेहनत और उनकी सुंदर सजावट ने पूरे कार्यक्रम को खास बना दिया। ग्रामीणों ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके द्वारा तैयार किए गए नंदियों की जमकर सराहना की। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य सुनीता बहेटवार ने कहा कि पोला और तान्हा पोला जैसे पर्व हमारी लोक संस्कृति, परंपरा और संस्कारों की पहचान हैं। इन परंपराओं को सुरक्षित रखना, संरक्षित करना और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी युवाओं एवं ग्रामीणों की नैतिक जिम्मेदारी है। भौरगढ़ में तान्हा पोला पर्व के आयोजन में ब' चों की जिस उत्साहपूर्ण भागीदारी को देखने का अवसर मिला वह निश्चित रूप से मन को प्रसन्न करने वाला है। बच्चों को बचपन से ही लोक परंपराओं और सांस्कृतिक आयोजनों से जोड़ना आवश्यक है। ऐसे आयोजन बच्चों में अपनी संस्कृति के प्रति सम्मान, अपनत्व और जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजन समिति के द्वारा आमंत्रित कर निर्णायक के रूप में भूमिका निभाने का अवसर मिलना उनके लिए गौरवपूर्ण, सौभाग्यशाली और यादगार पल रहा। आयोजन समिति के द्वारा बच्चों के उत्साह को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किए गए। विशेष रूप से प्रकृति.अनुकूल सामग्री से सुंदर ढंग से सजाकर नंदी लाने वाले पांच बच्चों को सम्मानित किया गया। समिति की इस पहल के माध्यम से बच्चों को रचनात्मकता के साथ साथ प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया गया। आयोजन के दौरान यह संदेश भी दिया गया कि पोला और तान्हा पोला जैसे पर्व केवल उत्सव मनाने तक सीमित नहीं हैं ,बल्कि इनके माध्यम से नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, लोक संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराने का महत्वपूर्ण अवसर मिलता है। इस अवसर पर भौरगढ़ आयोजन समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

खेत की मेड़ में मोटरसाइकिल सहित गिरा युवक

उपचार के लिए ले जाते समय हुई मौत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलाँजी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत खैरी में खेत में मोटरसाइकिल समेत गिरने से एक 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। घटना 11 सितंबर 2026 की सुबह की बताई जा रही है। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मौके की परिस्थितियों की जानकारी लेकर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम खैरी निवासी सौरभ बनोटे पिता अमरतलाल बनोटे उम्र करीब 20 वर्ष खेती किसानी का काम करता था। जो अपनी मोटरसाइकिल से आ रहा था इसी दौरान वह मोटरसाइकिल सहित खेत में गिर गया । इस घटना के बाद आसपास के लोगों के द्वारा उसे उठाकर परिजनों को जानकारी दी गई जिसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस के द्वारा मर्ग कायम कर जांच प्रारंभ कर दी गई हैं। इस संबंध में प्रार्थी कमलेश बनोटे ने पुलिस को बताया कि घटना वाले दिन सुबह करीब 10 बजे वह अपने घर पर था। इसी दौरान गांव के कई लोग रोड की ओर जाते दिखाई दिए। पूछताछ करने पर उन्हें जानकारी मिली कि सौरभ बनोटे खेत में गिर गया है। इसके बाद जब लोग घटनास्थल की ओर पहुंचे तो सौरभ को खेत की मेड़ के पास मोटरसाइकिल समेत गिरा हुआ पाया गया। बताया गया कि मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने के कारण वह खेत की बंधी या मेड़ में गिर गया था। घटना के बाद ग्रामीणों की मदद से सौरभ को वहां से उठाकर सड़क तक लाया गया। परिजनों और ग्रामीणों ने सौरभ को उपचार के लिए ले जाने की तैयारी की। इस दौरान उसके कपड़े बदलने के लिए उसे घर ले जाया गया। घर ले जाने के दौरान ही सौरभ की हालत बिगड़ गई और उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार युवक की मौत मोटरसाइकिल से गिरने के बाद आई चोटों के कारण या किसी अन्य वजह से होने की संभावना व्यक्ति की जा रही है हालांकि पुलिस ने मर्ग क्रमांक 30/26 कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के द्वारा घटनास्थल , दुर्घटना की परिस्थितियों और प्रत्यक्षदर्शियों से मिली जानकारी के आधार पर आगे की कार्यवाही की जा रही है। परंतु पुलिस ने बताया कि मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद यही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा अभी मामले में मर्ग जांच की जा रही है।

नगर परिषद लांजी में नेशनल लोक अदालत 49 करदाताओं से 1.48 लाख की वसूली

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर परिषद लांजी में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। इसमें संपत्ति कर और जलकर के बकायादारों को बकाया राशि जमा करने पर नियमानुसार छूट का लाभ दिया गया। लोक अदालत के दौरान संपत्ति कर के 15 और जलकर के 34 प्रकरणों का निराकरण किया गया। दोनों मदों सहित कमरा किराया से नगर परिषद को कुल 1 लाख 47 हजार 876 रुपए की वसूली प्राप्त हुई। मध्यप्रदेश शासन नगरीय विकास एवं आवास विभाग के निर्देशानुसार आयोजित लोक अदालत में व्यवहार न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण खंडपीठ लांजी के पीठासीन अधिकारी प्रीतम शाह तथा नगर परिषद के पीठासीन अधिकारी एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने की उपस्थिति में कार्रवाई की गई। नगर परिषद की ओर से संपत्ति कर के 55 और जलकर के 56 बकायादारों को बिल वितरित किए गए थे। लोक अदालत में संपत्ति कर से 69 हजार 138 रुपए, जलकर शुल्क से 53 हजार 960 रुपए तथा कमरा किराया से 24 हजार 778 रुपए की वसूली हुई। संपत्ति कर के 15 और जलकर के 34 करदाताओं को नियमानुसार छूट भी प्रदान की गई। इस प्रकार कुल 49 प्रकरणों का निराकरण किया गया।

ई-नगरपालिका पोर्टल से जमा किया कर

लोक अदालत सुबह 10.30 बजे से दोपहर 3.30 बजे तक चली। नगर परिषद अध्यक्ष रेखा ताराचंद कालबेले के निर्देशन में करदाताओं को बकाया कर जमा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। संपत्ति कर एवं जलकर की राशि ई-नगरपालिका 2.0 पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन जमा कराई गई और करदाताओं को ई-रसीद प्रदान की गई। इस दौरान सभापति एवं पार्षद किशोर रामटेक्कर और दिनेश कचवाहे सहित नगर परिषद की राजस्व शाखा के कर्मचारी मौजूद रहे। राजस्व शाखा प्रभारी गुलाबचंद लटारे, सहायक राजस्व शाखा प्रभारी विनोद रहमतकर, कंप्यूटर ऑपरेटर गोविंद कुमार राऊत, ई-नगरपालिका 2.0 तकनीकी सहायक साबिया खान तथा राजस्व वार्ड प्रभारियों ने वसूली कार्य में सहयोग किया। नगर परिषद के अनुसार लोक अदालत में बड़े बकायादारों सहित अन्य करदाताओं ने उपस्थित होकर वर्षों से लंबित संपत्ति कर एवं जलकर जमा किया और छूट का लाभ उठाया। मुख्य नगरपालिका अधिकारी मयूर वाहने ने सभी करदाताओं का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

धार्मिक अल्पसंख्यक एवं साम्प्रदायिक राष्ट्रवाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत का तीन देशों का दौरे के बाद विश्लेषक इस पर अपनी-अपनी राय जाहिर कर रहे हैं। कुछ ने यह कहते हुए भागवत की सराहना की है कि उन्होंने विविधता को हिन्दुत्व से जोड़कर उसे अधिक उदार बनाया है। क्या हिन्दुत्व किसी भी तरह से इतना उदार हो सकता है कि उसमें हमारे देश की समृद्ध धार्मिक विविधता समाहित हो सके? किसी भी देश में विविधता का कितना सम्मान है, इसका अंदाजा उस देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों की स्थिति से लगाया जा सकता है। कहने की आवश्यकता नहीं है कि किसी देश में लोकतंत्र की सेहत कैसी है, यह इस आधार पर जाना जा सकता है कि वहां अल्पसंख्यक कितने सुरक्षित हैं। वर्तमान में लोकतंत्र संबंधी सूचकांकों पर भारत की स्थिति लगातार गिरती जा रही है। हमें इसे अल्पसंख्यकों के हालात और वे स्वयं अपनी स्थिति के बारे में क्या सोचते हैं, से जोड़कर देखना चाहिए। हालांकि कुछ मुस्लिम नेता और अन्य मुसलमान, जो बेहतर स्थिति में हैं, यह दावा कर सकते हैं कि भारत में अल्पसंख्यकों की हालत बद से बदतर नहीं हो रही है। इसका मूल्यांकन करने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि पिछले कुछ वर्षों या एक दशक के दौरान सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का आकलन किया जाए। हाल में पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज (पीयूसीएल) द्वारा इन्हीं मुद्दों पर केन्द्रित एक बैठक दिल्ली में आयोजित की गई थी, जिसमें दिए गए विवरण से हमारे समाज के हालात अच्छी तरह प्रतिबिंबित होते हैं। भाजपा के 240 लोकसभा सदस्य और 117 राज्यसभा सदस्य हैं। इसके अलावा उसके करीब 1,516 विधायक हैं यानि केन्द्रीय एवं राज्य स्तरीय विधायिकाओं में उसके कुल 1,873 जनप्रतिनिधि हैं। इनमें से केवल 2 मुसलमान हैं - एक त्रिपुरा में और एक मणिपुर में! पीयूसीएल द्वारा आयोजित इस बैठक में विभिन्न मानवाधिकार संगठनों के प्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। जहां तक मुसलमानों का सवाल है, सामाजिक विमर्श में उनका दानवीकरण अभूतपूर्व स्तर तक पहुंच चुका है। दिल्ली में पुलिस द्वारा 4पीएम की दो पत्रकारों (शाहीन और नफीसा) की पिटाई तब और तेज हो गई जब उनके साथ मारपीट कर रहे अधिकारी को यह पता लगा कि ये दोनों महिला पत्रकार मुसलमान हैं। शुरूआत में इस समुदाय को नफरत और हिंसा का निशाना बनाया जाता था। अब लक्ष्य है उन्हें मताधिकार से वंचित करना। इसकी शुरूआत हुई कुख्यात एनआरसी और सीएए से। चूंकि इसके खिलाफ दिल्ली के शाहीन बाग में हुए मुस्लिम महिलाओं के प्रतिरोध के पूरे देश में फैल जाने का डर था इसलिए इस प्रक्रिया को रोक दिया गया। इस बीच विशेष सघन पुन:निरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से मुसलमानों के नाम मतदाता सूचियों से हटाने का नया तरीका खोज निकाला गया और इसे देश पर लाद दिया गया। एक के बाद एक कई राज्यों में लाखों मतदाताओं के नाम, जिनमें से अधिकतर मुस्लिम या दलित हैं, मतदाता सूचियों से हटाए जा रहे हैं। इसकी सबसे स्पष्ट पुष्टि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणामों से हुई, जहां चुनाव के ठीक पहले 27 लाख से अधिक मतदाताओं को एसआईआर के माध्यम से मताधिकार से वंचित कर दिया गया। पराकला प्रभाकर, जो एक प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री एवं राजनैतिक टिप्पणीकार हैं, ने कहा है कि एसआईआर का उद्देश्य सिर्फ मतदाता सूचियों का पुन:निरीक्षण करना नहीं है बल्कि इससे "नागरिकों के दो वर्ग बन जाएंगे - पहला वह जो मतदान कर सकेगा, और दूसरा वह जो नहीं कर सकेगा"। जिस दर से मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटाए जा रहे हैं, उससे यह अनुमान है कि प्रक्रिया पूर्ण होने तक लगभग 16 करोड़ लोग अपना मताधिकार खो चुके होंगे।

क्या ब्रिक्स बनेगा नई विश्व व्यवस्था का इंजन?

भारत के क्रिटिकल मिनरल्स दांव से हिल गए ट्रंप? -अमेरिका, चीन और पश्चिम की बढ़ी चिंता-क्या क्रिटिकल मिनरल्स बदलेंगे दुनियाँ की चाल?

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ इस समय जिस दौर से गुजर रही है,उसमें युद्ध, व्यापारिक टकराव,ऊर्जा संकट, आपूर्ति-श्रृंखला की अस्थिरता, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और महाशक्तियों के बीच बढ़ती भू-राजनीतिक खींचतान ने वैश्विक व्यवस्था को अभूतपूर्व अनिश्चितता के दौर में पहुंचा दिया है। ऐसे समय में 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में हो रहे 18 वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन केवल एक सामान्य कूटनीतिक बैठक नहीं है, बल्कि यह इस बात की परीक्षा भी है कि उभरती अर्थव्यवस्थाएं बदलती विश्व व्यवस्था में अपनी सामूहिक शक्ति को कितना प्रभावी बना सकती हैं। भारत 2026 में चौथी बार ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और उसकी अध्यक्षता का मूल मंत्र बिल्डिंग फॉर रेसिलिन्स, इन्नोवेशन, कोआपरेशन एंड सस्टेंएंबिलिटी तथा ह्यूमनिटी फर्स्ट है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि,सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ब्रिक्स अब केवल ब्राजील,रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का पुराना समूह नहीं रह गया है। मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया के पूर्ण सदस्य बनने के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है। ब्रिक्स देशों में दुनियाँ की करीब आधी आबादी रहती है और क्रय-शक्ति समानता के आधार पर वैश्विक जीडीपी में इसकी हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत के आसपास है। यही वजह है कि नई दिल्ली में होने वाला सम्मेलन पश्चिमी देशों सहित पूरी दुनियाँ की निगाहों के केंद्र में है।

साथियों,भारत की अध्यक्षता में ब्रिक्स का एजेंडा केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रखा गया है। व्यापार,निवेश,ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल तकनीक एमएसएमई स्टार्टअप,वैश्विक मूल्य- श्रृंखलाओं,पर्यावरण आपदा-रोधी क्षमता और भुगतान प्रणालियों जैसे व्यावहारिक मुद्दों पर पूरे वर्ष बैठकें हुई हैं। जयपुर में ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकोनॉमिक पार्टनरशिप 2030 की दिशा में प्रगति,व्यापार वित्त की कमी दूर करने के लिए जयपुर सहमति और अधिक मजबूत तथा विविध वैश्विक मूल्य- श्रृंखलाओं पर जोर दिया गया। इसी तरह गुरुग्राम में ऊर्जा मंत्रियों की बैठक में ऊर्जा सुरक्षा और स्मार्ट ग्रिड तथा ऊर्जा भंडारण के लिए ब्रिक्स डिजिटल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की सटीकता से शुरुआत हुई। साथियों,इसी व्यापक आर्थिक रणनीति के बीचक्रिटिकल मिनरल्स भारत की अध्यक्षता का सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक पहलू बनकर उभर रहे हैं।लिथियम, निकेल कोबाल्ट ग्रेफाइट, कॉपर, रेयर अर्थ एलिमेंट्स और प्लेटिनम ग्रुप की धातुएं आज केवल खनिज नहीं रह गई हैं; ये इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सेमीकंडक्टर, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, रक्षा प्रणालियों एयरोस्पेस, दूरसंचार और आधुनिक डिजिटल अर्थव्यवस्था की बुनियादी ताकत बन चुकी हैं। इसलिए जिस देश या समूह के पास इन खनिजों के भंडार, खनन, प्रोसेसिंग और तकनीक पर नियंत्रण होगा, उसके पास भविष्य की औद्योगिक शक्ति का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा।यही कारण है कि ब्रिक्स में क्रिटिकल मिनरल्स का महत्व तेजी से बढ़ा है। 2024 के कज़ान शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के विशाल खनिज भंडार को देखते हुए भूवैज्ञानिक सहयोग और ब्रिक्स जियोलॉजिकल प्लेटफार्म को व्यावहारिक सहयोग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया था।इसका उद्देश्य भूवैज्ञानिक जानकारी,संसाधन आकलन, खनन तकनीक और खनिज संसाधनों के तर्कसंगत विकास में सहयोग बढ़ाना है।ब्रिक्स के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार समूह के पास दुनिया के रेयर-अर्थ मिनरल रिजर्व का लगभग 72 प्रतिशत हिस्सा है।

साथियों,यहां भारत की रणनीति बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत के पास रेयर अर्थ और ग्रेफाइट जैसे महत्वपूर्ण संसाधन हैं, ब्राजील के पास रेयर अर्थ के साथ लिथियम और कॉपर की क्षमता है, रूस के पास निकेल, कॉपर और अन्य रणनीतिक खनिज हैं, दक्षिण अफ्रीका और रूस प्लेटिनम ग्रुप मेटल्स में महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं, जबकि इंडोनेशिया निकेल की वैश्विक आपूर्ति में बेहद बड़ा खिलाड़ी है।यानी ब्रिक्स देशों की ताकतें एक-दूसरे की कमियों को पूरा कर सकती हैं।समस्या यह है कि जिन देशों के पास संसाधन हैं,उनके पास हमेशा प्रोसेसिंग और डाउनस्ट्रीम तकनीक नहीं है; वहीं जिन देशों के पास बड़ा बाजार, पूंजी और औद्योगिक क्षमता है, उनके पास पर्याप्त घरेलू भंडार नहीं हैं।यदि यह बिखरी हुई क्षमता एक साझा मूल्य- श्रृंखला में बदलती है, तो ब्रिक्स क्रिटिकल मिनरल्स में एक अत्यंत प्रभावशाली शक्ति बन सकता है।यहीं से उस सवाल का जवाब भी मिलता है कि भारत क्यों इस मुद्दे को इतना महत्व दे रहा है। भारत का उद्देश्य केवल खनिज खरीदना नहीं, बल्कि खनन से लेकर प्रोसेसिंग,रिफाइनिंग, तकनीक और अंतिम उत्पाद तक पूरी वैल्यू चेन में अपनी स्थिति मजबूत करना है। यह रणनीति चीन पर अत्यधिक निर्भरता को कम करने और भविष्य की तकनीकी तथा ऊर्जा अर्थव्यवस्था के लिए वैकल्पिक आपूर्ति स्रोत बनाने से जुड़ी है। भारत पहले ही ब्रिक्स के भीतर अधिक लचीली और विविध वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखलाओं की सटीकता से वकालत कर चुका है। साथियों इसका असर वैश्विक राजनीति पर भी पड़ सकता है। यदि किसी एक देश के पास किसी महत्वपूर्ण खनिज की खनन और प्रोसेसिंग क्षमता अत्यधिक केंद्रित हो और वह आपूर्ति को राजनीतिक दबाव के लिए इस्तेमाल करे, तो पूरी दुनिया की औद्योगिक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो सकती है। भारत इसी संदर्भ में महत्वपूर्ण खनिजों को राजनीतिक हथियार बनाए जाने के खिलाफ आपूर्ति-श्रृंखलाओं को सुरक्षित, विविध और विश्वसनीय बनाने की दिशा में सहयोग की वकालत कर रहा है।इसलिए क्रिटिकलमिनरल्स का मुद्दा अब केवल आर्थिक नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता का प्रश्न बन चुका है। साथियों, इस पूरी कहानी में चीन सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है। चीन ब्रिक्स का सबसे बड़ा आर्थिक और औद्योगिक खिलाड़ी है और रेयर अर्थ की वैश्विक आपूर्ति-श्रृंखला में उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। दूसरी तरफ भारत और चीन के बीच सीमा विवाद तथा 2020 के गलवान संघर्ष के बाद पैदा हुआ विश्वास का संकट अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। ऐसे में शी जिनपिंग का 12-13 सितंबर को भारत दौरा ऐतिहासिक महत्व रखता है। चीन के विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक रूप से पुष्टि की थीं कि शी जिनपिंग भारतीय पीएम के निमंत्रण पर 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने नई दिल्ली आएंगे।यह सात वर्षों में उनका पहला भारत दौरा होगा। 11 सितंबर को चीन के विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा था कि मोदी और शी के बीच द्विपक्षीय बैठक कीव्यवस्था की जा रही है। दोनों पक्ष संबंधों को दीर्घकालिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से आगे बढ़ाने, संवाद और सहयोग बढ़ाने तथा मतभेदों को उचित ढंग से संभालने की बात कर रहे हैं।इस बैठक में सीमा विवाद,एलएसी पर स्थिरता, व्यापार घाटा,बाजार पहुंच, निवेश,वीजा और आर्थिक सहयोग जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हो सकते हैं। दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधियों की हालिया बातचीत में नए सैन्य हॉटलाइन और सीमा प्रबंधन से जुड़े तंत्र पर प्रगति भी हुई है। साथियों,हालांकि यहां भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती संतुलन की है।चीन के साथ संबंध सुधारना भारत की जरूरत है, लेकिन अपनी रणनीतिक स्वायत्तता और सुरक्षा हितों से समझौता करना नहीं। इसी तरह रूस के साथ भारत के संबंध, अमेरिका और पश्चिम के साथ रणनीतिक साझेदारी, क्वाड में भूमिका तथा ब्रिक्स और एससीओ में सक्रिय भागीदारी ये सभी भारत की उस बहु-सरेखीय विदेश नीति का हिस्सा हैं जिसमें नई दिल्ली किसी एक शक्ति-गुट का हिस्सा बनने के बजाय अलग- अलग मंचों पर अपने राष्ट्रीय हितों को साधने की कोशिश करती है।इसलिए ब्रिक्स सम्मेलन में क्रिटिकल मिनरल्स के साथ-साथ डिजिटल भुगतान और आर्थिक संपर्क भी महत्वपूर्ण होंगे।भारत ब्रिक्स देशों के डिजिटल भुगतान प्रणालियों और सीबीडीसी को जोड़ने की दिशा में भी पहल कर रहा है,जिसका लक्ष्य सीमा- पार लेनदेन को आसान बनाना है; इसे डॉलर को तत्काल हटाने की योजना के रूप में नहीं बल्कि भुगतान प्रणालियों को अधिक सक्षम और विविध बनाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। साथियों लेकिन ब्रिक्स के सामने चुनौती भी कम नहीं है। ईरान और यूएई के बीच मौजूदा तनाव,पश्चिम एशिया का युद्ध,ऊर्जा आपूर्ति और होर्मुज संकट तथा रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे मुद्दे सदस्य देशों के बीच एक जैसी सोच नहीं बनने देते। ब्रिक्स में सर्वसम्मति आवश्यक है और मई में विदेश मंत्रियों की बैठक भी ईरान- यूएई मतभेदों के कारण संयुक्त बयान जारी नहीं कर सकी थी। इसलिए नई दिल्ली सम्मेलन का असली परीक्षण यही होगा कि क्या इतने विविध हितों वाले देश साझा घोषणापत्र और व्यावहारिक एजेंडे पर सहमत हो पाते हैं। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि सवाल यह नहीं है कि ब्रिक्स अमेरिका या पश्चिम को चुनौती देने वाला कोई नया सैन्य गठबंधन बन जाएगा। वास्तविक सवाल यह है कि क्या ब्रिक्स व्यापार, ऊर्जा,डिजिटल भुगतान, क्रिटिकल मिनरल्स,तकनीक और वैश्विक वित्त के क्षेत्र में ऐसी वैकल्पिक व्यवस्थाएं खड़ी कर सकता है जो किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता को कम करें। भारत के लिए यही सबसे बड़ा अवसर है। यदि नई दिल्ली क्रिटिकल मिनरल्स के मामले में संसाधन-संपन्न देशों को तकनीक,पूंजी और बड़े बाजारों से जोड़ने में सफल होती है,यदि चीन के साथ सीमा पर स्थिरता और आर्थिक संबंधों में संतुलन बनाती है और यदि ग्लोबल साउथ की आवाज को व्यावहारिक आर्थिक परिणामों में बदलती है, तो ब्रिक्स की 2026 अध्यक्षता भारत के लिए केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं बल्कि 21वीं सदी की नई बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में भारत के बढ़ते कद की निर्णायक घोषणा बन सकती है। और यही वह बिंदु है जहां क्रिटिकल मिनरल्स किसी खदान के भीतर छिपे संसाधन से आगे बढ़कर वैश्विक शक्ति-संतुलन को बदलने वाली रणनीतिक संपत्ति बन जाते हैं।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

संयुक्त राष्ट्र की घोषणा के संदर्भ में आदिवासी अधिकार

13 सितंबर का दिन आदिवासी समुदायों के अधिकारों के संघर्ष के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 13 सितंबर 2007 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 'संयुक्त राष्ट्र आदिवासी लोगों के अधिकारों की घोषणा' को भारी बहुमत से स्वीकार किया था। घोषणा के पक्ष में 143 देशों ने मतदान किया था। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह घोषणा दुनिया के आदिवासी लोगों के अस्तित्व, गरिमा, कल्याण, संस्कृति, भूमि और सामूहिक अधिकारों के लिए न्यूनतम अंतरराष्ट्रीय मानकों का व्यापक ढांचा है। यह घोषणा इसलिए महत्वपूर्ण है कि आदिवासी समुदायों का सवाल केवल गरीबी या पिछड़ेपन का सवाल नहीं है, बल्कि पहचान, संस्कृति, स्वशासन, भूमि, प्राकृतिक संसाधनों और निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिकारपूर्ण भागीदारी का सवाल है। भारत में भी आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए संविधान ने सामान्य नागरिक अधिकारों से आगे बढ़कर विशेष संवैधानिक और वैधानिक व्यवस्था की है। भारतीय संविधान ने अनुसूचित जनजातियों के संरक्षण, स्वशासन तथा प्राकृतिक संसाधनों पर उनके परंपरागत अधिकारों की रक्षा के लिए अनेक संवैधानिक एवं वैधानिक प्रावधान किए हैं। संविधान का अनुच्छेद 244 पांचवीं एवं छठी अनुसूची के प्रशासन की आधारशिला है। पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत आने वाले राज्यों में राज्यपाल को विशेष संवैधानिक दायित्व सौंपे गए हैं, जिनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि अनुसूचित क्षेत्रों में लागू होने वाले कानून आदिवासी समाज की परंपराओं, संस्कृति, आजीविका तथा सामुदायिक अधिकारों के प्रतिकूल न हों।पांचवीं अनुसूची के पैरा 5(1) के अनुसार राज्यपाल किसी भी संसदीय या राज्य कानून को अनुसूचित क्षेत्रों में पूर्णत: लागू न करने, संशोधित रूप में लागू करने अथवा आवश्यक अपवादों एवं परिवर्तनों के साथ लागू करने का अधिकार रखते हैं। वहीं पैरा 5(2) राज्यपाल को अनुसूचित क्षेत्रों में शांति और सुशासन के लिए विनियम बनाने की शक्ति प्रदान करता है। इन विनियमों के माध्यम से भूमि हस्तांतरण पर रोक, आदिवासियों की भूमि की सुरक्षा तथा साहूकारी जैसी शोषणकारी व्यवस्थाओं को नियंत्रित किया जा सकता है। संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत अनुसूचित जनजातियों के कल्याण एवं अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के लिए केंद्र सरकार राज्यों को विशेष अनुदान प्रदान करती है। अनुच्छेद 338 के तहत गठित राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग को अनुसूचित जनजातियों के संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों के संरक्षण, निगरानी तथा सरकार को अनुशंसा देने का अधिकार प्राप्त है।संविधान के 73वें संशोधन के बाद अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम स्वशासन को सशक्त बनाने हेतु पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 (पेसा) लागू किया गया। इस कानून के अनुसार ग्राम सभा को प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, लघु वनोपज, जल स्रोतों, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास, खनन, स्थानीय योजनाओं तथा सामाजिक-सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़े विषयों पर निर्णायक भूमिका प्रदान की गई है। ग्राम सभा को आदिवासी स्वशासन की मूल इकाई माना गया है।इसी प्रकार अनुसूचित जनजाति एवं अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के माध्यम से व्यक्तिगत एवं सामुदायिक वन अधिकारों को कानूनी मान्यता दी गई। इस कानून में सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, प्रबंधन एवं उपयोग का अधिकार ग्राम सभा को दिया गया है तथा यह स्वीकार किया गया है कि वनों के संरक्षण में आदिवासी समुदायों की ऐतिहासिक भूमिका रही है। इसके अतिरिक्त भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से संबंधित वर्तमान कानूनों में भी अनुसूचित क्षेत्रों के लिए ग्राम सभा की सहमति, सामाजिक प्रभाव आकलन तथा प्रभावित परिवारों के अधिकारों के संरक्षण संबंधी विशेष प्रावधान किए गए हैं। आदिवासी उप-योजना (ट्राइबल सब प्लान- टीएसपी) भारत में अनुसूचित जनजातियों के त्वरित और सर्वांगीण विकास के लिए बनाई गई एक विशेष रणनीति और वित्तीय व्यवस्था है। इसके तहत कुल योजना बजट का एक निश्चित हिस्सा (आमतौर पर उनकी जनसंख्या के अनुपात में) आदिवासी क्षेत्रों और समुदायों के विकास के लिए आरक्षित रखा जाता है। यह योजना उन ब्लॉकों या तहसीलों में लागू की जाती है जहां आदिवासी आबादी 50 प्रतिशत या उससे अधिक होती है। इसका मुख्य उद्देश्य है शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, पेयजल, कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को बढ़ाना तथा आदिवासियों का शोषण रोकना है। भारत में अनुसूचित जनजातियों की आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 10.45 करोड़, यानी देश की कुल आबादी का 8.6 प्रतिशत थी। ग्रामीण भारत में उनका हिस्सा 11.3 प्रतिशत था। यह संख्या बताती है कि आदिवासी समाज भारत की सामाजिक संरचना का कोई छोटा हिस्सा नहीं है। इसके बावजूद विकास की मुख्यधारा में उनकी स्थिति अभी भी असमान है। 2011 की जनगणना के अनुसार अनुसूचित जनजातियों की साक्षरता दर 59 प्रतिशत थी, जबकि देश की कुल साक्षरता दर 73 प्रतिशत थी। आदिवासी महिलाओं की साक्षरता दर केवल 49.4 प्रतिशत थी। आर्थिक पिछड़ेपन का स्वरूप भी गंभीर है। नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार 2019-21 में मध्य प्रदेश की कुल आबादी का 20.63 प्रतिशत बहुआयामी गरीबी से प्रभावित था। आदिवासी बहुल क्षेत्रों में गरीबी का संबंध केवल आय से नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, आवास, पेयजल, स्वच्छता और बुनियादी सेवाओं की उपलब्धता से भी है। इसलिए आदिवासी विकास का अर्थ केवल सड़क, बिजली और भवनों का निर्माण नहीं हो सकता। विकास तभी न्यायपूर्ण होगा, जब वह आदिवासी समाज की भूमि, संस्कृति, आजीविका और सामुदायिक निर्णय प्रक्रिया को सुरक्षित रखते हुए किया जाए। आदिवासी समाज की अर्थव्यवस्था ऐतिहासिक रूप से जंगल, जमीन, जलस्रोत और सामुदायिक प्राकृतिक संसाधनों से जुड़ी रही है। खेती, पशुपालन, मछली पालन, लघु वनोपज, हस्तशिल्प और जंगल आधारित आजीविका उनके आर्थिक जीवन के महत्वपूर्ण आधार हैं। इसीलिए जब खनन, बड़े बांध, औद्योगिक परियोजनाएं, वन भूमि का हस्तांतरण अथवा अन्य विकास परियोजनाएं आदिवासी क्षेत्रों में आती हैं, तो उसका प्रभाव केवल जमीन के एक टुकड़े पर नहीं पड़ता। उससे आजीविका, सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक पहचान और सामुदायिक जीवन प्रभावित होता है। यही कारण है कि पेसा और वन अधिकार कानून में ग्राम सभा की भूमिका इतनी महत्वपूर्ण है। ग्राम सभा केवल प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि आदिवासी स्वशासन की संवैधानिक भावना का स्थानीय रूप है।आदिवासी समाज की संस्कृति उसके जंगल, पहाड़, नदी, देवस्थल, बोली, लोकगीत, नृत्य, बीज, कृषि पद्धतियों और सामुदायिक परंपराओं से निर्मित होती है। इसलिए किसी समुदाय को उसकी भूमि से विस्थापित करना केवल आर्थिक विस्थापन नहीं होता, बल्कि कई बार सांस्कृतिक विस्थापन भी बन जाता है। संयुक्त राष्ट्र की घोषणा इसी व्यापक दृष्टिकोण को स्वीकार करती है। वह आदिवासी लोगों की पहचान, संस्कृति, परंपराओं और अपने विकास की दिशा तय करने के अधिकार को महत्व देती है तथा उन निर्णयों में उनकी प्रभावी भागीदारी पर जोर देती है जो उनके जीवन और संसाधनों को प्रभावित करते हैं।भारत के संविधान, पेसा, वन अधिकार कानून और संयुक्त राष्ट्र की आदिवासी अधिकार घोषणा के बीच एक महत्वपूर्ण समानता दिखाई देती है कि आदिवासी समाज को विकास का निष्क्रिय लाभार्थी नहीं, बल्कि अपने भविष्य का निर्णयकर्ता माना जाना चाहिए। भारत में अनुसूचित जनजाति समुदायों द्वारा लगातार दिए जा रहे सामाजिक और पर्यावरणीय योगदान, तथा राष्ट्रीय विकास में उनकी भूमिका, जिसमें भारत की जलवायु प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में उनका योगदान भी शामिल है।इसे देखते हुए केंद्र और राज्य सरकारों को भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन कानून तथा पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम (पेसा) के तहत अनुसूचित क्षेत्रों की ग्राम सभाओं को दिए गए अधिकारों और शक्तियों को और मजबूत करना चाहिए। 13 सितंबर 2007 की संयुक्त राष्ट्र घोषणा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह स्थापित किया कि आदिवासी लोगों के अधिकार केवल कल्याणकारी योजनाओं तक सीमित नहीं हैं। उनकी गरिमा, संस्कृति, सामूहिक पहचान, भूमि और संसाधनों से जुड़े अधिकार भी मानवाधिकारों का हिस्सा हैं। भारत में यह भावना संविधान की पांचवीं और छठी अनुसूची, पेसा तथा वन अधिकार कानून में अलग-अलग रूपों में पहले से मौजूद रही है। भारत में आदिवासी अधिकारों की संवैधानिक व्यवस्था कागज पर काफी व्यापक है। पांचवीं अनुसूची, पेसा, वन अधिकार अधिनियम और भूमि अधिग्रहण कानून ग्रामसभा, सामुदायिक संसाधनों और आदिवासी स्वशासन को महत्वपूर्ण कानूनी आधार देते हैं। चुनौती इन अधिकारों के अस्तित्व की नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। यही वह बिंदु है जहां आदिवासी अधिकारों का संवैधानिक वादा और जमीन पर विकास की वास्तविक प्रक्रिया अक्सर टकराती दिखाई देती है। चुनौती अब इन प्रावधानों को कागज से जमीन तक प्रभावी ढंग से लागू करने की है। आज आवश्यकता इस बात की है कि आदिवासी क्षेत्रों में विकास की परिभाषा बदली जाए। ग्राम सभा की स्वायत्तता, सामुदायिक वन अधिकार, भूमि की सुरक्षा, स्थानीय आजीविका, शिक्षा, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक पहचान को विकास के केंद्र में रखा जाए। आदिवासी अधिकारों की रक्षा केवल आदिवासी समाज के हित का प्रश्न नहीं है। यह लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, प्राकृतिक संसाधनों के न्यायपूर्ण उपयोग और पर्यावरणीय संतुलन को बनाए रखने का भी प्रश्न है। जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में स्थानीय समुदायों की ऐतिहासिक भूमिका को देखते हुए उनके अधिकारों की रक्षा पर्यावरण संरक्षण की भी अनिवार्य शर्त है।

-राज कुमार सिन्हा

पर्युषण महापर्व आत्मशुद्धि से आत्मजागरण की ओर

-ललित गर्ग

जैन धर्म का प्रमुख आध्यात्मिक महाकुंभ पर्युषण महापर्व इन दिनों देशभर में त्याग, तपस्या, संयम, साधना और आत्मचिंतन के साथ मनाया जा रहा है। यह केवल आठ दिनों तक चलने वाला धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि आत्मा को जगाने, जीवन को परिष्कृत करने और संबंधों को मधुर बनाने का अनुपम अवसर है। इस महापर्व का शीर्ष दिवस संवत्सरी 14 सितंबर को मनाया जाएगा और इसके पश्चात 15 सितंबर को क्षमापना एवं विश्व मैत्री दिवस के रूप में एक-दूसरे से क्षमा मांगने और क्षमा करने की भावना को अभिव्यक्त किया जाएगा। वास्तव में पर्युषण का यह क्रम व्यक्ति को आत्मशुद्धि से विश्वमैत्री तक ले जाने वाली एक सुंदर आध्यात्मिक यात्रा है। पर्युषण का वास्तविक अर्थ है-बाहर से भीतर की ओर लौटना, आत्मा में अवस्थित होना और अपने जीवन में जमी हुई कषायों, विकारों एवं प्रमाद की परतों को हटाना। मनुष्य का अधिकांश जीवन बाहरी उपलब्धियों, प्रतिस्पर्धाओं, इच्छाओं और दूसरों को देखने-परखने में बीत जाता है। वह संसार को बदलने की चिंता करता है, लेकिन स्वयं के भीतर झांकने का अवसर बहुत कम निकालता है। पर्युषण उसे ठहरने, अपने भीतर उतरने और स्वयं से साक्षात्कार करने का संदेश देता है। यही कारण है कि यह पर्व जप, तप, स्वाध्याय, ध्यान, सामायिक, प्रतिक्रमण, प्रत्याख्यान और आत्मावलोकन के माध्यम से जीवन को भीतर से निर्मल बनाने का अवसर बनता है। आज दुनिया जिस दौर से गुजर रही है, उसमें पर्युषण की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। परिवारों में संबंधों की गर्माहट कम हो रही है, समाज में वैचारिक दूरियां बढ़ रही हैं, आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्य को अधिकाधिक पाने की दौड़ में लगा दिया है और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अनेक बार संवाद की जगह टकराव को जन्म देती है। राष्ट्रों के बीच अविश्वास, संघर्ष, हिंसा और आतंक की घटनाएं मानवता को चुनौती दे रही हैं। ऐसी स्थिति में जैन धर्म का पर्युषण महापर्व यह संदेश देता है कि बाहरी शांति का मार्ग भीतर की शांति से होकर जाता है। जब तक मनुष्य अपने भीतर के क्रोध, मान, माया, लोभ, अहंकार, आग्रह और द्वेष को कम नहीं करेगा, तब तक परिवार, समाज और विश्व में स्थायी शांति स्थापित नहीं हो सकती। पर्युषण का सबसे महत्वपूर्ण संदेश आत्मावलोकन है। प्रतिक्रमण इसी आत्मावलोकन की वैज्ञानिक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। 'प्रति' अर्थात वापस और 'क्रमण' अर्थात लौटना-अर्थात् अपनी भूलों से वापस लौटकर अपने वास्तविक स्वरूप की ओर आना। असत्य से सत्य की ओर, अशुभ से शुभ की ओर, प्रमाद से अप्रमाद की ओर और वैर से मैत्री की ओर लौटना ही प्रतिक्रमण की सार्थकता है। मनुष्य से जाने-अनजाने में भूलें होती हैं। समस्या भूल होने में उतनी नहीं है, जितनी उसे स्वीकार न करने में है। जो व्यक्ति अपनी भूल स्वीकार कर लेता है, उसके भीतर सुधार की संभावना पैदा होती है, जो अपनी भूल को सही साबित करने में लगा रहता है, वह अपने विकास का मार्ग स्वयं बंद कर देता है। संवत्सरी इसी आत्मशोधन की चरम अभिव्यक्ति है। वर्षभर के व्यवहार, विचार और कर्मों की समीक्षा करते हुए व्यक्ति स्वयं से प्रश्न करता है-मैंने किसे दुख पहुंचाया? किसके प्रति मेरे मन में द्वेष पैदा हुआ? मेरे शब्दों से किसका मन आहत हुआ? मेरे व्यवहार में कहां अहंकार आया? कहां लोभ, क्रोध या आग्रह ने मुझे संचालित किया? इस आत्ममंथन से भीतर का बोझ हल्का होता है। क्षमा मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि आत्मबल का परिचायक है। अपनी गलती स्वीकार करने के लिए साहस चाहिए और दूसरे की गलती को क्षमा करने के लिए उससे भी बड़ा हृदय चाहिए। पर्युषण का अंतिम संदेश क्षमापना और विश्व मैत्री है। यह केवल औपचारिक रूप से 'मिच्छामि दुक्कडम्' कह देने का अवसर नहीं है, बल्कि अपने भीतर से वैर और कटुता को विसर्जित करने का संकल्प है। क्षमा तभी सार्थक है जब वह मन से हो। यदि शब्दों से क्षमा मांग ली जाए और हृदय में शिकायत बनी रहे, तो क्षमापना अधूरी रह जाती है। इसी तरह किसी से क्षमा मांगने का अर्थ स्वयं को छोटा करना नहीं, बल्कि संबंधों को बड़ा बनाना है। भगवान महावीर का संदेश-मित्ती मे सव्व भूएसु, वेरं मज्झं न केणइ-अर्थात् सभी प्राणियों के साथ मेरी मैत्री है, किसी के साथ मेरा वैर नहीं है-आज की दुनिया के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। श्रीमद्भगवद्गीता में भी श्रीकृष्ण अर्जुन को आत्मौपम्य की दृष्टि देते हुए कहते हैं कि जो सभी प्राणियों को अपने समान देखता है, वही श्रेष्ठ दृष्टि वाला है। दोनों परंपराओं का मूल संदेश एक ही है-दूसरे के सुख-दु:ख को अपने सुख-दु:ख की तरह अनुभव करना। आज जब व्यक्तिगत संबंधों में कड़वाहट और दूरियां बढ़ रही हैं, तब पर्युषण परिवारों को भी नई दृष्टि दे सकता है। पति-पत्नी, माता-पिता और संतान, भाई-बहन, मित्र और सहकर्मी-यदि एक-दूसरे की अपेक्षाओं के बजाय एक-दूसरे की भावनाओं को समझने का प्रयास करें, तो अनेक विवाद अपने आप समाप्त हो सकते हैं। हर व्यक्ति अपने अधिकार की बात करता है, लेकिन यदि कर्तव्य और संवेदना को भी उतना ही महत्व मिले, तो संबंधों में मधुरता लौट सकती है। क्षमा संबंधों की मरम्मत करने वाली ऐसी शक्ति है, जो टूटे हुए विश्वास को भी धीरे-धीरे जोड़ सकती है। पर्युषण का संदेश केवल जैन समाज तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अहिंसा, संयम, क्षमा, मैत्री और सह-अस्तित्व सार्वभौमिक जीवन-मूल्य हैं। धार्मिक आस्था अलग हो सकती है, पूजा-पद्धति अलग हो सकती है, लेकिन मनुष्य को मनुष्य के रूप में सम्मान देना किसी एक धर्म की सीमा नहीं है। हिंसा किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती।

हिंसा प्रतिशोध को जन्म देती है और प्रतिशोध नई हिंसा को। इसके विपरीत संवाद, सहिष्णुता, क्षमा और मैत्री समाधान की संभावनाओं को जन्म देते हैं। आज विश्व आर्थिक, राजनीतिक और सामरिक प्रतिस्पर्धा के चरम दौर में है। राष्ट्र अपनी शक्ति बढ़ाने में लगे हैं, बाजार अधिकाधिक विस्तार चाहता है और तकनीक ने मनुष्य की क्षमताओं को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन यदि तकनीकी प्रगति के साथ नैतिक प्रगति नहीं हुई, तो विकास मानवता के लिए संकट भी बन सकता है। इसलिए आज दुनिया को केवल शक्तिशाली राष्ट्र नहीं, बल्कि संवेदनशील राष्ट्र चाहिए, केवल समृद्ध समाज नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व में विश्वास करने वाले समाज चाहिए और केवल सफल व्यक्ति नहीं, बल्कि संयमी एवं करुणाशील व्यक्ति चाहिए। पर्युषण इसी संतुलन का संदेश देता है-पहले स्वयं को बदलो, फिर संसार को बदलने की कोशिश करो। भीतर का क्रोध शांत होगा तो बाहर का संघर्ष कम होगा। भीतर का अहंकार घटेगा तो संबंधों में सहजता आएगी। भीतर लोभ कम होगा तो शोषण घटेगा। भीतर मैत्री बढ़ेगी तो समाज में विश्वास बढ़ेगा। इसलिए पर्युषण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि व्यक्ति और समाज के नैतिक पुनर्निर्माण का अभियान बन सकता है। पर्युषण का सच्चा उत्सव तब होगा, जब आठ दिनों की साधना हमारे शेष जीवन की जीवनशैली बन जाए। संवत्सरी का आत्ममंथन केवल एक दिन तक सीमित न रहे और क्षमापना का भाव केवल एक अवसर की औपचारिकता न बने। हम प्रतिदिन स्वयं से पूछें कि आज मैंने किसके लिए प्रेम बढ़ाया, किसके दुख को समझा और किस कटुता को अपने भीतर से कम किया। यही आत्मोन्नयन की दिशा है। वास्तव में पर्युषण एक ऐसा आध्यात्मिक सवेरा है, जो मनुष्य को प्रमाद की नींद से जगाता है और अज्ञान के अंधकार से आत्मज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाता है। 14 सितंबर की संवत्सरी हमें अपनी भूलों का बोध कराए और 15 सितंबर का विश्व मैत्री दिवस हमें सबके प्रति क्षमा, करुणा और मैत्री का भाव दे-तो यही पर्युषण की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। आज की अशांत दुनिया को यदि किसी शक्ति की सबसे अधिक आवश्यकता है, तो वह है-अहिंसा, क्षमा और सह-अस्तित्व। पर्युषण महापर्व इसी शाश्वत संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का श्रेष्ठ अवसर है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। कमजोर उठाव के चलते शनिवार को अनाज मंडी में चना सुस्ती पर रहा। अन्य दलहनों में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सरसो व रायडा बना रहा। किराना जिंसों में शक्कर बाजार पूर्वस्तर पर कमजोर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में उठाव की सुस्तता से भावों में नरमी का रूख रहा। अन्य दलहनों में बाजार बने रहे। खाद्य तेलों में व्यापार सामान्य रहा। किन्तु बाजार में मजबूती की स्थिति रही। तिलहनों में सरसो व रायडा बना रहा। उधर, किराना जिंसों में शक्कर बाजार पूर्वस्तर पर कमजोर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4900-5000, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3500-3800, मीडियम 4000-4200, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3500, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2900-2950, (160) 3200, (200) 3500, (250) 4200,

तेल- सींगदाना 1780-1800, मुम्बई 1800, राजकोट तेलिया 2770, सोया साल्वेंट 1385-1390, सोया रिफाइंड 1445-1450, कपास्या 1610-1620, धूलिया 1620, कड़ी 1630,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725, मुम्बई पाम 1500, मुम्बई सोया 1490,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000-8200, रायडा 7000-7200, सोयाबीन 6000, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6750-6850, एवरेज 6500-6550, विशाल 6550-6650, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6050, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 290 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों मूल्यवान धातुओं में बाजार मजबूती के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चॉंदी (9999) 232000, चॉंदी (99) 231800, टंच 231200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 149200,

आरबीआई एक लाख करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां बेचेगी

मुंबई। एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने तीन चरणों में खुले बाजार परिचालन (ओएमओ) के तहत एक लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने की घोषणा की। पहला चरण 17 सितंबर को होगा। आरबीआई के अनुसार पहले चरण में 17 सितंबर को 50,000 करोड़ रुपए और उसके बाद 21 सितंबर तथा 28 सितंबर को 25,000-25,000 करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने बयान में कहा ?कि बैंकिंग प्रणाली में उपलब्ध धन की मौजूदा स्थिति और उसमें हो रहे बदलाव की समीक्षा के बाद रिजर्व बैंक ने तीन चरणों में कुल एक लाख करोड़ रुपए की सरकारी प्रतिभूतियां बेचने का फैसला किया है। पहली नीलामी में 2029, 2030, 2031 और 2032 में परिपक्व होने वाली सरकारी प्रतिभूतियां बेची जाएंगी। आरबीआई ने कहा कि नीलामी 17 सितंबर को सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े 10 बजे के बीच होगी।

बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा

मुंबई। एजेंसी। बीता सप्ताह भारतीय शेयर बाजार के लिए काफी चुनौतीपूर्ण रहा, जहां प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में भारी गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक संघर्ष, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, और अमेरिकी ब्याज दरों को लेकर चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे बाजार में व्यापक बिकवाली का दबाव देखा गया। सप्ताह की शुरुआत से ही बाजार पर वैश्विक तनाव का साया मंडरा रहा था। पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्षों के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल 100 डॉलर प्रति बैरल के निशान को पार करने की आशंका बढ़ गई, जिसने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसके अतिरिक्त, अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित ब्याज दर वृद्धि की आशंका और विदेशी पूंजी की लगातार निकासी ने भी बाजार को कमजोर किया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुझान का असर भारतीय सूचकांकों पर साफ दिखाई दिया। सप्ताह के शुरुआती तीन दिन (सोमवार, मंगलवार और बुधवार) बाजार के लिए बेहद खराब रहे। सोमवार को सेंसेक्स 382 अंक और निफ्टी 118 अंक गिरकर बंद हुए। मंगलवार को लगातार दूसरे दिन

गिरावट जारी रही, जहां सेंसेक्स 555 अंक लुढ़का और निफ्टी 23,700 के नीचे आ गया। बुधवार को बाजार में सबसे बड़ी गिरावट देखी गई, जब सेंसेक्स 813 अंक टूटकर 74,764.23 पर और निफ्टी 203 अंक गिरकर 23,431.50 पर बंद हुआ। गुरुवार को बाजार में मामूली सुधार दिखा, सेंसेक्स 138 अंक और निफ्टी 46 अंक की बढ़त के साथ बंद हुए, लेकिन यह राहत अल्पकालिक रही। शुक्रवार को एक बार फिर बाजार में गिरावट लौटी, हालांकि यह शुरुआती भारी गिरावट से कुछ उबरकर बंद हुए, फिर भी सेंसेक्स 120 अंक और निफ्टी 79 अंक के नुकसान के साथ सप्ताह का अंत किया। सप्ताह के दौरान धातु, सूचना प्रौद्योगिकी, तेल-गैस, वित्तीय सेवाएँ और रियल्टी जैसे क्षेत्रों में भारी बिकवाली देखी गई। अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक लाल निशान में कारोबार कर रहे थे, जो बाजार में व्यापक कमजोरी को दर्शाता है। हालांकि, गुरुवार को पीएसयू बैंक और एनर्जी जैसे कुछ क्षेत्रों में चुनिंदा खरीदारी का रुझान देखा गया, लेकिन बाजार में अनिश्चितता और निवेशकों की सावधानी बनी रही। भारतीय रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर बंद हुआ, जो बाजार के नकारात्मक संकेतों को और पुष्ट करता है। कुल मिलाकर, यह सप्ताह निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा और नुकसानदेह साबित हुआ।

घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। एजेंसी। घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में शनिवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिली है। हालांकि, व्यावसायिक इस्तेमाल वाले 19 किलो के सिलेंडर की कीमत सितंबर की शुरुआत में ही बढ़ गई थी। तेल विपणन कंपनियों ने 14.2 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में कोई परिवर्तन नहीं किया है। ये कीमतें 7 जून से लगातार स्थिर बनी हुई हैं, जिससे गृहणियों और परिवारों के मासिक बजट को कोई नया झटका नहीं लगा है। इसके विपरीत, 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इस महीने की शुरुआत में करीब 9.50 रुपए से 11.50 रुपए तक की बढ़ोतरी की गई थी। इस वृद्धि का सीधा असर होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर पड़ा है, जो बड़े सिलेंडरों का उपयोग करते हैं। प्रमुख शहरों में घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम इस प्रकार हैं- दिल्ली में यह 942.00 रुपए, मुंबई में 941.50 रुपए, कोलकाता में 968.00 रुपए और चेन्नई में 957.50 रुपए में उपलब्ध है। व्यावसायिक सिलेंडर दिल्ली में 2,747.50 रुपए और मुंबई में 2,701.00 रुपए में मिल रहा है।

'एआई दोधारी तलवार, सुरक्षा उपायों के बिना बेकाबू होने का खतरा' निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को तेजी से अपनाने के साथ-साथ मजबूत सुरक्षा उपायों की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया है। उन्होंने चेतावनी दी कि सुरक्षा मानकों के बिना एआई बेकाबू होकर समाज के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकता है, जिससे लंबे समय तक न टिकने वाले जोखिमों का वितरण होगा। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट में बोलते हुए, सीतारमण ने वैश्विक एआई उद्योग में तेजी से विकसित हो रहे फ्रंटियर मॉडल और एक शोधकर्ता की स्वयं को बेहतर बनाने वाली सुपर-इंटेलिजेंस संबंधी सार्वजनिक चेतावनी का उल्लेख किया। उन्होंने इन जोखिमों की गंभीरता से जांच की मांग की और संस्थागत जवाबदेही पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने पूछा, जनता को कौन आश्वस्त करेगा कि सुरक्षा उपाय तकनीक की गति के साथ चल रहे हैं? भरोसेमंद व पारदर्शी जवाब देने के लिए सामूहिक प्रयास कहां है? सीतारमण ने एआई को दोहरी तलवार बताया, जो धोखाधड़ी का पता लगाने और बड़े साइबर हमलों को स्वचालित करने दोनों में सक्षम है। उन्होंने नियामकों और वरिष्ठ प्रबंधन को एआई गवर्नेंस को केवल तकनीकी टीमों पर न छोड़ने की सलाह दी, बल्कि इसके उपयोग, निर्णयों और डेटा को समझने पर जोर दिया। वित्त मंत्री ने उच्च जोखिम वाले एप्लिकेशनों की गहन जांच की वकालत की। हालांकि, उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि एआई को न अपनाने से भी संस्थान कमजोर पड़ सकते हैं और प्रतिस्पर्धात्मकता खो सकते हैं।

मेष- आज व्यापार में थोड़ा उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है, लेकिन चिंता करने की जरूरत नहीं है। शुरुआत में परिस्थितियां कुछ नकारात्मक लग सकती हैं, पर अंततः परिणाम सुखद रहेंगे। प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में अच्छे समाचार मिल सकते हैं। व्यापार में भी स्थिति मजबूत बनी रहेगी और मेहनत का उचित फल मिलने की संभावना है।

वृषभ- आज आपके व्यक्तित्व में प्रभाव और आत्मविश्वास साफ दिखाई देगा। राजनीतिक और सरकारी मामलों में परिस्थितियां आपके पक्ष में रह सकती हैं। धन के आगमन में वृद्धि होगी और परिवार में भी विस्तार या किसी शुभ समाचार के संकेत हैं। स्वास्थ्य, प्रेम, संतान और व्यापार, चारों क्षेत्रों में दिन काफी शानदार रहने वाला है।

मिथुन- आज आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और समाज में आपकी प्रशंसा होगी। आपका प्रभाव और प्रतिष्ठा बढ़ सकती है तथा जिन चीजों की आपको आवश्यकता होगी, उनकी उपलब्धता भी आसानी से हो जाएगी। स्वास्थ्य थोड़ा नरम रह सकता है, लेकिन कुल मिलाकर स्थिति अच्छी रहेगी। प्रेम और संतान का भरपूर साथ मिलेगा और व्यापार में भी अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे।

कर्क- आज स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतने की जरूरत है। खर्चों में अचानक बढ़ोतरी हो सकती है और यदि इन्हें नियंत्रित नहीं किया गया तो कर्ज जैसी स्थिति भी बन सकती है। हालांकि प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में सुखद परिस्थितियां रहेंगी। व्यापार भी अच्छा चलेगा, इसलिए आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना आपके लिए जरूरी होगा।

सिंह- आज आर्थिक रूप से दिन बेहद शानदार रह सकता है। धन का आगमन बढ़ेगा और कमाई के नए-नए रास्ते खुलेंगे। परिवार की ओर से भी कोई शुभ समाचार मिल सकता है। लंबे समय से अटका हुआ धन वापस मिलने की संभावना है। यात्रा का योग भी बन रहा है। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार, सभी मामलों में दिन सकारात्मक परिणाम देने वाला रहेगा।

कन्या- आज कई मोर्चों पर सफलता आपके कदम चूम सकती है। कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में विजय मिलने की संभावना है और व्यापारिक स्थिति मजबूत होगी। पिता का सहयोग और मार्गदर्शन भी प्राप्त होगा। स्वास्थ्य में सुधार महसूस करेंगे। प्रेम, संतान और व्यापार से जुड़े मामलों में परिस्थितियां बेहद अनुकूल रहेंगी और दिन आपके लिए विशेष रूप से सुखद साबित हो सकता है।

तुला- आज भाग्य पूरी तरह आपका साथ देता नजर आ रहा है। यात्रा का अवसर मिल सकता है और यह यात्रा आपके लिए सुखद अनुभव लेकर आएगी। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार सभी क्षेत्रों में अच्छे परिणाम मिलने के संकेत हैं। धार्मिक यात्रा या किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर भी मिल सकता है। मन को आध्यात्मिक शांति मिलेगी और दिन सकारात्मक ऊर्जा से भरा रहेगा।

वृश्चिक- आज आपको थोड़ा संभलकर चलने की आवश्यकता है। चोट-चपेट लगने या अचानक किसी परेशानी में पड़ने की आशंका है, इसलिए जल्दबाजी से बचें। परिस्थितियां पूरी तरह अनुकूल नहीं हैं और स्वास्थ्य भी प्रभावित हो सकता है। हालांकि प्रेम और संतान से जुड़े मामले लगभग ठीक रहेंगे और व्यापार में भी स्थिति सामान्य बनी रहेगी। सावधानी को आज अपनी प्राथमिकता बनाएं।

धनु- आज रिश्तों के लिहाज से बेहद खूबसूरत दिन रह सकता है। जीवनसाथी का भरपूर सानिध्य मिलेगा और प्रेमी-प्रेमिका की मुलाकात भी संभव है। प्रेम संबंध विवाह की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। नौकरी और कामकाज से जुड़े मामलों में मजबूती आएगी। स्वास्थ्य, प्रेम और व्यापार तीनों ही क्षेत्रों में परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी।

मकर- आज आप अपने विरोधियों पर प्रभाव बनाए रखने में सफल रहेंगे। खास बात यह है कि जो लोग कभी आपके विरोध में थे, वे भी आपके प्रति मित्रवत व्यवहार कर सकते हैं। गूढ़ या आध्यात्मिक ज्ञान की ओर रुचि बढ़ेगी और बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य थोड़ा प्रभावित हो सकता है, लेकिन प्रेम, संतान और व्यापार के मामले में दिन बेहद अच्छा रहेगा।

कुंभ- आज विद्यार्थियों के लिए समय विशेष रूप से अनुकूल है। लेखन, कविता, कला और फिल्म निर्माण जैसे रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े लोगों को भी अपनी प्रतिभा दिखाने के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य पहले की तुलना में बेहतर रहेगा। प्रेम और संतान से जुड़े मामलों में सुख मिलेगा तथा व्यापार भी अच्छा चलेगा। हालांकि भावनाओं में बहकर कोई बड़ा निर्णय लेने से बचें।

मीन- आज जमीन, मकान या वाहन खरीदने की दिशा में कोई महत्वपूर्ण कदम उठ सकता है। घर में उत्सव, शुभ संस्कार या किसी मांगलिक आयोजन के कारण वातावरण खुशियों से भर सकता है। परिवार के साथ सुखद समय बिताने का अवसर मिलेगा। प्रेम, संतान और व्यापार तीनों ही क्षेत्रों में परिस्थितियां बहुत अच्छी रहेंगी और दिन पारिवारिक सुख-समृद्धि के लिहाज से खास रह सकता है।

शब्दजाल - 8389

शब्द जाल में भारत के 10 राज्यों के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

प्र	उ	त्त	र	प्र	दे	श	ब	ना	क	प्र
ती	क	ती	ति	ल	क	व	जी	ग	कृ	गु
के	ड़ा	ती	त	त	मि	ल	ना	डु	आ	ज
र	क	क	ज	ज	जा	पु	का	प्र	प	र
ल	प्र	क	क	स्था	ग	प्र	अ	प्र	श	त
झ	झ	का	प्र	ल	न	ह	झ	ड़े	ना	ण
घ	र	ती	श	षी	म	प्र	प्र	से	क	क
ला	खं	क	ता	तै	ई	ध्य	व	र्ना	फ	लो
श	ड	प्र	बि	हि	म	ई	ट	प्र	री	प
प	जा	द	र	हा	प	क	जी	उ	ड़ी	सा
प	प्र	क	क	प्र	र	है	या	रा	बा	प्र

राजस्थान, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, तमिलनाडु, केरल, उड़ीसा

शब्दजाल - 8388 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	सिंह में
चंद्र	कन्या में
मंगल	मिथुन में
बुध	कन्या में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कन्या	06.07 बजे से
तुला	08.18 बजे से
वृश्चिक	10.32 ब.से
धनु	12.48 बजे से
मकर	14.53 बजे से
कुंभ	16.40 बजे से
मीन	18.13 बजे से
मेष	19.43 बजे से
वृष	21.23 बजे से
मिथुन	23.21 बजे से
कर्क	01.35 बजे से
सिंह	03.51 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 256 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 07.09 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 13.07 बजे को समाप्त। **योग** शुक्ल(शुक्र) 13.43 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 07.09 बजे तदनन्तर तैतिल 19.04 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 01.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 03° 52' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872831 **जूलियन दिन** 2461296.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 01 **विशेष** बाबू दोज, वराह जयंती, स्वामी ब्रह्मानंद लोधी निर्वाण दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः विचारों की उपयोगिता

एक राजा इस बात से परेशान रहता था कि धर्म और दर्शन को लेकर विचारकों में आपसी सहमति क्यों नहीं बनती। उसने विभिन्न धर्मों के उपदेशकों को बुलाया और सबको कारागार में डालते हुए कहा, 'जब तक आप सब एकमत नहीं हो जाते, एक विचार वाले नहीं हो जाते, तब तक यहीं रहना पड़ेगा।' जब यह बात एक विद्वान आचार्य ने सुनी तो वह राजा के पास गए। राजा ने आचार्य से पूछा, 'महाराज, आपने मेरा नगर देखा है?' आचार्य बोले, 'हां राजन, मैंने नगर का अवलोकन किया है।' राजा ने फिर पूछा, 'वह कैसा लगा?' आचार्य ने कहा, 'नगर सुंदर है, किंतु अव्यवस्थित है।' राजा ने आश्चर्य से पूछा, 'कैसी अव्यवस्था?' आचार्य बोले, 'बाजार अच्छे नहीं हैं। उसमें सैकड़ों दुकानें हैं। क्या आवश्यकता है इतनी दुकानों की? क्या सब दुकानों को एक कर बड़ी दुकान नहीं बनाई जा सकती थी? जब एक ही बड़ी दुकान होगी तो वह बाजार सुंदर दिखने लगेगा।' इस पर राजा ने कहा, 'यह बात अव्यावहारिक है। आप व्यवहार की दुनिया को नहीं जानते। मनुष्य के जीवन को चलाने के लिए सैकड़ों चीजें चाहिए। किसी को आटा चाहिए, किसी को नमक और किसी को चावल। किसी को सोना चाहिए तो किसी को चांदी। फिर भला सबकी आवश्यकताएं एक ही दुकान पूरी कर सके, यह कैसे संभव है? एक दुकान में इतनी चीजें कैसे रखी जा सकती हैं? कैसे इन्हें बेचा जा सकता है? दुकानें अलग-अलग होने से यह दुविधा नहीं रहती। सबकी आवश्यकताएं पूरी होती हैं और कोई अव्यवस्था नहीं होती।' इस पर आचार्य बोले, 'राजन, आपका कथन बिल्कुल सही है। आप सर्वशक्तिसंपन्न हैं, फिर भी जब आप सभी दुकानों को एक नहीं कर सकते और उन्हें एक करने की आवश्यकता नहीं मानते तो विभिन्न विचारों की दुकान एक कैसे हो सकती है? वे अलग-अलग हैं और उन सबकी अपनी-अपनी उपयोगिता है।' राजा को बात समझ में आ गई। उसने तत्काल सभी धर्म उपदेशकों को मुक्त कर दिया।

फिल्म वर्ग पहेली- 7323

1		2		■	3		4		5
	■		■	6		■		■	
7		■	8		■	9			
	■	10			■		■	■	
	■	■		■	11			12	■
13		14	■	15		■	■	16	
	■	17		■	18	19			■
20			■	21	■		■	■	22
	■	■	23		■	24			
25			■	26			■	■	

बायें से दायें:-

१. इमरान हाशमी, दीपल शॉ की 'क्योंकि इतना प्यार' गीत वाली फिल्म-४
३. 'सौ दर्द हैं सौ राहतें' गीत वाली प्रीती, सलमान, अक्षय की फिल्म-२,१,२
६. आमिर खान, माधुरी दीक्षित की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
७. 'आजा गुफाओं में' गीत वाली अमिताभ, मनोज की फिल्म-२
८. मोहित अहलावत, निशा की 'धीमी धीमी सी जिंदगी' गीतवाली फिल्म-२
९. 'ये मुलाकात एक बहाना है' गीत वाली जीतेंद्र, सुलक्षणा की फिल्म-४
१०. अनिलकपूर, स्मिता की 'आसमान छत हो मेरी' गीत वाली फिल्म-३
११. 'एक था बचपन' गीत वाली अशोक कुमार, संजीव, सुमिता की फिल्म-४
१३. सनी, मीनाक्षी शेशाद्रि की 'गवाह हैं चाँद तारे' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'सारे मोहल्ले में हल्ला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा बत्रा की फिल्म-२
१६. नसीर, जैकी, शिल्पा, की 'लड़का लड़की से' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं ऐसा क्यों हूँ' गीत वाली अमिताभ, ऋतिक की फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, लीना की 'दुनिया ने मुझको समझा नाकारा' गीत वाली फिल्म-४
२०. 'मिली तेरे प्यार की छाँव' गीत वाली अनिलकपूर, पूनम की फिल्म-३
२३. संजयदत्त, उर्मिला की 'ये जान ले ले रे' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'प्यार मुझसे जो किया' गीत वाली फारूख शेख, दीप्ति की फिल्म-२,२
२५. अमिताभ, हेमा मालिनी की 'दूल्हा दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'चोरी चोरी जब नजरें मिली' गीत वाली बॉबी देओल, नेहा की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मितवा, कहे धड़कने तुझसे' गीत वाली अमिताभ, शाहरूख, जॉन, अभिषेक, काजोल की फिल्म-२,४,१,३
२. अजय, अभिषेक, रानी, करीना, 'कभी नीम नीम कभी शहद शहद' गीत वाली फिल्म-२
३. 'एक लड़की बस गई' गीत वाली सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
४. राहुल खन्ना, जॉन, मिथुन, लारा, अमीषा की 'बेचैन मेरा दिल' गीत वाली फिल्म-३
५. 'कश पे कश लगाने दे' गीत वाली शरदकुमार, नंदा की फिल्म-२,२
६. ऋषि कपूर, शाहरूख, दिव्या की 'ऐसी दीवानगी देखी नहीं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'तुम्हारे प्यार में' गीत वाली धर्मेन्द्र, संजीव कुमार, आशा की फिल्म-३
९. नाना, सलमान, मनीषा, सीमा की 'आज मैं ऊपर आसमां नीचे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'मेरी बन्नो की आएगी' गीत वाली जैकी, जूही, अमृतासिंह की फिल्म-३
१२. अक्षय खन्ना, सोनाली बेंद्रे की 'सावन बरसे तरसे दिल' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'दूध का कर्ज' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी?-३
१९. जैकी श्रॉफ मोहसिन खान, नीलम की 'दे दो दे दो मुझे दिल' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली संजय दत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२२. गिरीश कर्नाड, स्मिता पाटिल की 'म्हारो गाँव काथिया पारे' गीत वाली श्याम बेनेगल निर्देशित फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 7322

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7632

★☆☆☆☆ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7631 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

शब्द पहेली - 8847

बाएँ से दाएँ

1.जी,इच्छा,चित्त-2
2.तन,बदन,देह-3
4.अग्निदग्ध-2
6.रनिवास (उर्दू-3)
7.स्नान करना-3
8.विश्राम-3
9.राजा,सम्राट-3
10.वचन,प्रतिज्ञा-3
11.तरंग,हिलोर-3
13.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
14.सही का विलोम-3
15.सद्पुरुष-2
16.पाठ,शिक्षा-3
17.कर्ता,कार्य करने वाला-3
18.इज्जत,मान,सम्मान-3
19.सब कुछ छीन लेना-2
20.भवन,प्रासाद-3
21.वजह-3
23.खेल दिखाने वाला-2
24.पेन,लेखनी-3
25.ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1.राय,वोट,अभिप्राय-2
2.लाज.लज्जा-2
3.500 कागजों की गड्डी -2
4.दुनिया,जगत-3
5.लेकर आना-2
6.अवैध,नाजायज-3
7.निगाह,दृष्टि-3
8.बैठने की जगह-3
9.आराम,मदद-3
10.कर्म,भाग्य-3
11.लगन,जिद,उत्साह-3
12.दांपत्य संबंध विच्छेद-3
14.जवान,तरुण-3
15.रिक्त जगह पूर्ण करना-3
16.दुर्बल का विलोम-3
17.वजह-3
18.पदचाप, किसी के आने की आवाज-3
19.रनिवास (उर्दू-3)
20.जी,इच्छा,चित्त-2
21.समयगति-2
22.देह,बदन-2

शब्द पहेली -8846 का हल

सा	ध	■	प	ना	ह	■	शा	न
त	र	ह	■	क	व	च	■	शा
■	ती	र	थ	■	स	प	ना	■
ध	■	म	का	न	■	ल	च	क
रा	ख	■	न	ज	र	■	ना	म
ना	र	द	■	ला	क	र	■	र
■	ल	ह	र	■	म	वा	ली	■
रा	■	न	क	ल	■	ना	प	ना
ज	रा	■	म	त	ली	■	ना	ना

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

27 किलो गांजा तस्करी में खुला स्थानीय कनेक्शन

कुम्हारी कला से 1.7 किलो गांजे के साथ युवक गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी।

ओडिशा से लांजी तक गांजे की बड़ी खेप पहुंचने के मामले में पुलिस की कार्रवाई अब स्थानीय कड़ी तक पहुंच गई है। पहले 27 किलो गांजे के साथ ओडिशा के चार आरोपियों की गिरफ्तारी और अब उनकी निशानदेही पर 12 सितंबर की अलसुबह लांजी थानांतर्गत ग्राम कुम्हारी कला निवासी मुकेश कालबेले की गिरफ्तारी ने मामले को नया मोड़ दिया है। पुलिस ने मुकेश के कब्जे से 1 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद किया है। उसे पुलिस रिमांड के लिए माननीय न्यायालय बालाघाट में पेश किया गया है। क्षेत्र में गांजे की इतनी बड़ी मात्रा में लगातार आमद ने मादक पदार्थों के कारोबार के फैलाव को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पुलिस की अब तक की कार्रवाई में सामने आए संपर्कों के आधार पर स्थानीय स्तर पर जुड़े लोगों की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। चारों आरोपियों से पूछताछ और उनके पास मिले गांजे की मात्रा में अंतर के बाद मुकेश कालबेले का नाम सामने आया था। अब पुलिस इसी आधार पर मामले से जुड़े अन्य संपर्कों की जानकारी जुटा रही है। 27 किलो गांजा बरामदगी के मामले में पहले चार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद अब मुकेश कालबेले की गिरफ्तारी के साथ आरोपियों की संख्या पांच हो गई है। पुलिस ने पांचों आरोपियों से जुड़ी कड़ियों और गांजे की सप्लाई से संबंधित संपर्कों की जांच जारी रखी है।

चार बैग में गांजे की मात्रा ने खींचा पुलिस का ध्यान

लांजी पुलिस ने इससे पहले ओडिशा के सालगुड़ा निवासी प्रबीर पिता गोमारा मलिक (24), दिलीप पिता रामनाथ कहार (35), सोनारसिंह पिता बुगतसिंह (35) और संदीप पिता पनिका मलिक (30) को 27 किलो गांजे के साथ गिरफ्तार किया था। चारों आरोपी महाराष्ट्र के आमगांव रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। वहां से ऑटो में सवार होकर लांजी की ओर आ रहे थे। पुलिस को मिली सूचना के बाद लांजी-आमगांव मार्ग पर सेवती-सिंगोला के बीच निगरानी की गई और सिंगोला बस स्टैंड के आसपास घेराबंदी कर चारों को पकड़ लिया गया था। तलाशी में उनके पास से तीन बैग में अधिक मात्रा में गांजा मिला, जबकि चौथे बैग में अपेक्षाकृत कम गांजा था। पुलिस ने जब इस अंतर को लेकर आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने मुकेश कालबेले का नाम बताया।

सैंपल के तौर पर गांजा लेकर गया था मुकेश

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, चारों आरोपियों के पकड़े जाने से पहले मुकेश कालबेले उनसे कुछ मात्रा में गांजा सैंपल के तौर पर लेकर गया था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। इसी दौरान चारों आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आ गए। पूछताछ में मुकेश का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के संपर्क में रहे मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल और व्हाट्सएप चैटिंग की पड़ताल की। इसी आधार पर पुलिस टीम ने कुम्हारी कला में मुकेश कालबेले के घर दबिश दी। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1 किलो 700 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और आगे की कार्रवाई के लिए न्यायालय में पेश किया।

अब स्थानीय संपर्कों की भी पड़ताल

ओडिशा से 27 किलो गांजा लेकर पहुंचे चार आरोपियों के बाद उसी मामले में स्थानीय निवासी की गिरफ्तारी से पुलिस की जांच का दायरा बढ़ा है। पुलिस बरामद गांजे के साथ आरोपियों के बीच हुए संपर्क और बातचीत की जानकारी जुटा रही है। कॉल डिटेल और व्हाट्सएप चैटिंग से सामने आए संपर्कों की भी जांच की जा रही है। क्षेत्र में गांजे की इतनी बड़ी खेप पहुंचने और उसके बाद स्थानीय स्तर पर गांजा बरामद होने के मामले में पुलिस उन लोगों की भूमिका भी देख रही है, जिनका आरोपियों से संपर्क रहा है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। मुकेश कालबेले की गिरफ्तारी की कार्रवाई में लांजी थाना प्रभारी घनश्याम बैरागी, प्रधान आरक्षक प्रमोद बिसेन, सुरेंद्र चंदेल, आरक्षक कमलेश विश्वकर्मा, महिला आरक्षक प्रीति प्रजापति तथा विशेष दस्ते से खुशबू कबीरे और मुस्कान बोरकर शामिल रहे।

कल हरितालिका तीज

सुहागिन महिलाओं द्वारा रखा जाएगा निर्जला व्रत

पद्मेश न्यूज। लांजी। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि पर मनाया जाने वाला हरितालिका व्रत इस वर्ष 14 सितंबर, सोमवार को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाएगा। सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु, सुखी दांपत्य जीवन एवं परिवार की सुख-समृद्धि की कामना से यह व्रत रखती हैं। वहीं विवाह योग्य युवतियां भी मनचाहे जीवनसाथी की प्राप्ति की कामना से हरितालिका व्रत करती हैं। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

पंचांग के अनुसार इस वर्ष हरितालिका तीज की तृतीया तिथि 13 सितंबर की सुबह करीब 7.08 बजे से शुरू होकर 14 सितंबर की सुबह 7.06 बजे तक रहेगी। उदया तिथि के आधार पर हरितालिका व्रत 14 सितंबर को रखना शुभ माना गया है। हरितालिका पूजन का शुभ मुहूर्त सुबह 6.05 बजे से 7.06 बजे तक बताया गया है। इसके अलावा प्रदोष काल में भी शिव-पार्वती पूजन की परंपरा है। क्षेत्रीय पंचांग एवं स्थानीय परंपरा के अनुसार पूजा के समय में थोड़ा अंतर हो सकता है।

हरितालिका व्रत को लेकर महिलाओं में विशेष उत्साह रहता है। व्रत रखने वाली महिलाएं प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करने के बाद व्रत का संकल्प लेती हैं। इसके बाद भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। पूजा में फूल, बेलपत्र, सिंदूर, फल, मिठाई सहित अन्य पूजन सामग्री अर्पित की जाती है। कई स्थानों पर महिलाएं सामूहिक रूप से हरितालिका व्रत कथा का श्रवण करती हैं और भजन-कीर्तन भी आयोजित किए जाते हैं। इस बार हरितालिका तीज और गणेश चतुर्थी एक ही दिन होने से पर्व का उत्साह और भी बढ़ गया है। पंचांग विशेषज्ञों के अनुसार हरितालिका व्रत के लिए सूर्योदय के समय तृतीया तिथि का होना महत्वपूर्ण माना जाता है, जबकि गणेश स्थापना के लिए मध्यान्ह काल में चतुर्थी तिथि का होना शुभ माना गया है। इसलिए दोनों पर्वों की पूजा के लिए अलग-अलग समय निर्धारित किया गया है।

धार्मिक मान्यता के अनुसार माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठोर तपस्या की थी। इसी तपस्या और शिव-पार्वती के विवाह से जुड़ी मान्यताओं के कारण हरितालिका व्रत को महिलाओं के लिए विशेष फलदायी माना जाता है।

तेज बहाव में बहा 38 वर्षीय युवक का नाले में मिला शव

पद्मेश न्यूज। लांजी। थाना लांजी क्षेत्र के ग्राम पौनी निवासी 38 वर्षीय रामदास मेश्राम की पिपरई नाले में बहने से मौत हो गई। शुक्रवार शाम काम के सिलसिले में कोसमारा गया रामदास देर रात तक घर नहीं लौटा। शनिवार सुबह उसका शव खोलमारा-कोसमारा के बीच पिपरई नाले के पास पानी में मिला। सूचना मिलते ही लांजी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकलवाकर पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस के अनुसार रामदास शुक्रवार शाम करीब 6 बजे कोसमारा जाने के लिए घर से निकला था। रात तक वापस नहीं आने पर परिजनों ने माना कि वह संभवतः कोसमारा में ही रुक गया होगा। शनिवार सुबह करीब 6 बजे ग्राम खोलमारा निवासी एक व्यक्ति ने रामदास के भाई कृष्णदास मेश्राम को फोन कर नाले के पास एक व्यक्ति के मृत अवस्था में पड़े होने की जानकारी दी। सूचना के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान रामदास के रूप में की।

तेज बारिश के बाद बढ़ गया था नाले का पानी

मर्ग जांच के दौरान कृष्णदास मेश्राम ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात करीब 8 बजे क्षेत्र में तेज बारिश हुई थी। बारिश के कारण पिपरई नाले में पानी का बहाव तेज हो गया था। आशंका है कि रामदास नाला पार करने के दौरान तेज बहाव की चपेट में आ गया और पानी में बह गया। बाद में उसका शव नाले के किनारे एक पत्थर में अटका मिला।

बारिश में खतरनाक हो जाता है रास्ता

खोलमारा और कोसमारा के बीच स्थित पिपरई नाला बारिश के दिनों में तेज बहाव के कारण उफान पर आ जाता है। ग्रामीणों के लिए यह मार्ग महत्वपूर्ण है। इसी रास्ते से क्षेत्र के लोग लांजी और किरनापुर की ओर आवागमन करते हैं। ग्रामीणों के मुताबिक बारिश के दौरान नाले का जलस्तर बढ़ने और तेज बहाव के कारण पहले भी यहां हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद बारिश के दौरान लोगों को इस मार्ग से

आवागमन में जोखिम उठाना पड़ता है। पुलिस ने मामले में मर्ग क्रमांक 34/2026 कायम कर जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट होगी। फिलहाल नाले के तेज बहाव में बहने को हादसे की संभावित वजह माना जा रहा है। मर्ग जांच में परिजनों ने भी किसी तरह का संदेह व्यक्त नहीं किया है।

सिविल न्यायालय लांजी में लोक अदालत, 76 प्रकरणों का निराकरण, 5.02 लाख रुपए के अवार्ड पारित

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार शनिवार को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, व्यवहार न्यायालय लांजी में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बालाघाट के अध्यक्ष प्राणेश कुमार प्राण तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं न्यायाधीश सतीश शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित लोक अदालत में कुल 76 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इनमें कुल 5 लाख 2 हजार 446 रुपए के अवार्ड पारित किए गए। लोक अदालत में अधिवक्तागण, बैंक कर्मचारी, नगरपालिका एवं अन्य विभागों के कर्मचारी, न्यायालयीन कर्मचारी, पक्षकार तथा तहसील विधिक सेवा समिति लांजी के पैरालीगल वालेंटियर मौजूद रहे। पीठासीन अधिकारी न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी लांजी प्रीतम शाह की खंडपीठ क्रमांक-18 के समक्ष न्यायालय के आपराधिक, धारा 138, सिविल एवं विविध राजीनामा योग्य कुल 97 लंबित प्रकरण रखे गए। इनमें से 23 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण करते हुए कुल 3 लाख 50 हजार रुपए के अवार्ड पारित किए गए। इसी प्रकार बैंक, नगरपालिका एवं अन्य विभागों से संबंधित प्रीलिटिगेशन के कुल 1470 प्रकरण लोक अदालत में रखे गए। इनमें से 53 प्रकरणों का निराकरण किया गया और कुल 1 लाख 52 हजार 446 रुपए के अवार्ड पारित किए गए।

दो साल से चल रहे पति-पत्नी के विवाद का हुआ अंत

लोक अदालत में पारिवारिक विवाद के एक मामले में समझौता विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी लांजी की अदालत में वर्ष 2024 से विचाराधीन एमजेसीआर क्रमांक 42/2024, धारा 144 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता से संबंधित मामले में पति-पत्नी के बीच आपसी सहमति से विवाद का निराकरण कराया गया। ग्राम मिरिया, टेकेपार रोड निवासी मंजुलता पति महेंद्र नगपुरे और उनके पति महेंद्र नगपुरे के बीच भरण-पोषण को लेकर करीब दो वर्षों से विवाद चल रहा था। लोक अदालत से पहले भी दोनों पक्षों को समझाइश दी गई थी। इसके बाद प्रकरण को 12 सितंबर को नेशनल लोक अदालत की खंडपीठ क्रमांक-18 में राजीनामे के लिए रखा गया। पीठासीन अधिकारी प्रीतम शाह ने पति-पत्नी से पृथक-पृथक तथा संयुक्त रूप से चर्चा कर उन्हें विवाद समाप्त कर आपसी सहमति से जीवन आगे बढ़ाने के लिए समझाया। दोनों पक्षकारों के अधिवक्ताओं ने भी समझौता कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समझाइश के बाद दोनों पति-पत्नी आपसी सहमति से राजीनामा करने के लिए तैयार हो गए। दोनों पक्षों ने स्वेच्छा से पुराने विवाद को समाप्त कर साथ मिलकर सुखमय जीवन बिताने की सहमति दी। वहीं पति ने भविष्य में पत्नी को किसी भी प्रकार से प्रताड़ित नहीं करने और अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आश्वासन दिया। इसके बाद लोक अदालत में राजीनामा स्वीकार करते हुए प्रकरण का निराकरण किया गया।

समझौते की खुशी में न्यायाधीश ने भेंट किया जामुन का पौधा

प्रकरण के निराकरण के बाद न्यायाधीश प्रीतम शाह ने पति-पत्नी को एक जामुन का पौधा भेंट किया। उन्होंने दोनों को आपसी प्रेम, विश्वास और सौहार्द के साथ जीवन बिताने की शुभकामनाएं दीं। लोक अदालत में हुए इस समझौते ने न केवल दो वर्ष पुराने विवाद का अंत किया, बल्कि दोनों पक्षों को न्यायालयीन प्रक्रिया से राहत देते हुए नए सिरे से जीवन शुरू करने का अवसर भी दिया।

विघ्नहर्ता के दिव्य स्वरूप को आकार दे रहा कुलपा का युवा कलाकार

पद्मेश न्यूज। लांजी। गणेशोत्सव की आहट के साथ ही क्षेत्र में भक्ति और उल्लास का वातावरण बनने लगा है। घर-घर और गणेश पंडालों में प्रथम पूज्य भगवान श्री गणेश के स्वागत की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसी पावन अवसर के लिए बालाघाट जिले की लांजी तहसील के ग्राम कुलपा में युवा मूर्तिकार संजू अशोक तेलासू विघ्नहर्ता श्री गणेश के मनोहारी स्वरूप को मिट्टी और शिल्प के माध्यम से साकार करने में जुटे हैं। भगवान गणेश की लगभग 50 प्रतिमाओं का निर्माण इस वर्ष उनके द्वारा किया गया है। इनमें से अधिकांश प्रतिमाएं अब अपने अंतिम स्वरूप में पहुंच चुकी हैं। प्रत्येक प्रतिमा में भगवान श्री गणेश की भव्यता, सौम्यता और दिव्यता को उभारने का प्रयास किया गया है। कहीं गजानन का शांत और करुणामयी स्वरूप आकर्षित करता है तो कहीं उनकी भाव-भंगिमा भक्तों के मन में श्रद्धा का भाव जगाती है। कुलपा की मिट्टी से आकार लेते गजानन के ये दिव्य स्वरूप इस बात का संदेश दे रहे हैं कि भक्ति जब कला का रूप लेती है, तो वह केवल प्रतिमा नहीं बनाती—वह श्रद्धालुओं के हृदय में भगवान के प्रति आस्था को और गहरा कर देती है। गणपति बप्पा मोरया, मंगल मूर्ति मोरया।

मूर्ति नहीं, आस्था के स्वरूप को गढ़ने का प्रयास

कुलपा गांव लंबे समय से देवी-देवताओं की प्रतिमाओं के निर्माण की परंपरा से जुड़ा रहा है। इसी परंपरा में संजू तेलासू भी अपनी कला के माध्यम से भगवान श्री गणेश के विभिन्न मनोहारी रूपों को आकार दे रहे हैं। प्रतिमा निर्माण के दौरान उनके द्वारा भगवान गणेश की सूंड, नेत्र, मुकुट, आभूषण और भाव-भंगिमा की बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उनका प्रयास रहता है कि प्रतिमा में केवल आकर्षक कलात्मकता ही नहीं, बल्कि विघ्नहर्ता के प्रति श्रद्धा और सनातन परंपरा की गरिमा भी स्पष्ट दिखाई दे। यही वजह है कि तैयार प्रतिमाओं को देखने वाले श्रद्धालु उनमें भगवान गणेश के प्रति भक्ति और आत्मीयता का अनुभव कर रहे हैं।

लांजी से महाराष्ट्र तक पहुंच रहा गजानन का मनोहारी स्वरूप

संजू तेलासू द्वारा तैयार की जा रही गणेश प्रतिमाओं की मांग लांजी तहसील के साथ-

साथ महाराष्ट्र के अमगांव क्षेत्र में भी बनी हुई है। अमगांव के विभिन्न गणेश मंडलों के लिए तैयार की गई कई प्रतिमाएं अंतिम चरण में हैं। गणेशोत्सव के शुभ अवसर पर इन प्रतिमाओं की स्थापना श्रद्धा और विधि-विधान के साथ की जाएगी। गांव की कार्यशाला में इन दिनों दिन-रात भगवान गणपति के स्वरूप को अंतिम रूप देने का कार्य चल रहा है। जैसे-जैसे प्रतिमाओं पर रंग और अलंकरण का काम पूरा हो रहा है, वैसे-वैसे उनका दिव्य स्वरूप निखरता जा रहा है।

हर प्रतिमा में अलग भाव, हर स्वरूप में गणपति की महिमा

मूर्तिकार संजू अशोक तेलासू बताते हैं कि भगवान श्री गणेश की प्रतिमा बनाना उनके लिए केवल एक व्यवसाय नहीं, बल्कि आस्था और साधना से जुड़ा कार्य है। उनका प्रयास रहता है कि प्रत्येक प्रतिमा में भगवान गणेश का पारंपरिक स्वरूप बरकरार रहे और साथ ही उसे ऐसा आकर्षक रूप दिया जाए, जो दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के मन को स्पर्श कर सके। मिट्टी, प्लास्टर सहित अन्य आवश्यक सामग्री से तैयार की जा रही प्रतिमाओं को आकार देने से लेकर रंग-रोगन और अंतिम सज्जा तक हर चरण में विशेष सावधानी बरती जा रही है।

गणपति बप्पा के आगमन का इंतजार

गणेशोत्सव केवल उत्सव नहीं, बल्कि भगवान श्री गणेश के प्रति श्रद्धा, विश्वास और समर्पण का पर्व है। विघ्नहर्ता के आगमन से पहले कुलपा में तैयार हो रही ये प्रतिमाएं अब अपने गंतव्य की ओर जाने को तैयार हैं। श्रद्धालुओं के घरों और गणेश पंडालों में विराजने के बाद यही प्रतिमाएं आने वाले दिनों में भक्तिभाव और गणपति आराधना का केंद्र बनेंगी। गणेशोत्सव के बाद नवरात्रि पर्व को लेकर भी मूर्तियों के निर्माण की तैयारियां शुरू होने की संभावना है। क्षेत्र में संजू तेलासू की बनाई प्रतिमाओं की बढ़ती मांग ग्रामीण अंचल में मौजूद पारंपरिक शिल्प और स्थानीय प्रतिभा की मजबूत पहचान बनकर सामने आ रही है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

हरितालिका तीज पर्व आज,दो तिथियों में मनाया जा रहा पर्व

मनोकामनाओ की पूर्ति के लिए सुहागिने रखेंगी निर्जला व्रत : तीज पर्व की तैयारियों को लेकर गुलजार दिखे बाजार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाने वाला हरितालिका तीज पर्व दो तिथियों में आने के चलते रविवार व सोमवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो ग्रामीण अंचलों में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा।जहां हिंदू धर्म की सुहागिन महिलाएं पति की दीर्घायु, अखंड सौभाग्य और परिवार की सुख समृद्धि के लिए निर्जला व्रत धारण कर भगवान शिव,माता पार्वती और भगवान गणेश की पूजा अर्चना करेंगी।वही सुहागिन महिलाओं के साथ साथ कुंवारी कन्याए भी निर्जला व्रत धारण कर मनोवांछित वर की कामना करेंगी।इस दिन व्रती महिलाएं व्रत के संकल्प के साथ सुबह स्नान कर नए कपड़े पहनकर सोलह श्रृंगार करेंगी। व्रत धारण कर पूजा की जगह पर चौक पूरा कर भगवान शिव,माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर मां पार्वती को सुहाग की सारी वस्तुएं च?ाएगी।वही भगवान को भोग लगाकर पूजा अर्चना करेंगी।पूजा के बाद कथा का आयोजन कर रात्रि जागरण करेंगी।इसके अगले दिन सुबह आरती के बाद माता पार्वती को सिंदूर लगाकर हलवे का भोग लगाकर व्रत खोलेंगी।

दो तिथियां में पड़ रहा पर्व

दो तिथियां में हरि तालिका तीज पर्व होने के चलते दोनों दिन ही इस पर्व को लेकर उत्साह बना हुआ है बताया गया की 13 सितंबर सुबह 7ः08 से हरित तालिका तीज प्रारंभ होगा जो 14 सितंबर सुबह 7ः06 तक रहेगा। दो तिथियां में पड़ने के करण और 14 सितंबर को वक्त कम होने के

चलते ज्यादातर महिलाएं 13 सितंबर को ही हरितालिका तीज पर्व मानेंगी ऐसा विद्वानों द्वारा माना जा रहा है।

कल जलाशयों में होगा गौर का विसर्जन

जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले में निर्जला व्रत हरितालिका तीज मनाया जायेगा। जहां महिलाएं एवं युवतियां ने भगवान शिव और माता पार्वती की आराधना करके पति की दीर्घायु और सुयोग्य वर की मनोकामना का आशीर्वाद मांगेगी।हरितालिका तीज पर व्रतधारी महिलाएं प्रात: गौरपूजन करेगी और घरो में सुंदर मंडप के नीचे गौर को विराजित कर उसका विधि, विधान से रात्रि में पूजन करेगी। व्रतधारी महिलायें पांच प्रकार के व्यंजन अर्पित कर रेत से भगवान शंकर और पार्वती के अक्श को हल्दी, कुमकुम, चंदन, बेलपत्र और भगवान शंकर एवं माता पार्वती को चढ़ने वाले फल एवं सुहाग की सामग्री चढ़ाकर शुभमुहुर्त पर भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन करेगी और रात्रि में व्रतधारी महिलायें, एकदूसरे के घरो में जाएगी, हल्दी कुंमकुंम का अखंड सौभाग्य का तिलक लगायेगी और रात्रि जागरण करेगी।यह सबसे लंबी अवधि का व्रत माना गया है। जो सूर्योदय से शुरू होकर दूसरे दिन सूर्योदय तक उपासक निराहार निर्जला रहकर व्रत करते हैं रात्रि में जागरण कर चार पहर की पूजा होती है। हरितालिका तीज के दूसरे दिन सोमवार व मंगलवार को गौर का विसर्जन नगर के सरोवरो में किया जायेगा।

भगवान शिव और माता पार्वती का पुनर्मिलन है हरितालिका

बताया जा रहा कि हरतालिका तीज को तीजा के नाम से भी जाना जाता है।धार्मिक मान्यता के अनुसार हरतालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था।माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था।इस तप को देखकर भगवान शिव ने उन्हें दर्शन दिए और माता पार्वती को अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया।तभी से मनचाहे पति की इच्छा और लंबी आयु के लिए हरतालिका तीज का व्रत रखा जाता है।

बाजार रहा गुलजार

सुहागिन महिलाओं और युवतियों द्वारा हरतालिका तीज का व्रत रखा जाएगा।जिसकी तैयारियों को लेकर शनिवार को नगर का बाजार गुलजार नजर आया।इस पर्व विशेष पर निर्जला व्रत रखने के लिए महिलाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया।जहां सुबह से लेकर देर शाम तक महिलाओ और युवतियों ने बाजार में श्रृंगार, पूजन सामग्री सहित अन्य वस्तुओ की जमकर खरीदी की।जहा उन्होंने सुहाग का पिटारा तैयार करने के लिए सिंदूर, चूड़ी, बिंदी, मेहंदी, काजल इसके अलावा तुलसी, केला का पत्ता, आंक का फूल, मंजरी, शमी पत्र, जनैऊ, वस्त्र, फूल, अबीर, फल, कुमकुम, चंदन, घी-तेल, दीपक, नारियल, माता की चुनरी, लकड़ी का पाटा,पीला कपड़ा, सुहाग पिटारा और तुलसी सहीत अन्य वस्तुओं की खरीदी की।

व्रती महिलाए करेंगी जगराता

सनातन धर्म में हरितालिका तीज का पर्व बेहद महत्वपूर्ण माना गया है।इस दिन शिव-पार्वती की पूजा-उपासना विधिवत तरीके से करते हैं।ऐसा माना जाता है कि जो सुहागिन स्त्रियां इस दिन निर्जला व्रत रखती हैं उनके पति की आयु लंबी होती है।हिंदू धर्म शास्त्रों के अनुसार, हरितालिका तीज पर व्रत रखने वाले भक्तों को वर्जित माने गए कार्यों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। कहा जाता है कि जो भक्त इस दिन वर्जित माने गए कार्यों को भूल से भी करता है उसका व्रत फलविहीन हो जाता है। जो महिलाएं हरितालिका तीज पर व्रत रख रही हैं।उनके लिए रात में सोना वर्जित माना गया है।इसलिए व्रती महिलाएं पूरी रात जागकर भजन-कीर्तन कर जगराता करती है।माना जाता है कि इस दिन रात भर जागरण कर भगवान शिव, और माता पार्वती के भजनों व मंत्रों का जाप करने से मनोइच्छाओं की पूर्ति होती है।

पर्व के लिए दोनों ही तिथियां उत्तम है-पं. कपिल देव शास्त्री

हरितालिका तीज को लेकर की गई चर्चा के दौरान काली पुतली चौक श्री हनुमान मंदिर पुजारी पं. कपिल देव शास्त्री ने बताया कि हरितालिका तीज रविवार को सुबह 7ः15 से शुरू होगा जो अगले दिन सोमवार सुबह 7ः06 तक रहेगा ज्यादातर लोग रविवार को हरितालिका तीज मना रहे हैं तो कुछ लोग सोमवार को हरितालिका तीज मनाएंगे पर्व के लिए दोनों ही तिथियां उत्तम है जो लोग रविवार को हरितालिका थी का उपवास करेंगे वह सोमवार को गौरव विसर्जन करेंगे जबकि सोमवार को व्रत करने वाले 24 घंटे बाद मंगलवार को गौर विसर्जन करेंगे। दोनों ही तिथियो में यह व्रत किया जा सकता है दोनों ही तिथियां उत्तम है लेकिन सोमवार को शुभ मुहूर्त का समय सुबह 7ः00 बजे के करीब होने के चलते रविवार को ज्यादातर लोग इस व्रत को कर रहे हैं।

ईंट मारकर किया घायल

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आमगांव थाने के तहत ग्राम ठाणा में दो आरोपियों ने अपने दामाद के साथ विवाद कर ईंट से प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. ग्राम पाथरी निवासी आरोपी ग्यानीराम प्रधान (55) की लड़की के साथ उसका दामाद फरियादी नानेश्वर शामलाल राने (34) विवाद कर मारपीट करता है. इस बात को लेकर ज्ञानीराम प्रधान और उसका बेटा मनीष प्रधान (20) फिर्यादी के घर गए और विवाद करने लगे. इस दौरान एक आरोपी ने फरियादी पर ईंट से प्रहार कर दिया. फरियादी की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

मामूली बात पर मारपीट

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आमगांव थाने के तहत मोहनटोला निवासी फिर्यादी सुशील संतोष कोहरे (25) कुछ लोगों के साथ बात कर हंस रहा था. तब आरोपी भुरू नंदु उपराडे (25) वहां आया और तू मुझे देखकर क्यों हंसता है, कहते हुए उसकी पिटाई कर दी. इतना ही नहीं तो आरोपी हितेश फत्तेलाल लिल्हारे (30) ने फरयादी दी के सिर में लाठी से प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. फरयादी की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

दुकान से टायर चुराए

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। आमगांव थाने के तहत रिसामा स्थित टायर की दुकान में काम करने वाले आरोपी ने मौका देखकर मोटर साइकिलों के 20 नग टायरों को चुरा लिया. जिसकी कुल कीमत 50 हजार रु. बताई गई है. जानकारी के अनुसार कुडवा निवासी फरयादी कवलजीतसिंग सिंदरसिंह भाटिया (42) के टायर की दुकान में किकरीपार निवासी आरोपी अरविंद राजेश मैंढे काम करता है।

संदिग्ध को पुलिस ने दबोचा

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। शहर थाने के तहत रेलवे स्टेशन के पास गौतम नगर निवासी आबीद आरीफ कुरेशी (24) पुलिस को रात में संदिग्ध अवस्था में दिखाई दिया. पुलिस के अनुसार वह किसी घटना को अंजाम देने के लिए रात के अंधेरे में छुपकर बैठा था. पुलिस ने जब उससे पूछताछ की तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया।

710 गांवों में विराजेंगे सार्वजनिक गणपति

गोंदिया जिले में 5,950 घरों में भी होगी गणेश स्थापना-शांतिपूर्ण उत्सव के लिए पुलिस का कड़ा बंदोबस्त

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। महाराष्ट्र के आराध्य देव भगवान गणेश का आगमन 14 सितंबर को ढोल-ताशों और गाजे-बाजे के साथ होगा. गणेशोत्सव को लेकर जिले में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं. इस वर्ष जिले में 710 स्थानों पर सार्वजनिक गणपति मंडलों द्वारा स्थापना, जबकि 5,950 घरों में निजी गणपति की स्थापना की जाएगी. गणेशोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है. गणेशोत्सव शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला पुलिस प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की हैं. पुलिस ने अपने-अपने थाना क्षेत्रों के गणेश मंडलों के पदाधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक नियमों व सुरक्षा संबंधी निर्देशों की जानकारी दी है. मंडलों को नियमानुसार गणेशोत्सव मनाने की अनुमति दी गई है. पुलिस प्रशासन ने गणेश मंडलों व नागरिकों से नियमों का पालन करते हुए उत्सव मनाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है।

सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस बल तैनात

गणेशोत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग की ओर से विशेष दल तैनात किए जाएंगे. सुरक्षा व्यवस्था में दंगा नियंत्रण के तीन दल, चारों उपविभागीय पुलिस अधिकारियों के अधीन एक-एक ट्रैकिंग फोर्स, पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक के अधीन एक-एक ट्रैकिंग फोर्स शामिल रहेगी. इसके अलावा सी-60 का दल तथा बम खोजी व

निष्क्रियकरण दस्ता भी तैनात रहेगा।

कहां कितने सार्वजनिक गणपति?

पुलिस थाना क्षेत्र सार्वजनिक गणपति

गोंदिया शहर 108
गोंदिया ग्रामीण 81
रामनगर 62
रावणवाड़ी 55
तिरोड़ा 45
गंगाझरी 46
दवनीवाड़ा 25
आमगांव 53
गोरेगांव 45
सालेकसा 23
देवरी 35
चिचगढ़ 25
डुग्गीपार 55
नवेगांवबांध 12
अर्जुनी मोरगांव 30
केशोरी 10

गोंदिया शहर में सर्वाधिक निजी गणपति

घरों में स्थापित किए जाने वाले निजी गणपति में भी गोंदिया शहर सबसे आगे है. गोंदिया शहर में 1,140, गोंदिया ग्रामीण में 782, रामनगर में 750, आमगांव में 505 तथा देवरी में 475 घरों में गणपति स्थापना होगी. इसके अलावा तिरोड़ा में 260, रावणवाड़ी में 340, गंगाझरी में 116, दवनीवाड़ा में 92, गोरेगांव में 141, सालेकसा में 250, चिचगढ़ में 70, डुग्गीपार में 292, नवेगांवबांध में 151, अर्जुनी मोरगांव में 361 तथा केशोरी में 135 निजी गणपति स्थापित किए जाएंगे।

नाबालिगों के हाथों में वाहन, रफ्तार बनी मुसीबत

नियमों की धज्जियां उड़ाने वालों पर शिकंजा,पालकों पर 30 हजार रु. तक का जुर्माना

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। नाबालिग बच्चों के हाथों में दोपहिया या चारपहिया वाहन सौंपने वाले पालकों को अब सावधान रहने की जरूरत है. नाबालिग के वाहन चलाते पकड़े जाने पर संबंधित पालक के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है. इसके तहत पालक पर 30 हजार रु. तक का जुर्माना लगाया जा रहा है. यातायात पुलिस की इस सख्ती से बच्चों को वाहन देने वाले पालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। शहर में नाबालिग वाहन चालकों द्वारा किए जा रहे यातायात नियमों के उल्लंघन पर अंकुश लगाने के लिए गोंदिया यातायात पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है. शहर की यातायात व्यवस्था सुचारु रखने, जाम की समस्या कम करने तथा सड़क हादसों पर नियंत्रण के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक गोरख भामरे के मार्गदर्शन में यातायात शाखा के पुलिस निरीक्षक नागेश भास्कर के नेतृत्व में विभिन्न अभियान चलाए जा रहे हैं. ट्रिपल सीट, रॉन्ग साइड और बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के साथ अब नाबालिग वाहन चालकों पर भी विशेष नजर रखी जा रही है. नाबालिग को वाहन चलाते पकड़े जाने पर केवल बच्चे के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जा रही, बल्कि उसके पालकों को भी पुलिस थाने बुलाकर जवाबदेही तय की जा रही है. पुलिस का मानना है कि नाबालिगों को वाहन सौंपने की जिम्मेदारी पालकों की भी है. इसी वजह से पालकों पर आर्थिक दंड के साथ जिम्मेदारी तय करने की कार्रवाई की जा रही है. इससे पालकों में वचक निर्माण करने और बच्चों को वाहन देने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है।

रॉन्ग साइड वाहन चालकों पर सीधे मामले

समय बचाने अथवा यातायात जाम से बचने के लिए कई वाहन चालक गलत दिशा से वाहन चलाते हैं. रॉन्ग साइड वाहन चलाने की यह प्रवृत्ति सामने से आने वाले वाहनों के लिए गंभीर खतरा बन जाती है और हादसे की आशंका बढ़ जाती है. ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ भी यातायात पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है. नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सीधे मामले दर्ज किए जा रहे हैं. पुलिस की सख्ती के चलते नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मचा हुआ है.

दंड वसूली नहीं, सुरक्षा मुख्य उद्देश्य

यातायात पुलिस निरीक्षक नागेश भास्कर ने बताया कि अभियान का उद्देश्य केवल दंड वसूलना नहीं है. नागरिक यातायात नियमों का पालन करें, सुरक्षित तरीके से वाहन चलाएं और शहर की यातायात व्यवस्था अनुशासित रहे, यही कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य है।

नाबालिगों को वाहन देना उनके साथ-साथ अन्य राहगीरों और वाहन चालकों के लिए भी जोखिम पैदा करता है. पालकों को अपनी जिम्मेदारी समझनी चाहिए. रॉन्ग साइड, ट्रिपल सीट, बिना हेलमेट तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी. नागरिकों में नियम पालन की भावना विकसित करना ही इस अभियान का उद्देश्य है।

नागेश भास्कर, पुलिस निरीक्षक, यातायात शाखा

जलाशय लबालब, रबी की फसल को सिंचाई का सहारा

मध्यम प्रकल्प 84.17 प्रश., मामा तालाब 89.65 प्रश. भरे

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। पिछले कुछ वर्षों से जिले के जलाशयों में पर्याप्त जलसंचय हो रहा है. इस वर्ष भी अच्छी बारिश के चलते जिले के 5 मध्यम प्रकल्प, 6 लघु प्रकल्प और 24 मामा तालाब पूरी तरह भरकर ओवरफ्लो हो रहे हैं. मध्यम प्रकल्पों में औसतन 84.17 प्रश., लघु प्रकल्पों में 72.23 प्रश. तथा माजी मालगुजारी यानी मामा तालाबों में 89.65 प्रश. जलसंचय उपलब्ध है. चार बड़े प्रकल्पों में भी पर्याप्त पानी होने से आगामी रबी मौसम में फसलों की सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होने का रास्ता आसान हुआ है।

इस वर्ष मानसून की शुरुआत में बारिश ने किसानों को चिंता में डाल दिया था. हालांकि बाद में बारिश ने रफ्तार पकड़ी और बीच-बीच में कुछ विराम के बावजूद जिले के अधिकांश क्षेत्रों में कम-अधिक बारिश का सिलसिला जारी रहा. तालाबों के जिले के रूप में पहचान रखने वाले गोंदिया में छोटे-बड़े करीब 80 जलप्रकल्प हैं. इनमें लघु पाटबंधारे विभाग के अंतर्गत 70 प्रकल्प व तालाब शामिल हैं. जिले के 9 मध्यम प्रकल्पों में औसतन 84.17 प्रश. जलसंचय है. इनमें रेंगेपार, कलापाथरी और कटंगी मध्यम प्रकल्प शत-प्रतिशत भर चुके हैं. वहीं मानागढ़ में 95.49 प्रश. तथा चुलबंद प्रकल्प में 98.78 प्रश. जलसंचय उपलब्ध है. इसी तरह 20 लघु प्रकल्पों में औसतन 72.23 प्रश. पानी है. सडेपार, राजोली, पिपरिया, मोगरा, कालीमाली और डोंगरगांव लघु प्रकल्प शत-प्रतिशत भर चुके हैं।

24 मामा तालाब ओवरफ्लो

जिले के 38 पुराने मालगुजारी यानी मामा तालाबों में से 24 तालाब शत-प्रतिशत भरकर ओवरफ्लो हो रहे हैं. इनमें मानापुर, भिवखिड़की, चन्नाबाकड़ी, फुलचूर, गिरोला, गंगाझरी, खैरी, कोसबीबाकी, कोसमतोंडी, कोकणा, खोडशिवणी, लेंडेझरी, माहुर्ली, मालीजुंगा, मुंडीपार, गोरगांव, नांदलपार, पलसगांव, पुतली, सौंदड़ और तेढ़ा सहित अन्य तालाब शामिल हैं।

प्रकल्पवार औसत जलसंचय

प्रकल्प कुल संख्या औसत जलसंचय
मध्यम प्रकल्प 9 84.17 प्रश.
लघु प्रकल्प 20 72.23 प्रश.
मालगुजारी (मामा) तालाब 38 89.65 प्रश.

प्रमुख बांधों में उपलब्ध जलसंचय

जलाशय प्रतिशत
इटियाडोह 86.82 प्रश.
शिरपुर 77.74 प्रश.
कालीसरार 92.80 प्रश.
कवलेवाड़ा 16.74 प्रश.

रबी के साथ गर्मी में भी राहत की उम्मीद

जिले के मामा तालाब, मध्यम व लघु प्रकल्पों में फिलहाल पर्याप्त जलसंचय उपलब्ध है. अन्य जिलों की तुलना में गोंदिया में अच्छी स्थिति है. उपलब्ध जलसंचय को देखते हुए आगामी रबी मौसम में सिंचाई के लिए पानी मिलने में राहत होगी. साथ ही आगामी गर्मी में भी पानी की किल्लत का सामना अपेक्षाकृत कम करना पड़ेगा, ऐसी संभावना है।

राजीव कुरेकार, कार्यकारी अभियंता, पाटबंधारे विभाग, गोंदिया

दो साल से अधूरा निर्माण दे रहा मौत को न्योता

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। रावणवाड़ी का मुख्य चौक इन दिनों वाहन चालकों और ग्रामीणों के लिए परेशानी के साथ-साथ हादसों का बड़ा केंद्र बन गया है. चारों दिशाओं के गांवों को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण चौक से दिनभर बड़ी संख्या में वाहन और पैदल राहगीरों की आवाजाही होती है. लेकिन पिछले दो वर्षों से अधिक समय से निर्माण कार्य अधूरा पड़ा है. सड़क की बदहाल स्थिति, जगह-जगह गड्ढे और बेतरतीब यातायात के कारण इस मार्ग से गुजरना जान जोखिम में डालने जैसा हो गया है।

मुख्य चौक पर चल रहे निर्माण कार्य की रफ्तार बेहद धीमी होने से रोजाना यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है. अधूरे निर्माण के कारण चौक में वाहनों की आवाजाही के लिए पर्याप्त जगह नहीं बचती. ऐसे में कई बार जाम की स्थिति बन जाती है. प्रशासन और संबंधित ठेकेदार की कार्यप्रणाली को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है. वर्तमान में गणेशोत्सव और पोला सहित आगामी त्योहारों का दौर चल रहा है. इसके चलते बाजारों और प्रमुख मार्गों पर नागरिकों तथा वाहनों की आवाजाही बढ़ गई है. रावणवाड़ी चौक पर भी इन दिनों सामान्य दिनों की तुलना में काफी अधिक भीड़ देखी जा रही है. ऐसे में अधूरे निर्माण के कारण हादसे का खतरा और बढ़ गया है।

पहले भी हो चुके हैं छोटे-बड़े हादसे

स्थानीय नागरिकों के अनुसार, सड़क के अधूरे काम और बदहाल स्थिति के कारण यहां पहले भी कई छोटे-बड़े हादसे हो चुके हैं. इसके बावजूद निर्माण स्थल पर सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए गए हैं. न तो उचित बैरिकेडिंग की गई है और न ही पर्याप्त चेतावनी या दिशादर्शक फलक लगाए गए हैं. रात के समय प्रकाश व्यवस्था का भी अभाव होने से दुर्घटना की आशंका और गंभीर हो

जाती है।

दुकानदारों का कारोबार भी प्रभावित

अधूरे निर्माण का असर केवल यातायात तक सीमित नहीं है. सड़क से उड़ने वाली धूल, कीचड़, गड्ढों और अव्यवस्थित यातायात के कारण ग्राहक दुकानों तक पहुंचने से कतरा रहे हैं. इससे मुख्य चौक और आसपास के दुकानदारों की बिक्री प्रभावित हुई है. व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

प्रशासन से काम जल्द पूरा करने की मांग

रावणवाड़ी के नागरिकों और व्यापारियों ने सार्वजनिक निर्माण विभाग सहित संबंधित प्रशासन के प्रति नाराजगी जताते हुए दो वर्षों से अधिक समय से लंबित निर्माण कार्य तत्काल पूरा करने की मांग की है. साथ ही निर्माण स्थल पर उचित बैरिकेडिंग, रात के समय पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था तथा स्पष्ट दिशादर्शक और चेतावनी फलक लगाने की मांग की गई है. ग्रामीणों का कहना है कि किसी बड़े हादसे के बाद जागने के बजाय प्रशासन को समय रहते सुरक्षा उपाय करने चाहिए. यदि जल्द ही निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया और सुरक्षा व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो यहां कभी भी गंभीर हादसा हो सकता है।

जलजीवन मिशन की नल योजनाएं ठप

पद्मेश न्यूज। अर्जुनी मोरगांव। तहसील के खांभी प्रादेशिक जलापूर्ति योजना के अंतर्गत करीब 30 गांवों में होने वाली जलापूर्ति पिछले कई दिनों से ठप है. वर्षों से शुरू इस योजना के अचानक बंद हो जाने से नागरिकों में तीव्र नाराजगी है. जलजीवन मिशन के तहत घर-घर नल पहुंचाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन नलों में पानी ही नहीं आने से योजना की कार्यक्षमता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

1 सितंबर से नलों में पानी बंद होने के कारण बोलदे, कवठा, सुकली, खैरी, बाराभाटी, येरंडी समेत अन्य गांवों के नागरिकों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है. सबसे अधिक परेशानी महिलाओं, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को उठानी पड़ रही है. महिलाओं को दूर-दूर से पानी लाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है. नलधारक 200 रु. तक पानीपट्टी भरने के लिए तैयार हैं. इसके बावजूद जलापूर्ति बंद रखना नागरिकों के साथ अन्याय है. पानी प्रत्येक नागरिक की मूलभूत जरूरत

छायाचित्र ः 12द्दश्ठ्ठश्च03
30 गांवों में पानी के लिए हाहाकार ः महिलाओं में आक्रोश, नागरिकों ने दी जल आंदोलन की चेतावनी

है और जलजीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से पानी पहुंचाना है. लेकिन योजना के बावजूद नलों में पानी नहीं पहुंचने से ग्रामीणों में प्रशासन के प्रति रोष बढ़ रहा है।

महिलाओं के सिर पर फिर

हंडे न आएं

ग्राम पंचायत सदस्य धम्मदीप मेश्राम ने प्रशासन से मामले की तत्काल दखल लेकर खांभी प्रादेशिक जलापूर्ति योजना पूर्ववत शुरू करने की मांग की है. नागरिकों का कहना है कि वे पानी का बिल भरने के लिए तैयार हैं, लेकिन नियमित पानी ही नहीं मिलेगा तो योजना का क्या लाभ? इस बीच बोलदे, कवठा, सुकली, खैरी, बाराभाटी और येरंडी क्षेत्र की महिलाओं ने पानी की समस्या को लेकर तीव्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है. महिलाओं का कहना है कि यदि जल्द जलापूर्ति शुरू नहीं की गई तो उन्हें सड़कों पर उतरकर जल आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा. प्रशासन से तत्काल पानी की व्यवस्था शुरू करने की मांग की जा रही है।

महिला एशिया कप फाइनल

भारत की निगाहें आठवें खिताब पर

श्रीलंका से पिछली हार का हिसाब चुकता करने का मौका

नई दिल्ली। सात बार की चैंपियन भारतीय महिला क्रिकेट टीम रविवार को श्रीलंका के खिलाफ महिला टी20 एशिया कप के फाइनल में उतरेगी। भारत की नजरें श्रीलंका को हराकर रिकॉर्ड आठवीं बार खिताब जीतने पर होंगी। दोनों टीमें पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए फाइनल तक पहुंची हैं, जिससे यह मुकाबला और भी रोमांचक होने की उम्मीद है। भारत के लिए बल्लेबाजी में शेफाली वर्मा और गेंदबाजी तथा ऑलराउंड प्रदर्शन में दीप्ति शर्मा अहम भूमिका निभाएंगी, लेकिन टीम को अपनी मध्यक्रम की बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार करना होगा। यह मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम की धीमी और स्पिनरों की मददगार पिच पर खेला जाएगा। शेफाली वर्मा इस टूर्नामेंट में भारत की सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बनकर उभरी हैं। उन्होंने दो अर्धशतकों की मदद से 168 रन बनाए हैं और वह इस सीजन में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। चुनौतीपूर्ण पिचों पर भी शेफाली ने अपनी चिर-परिचित आक्रामक शैली से बल्लेबाजी की है। दूसरी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने भी 154 रन बनाए हैं, जिसमें एक शानदार शतक शामिल है, हालांकि उनके प्रदर्शन में कुछ निरंतरता की कमी भी दिखी है। फाइनल जैसे बड़े मुकाबले में भारत को इन दोनों से एक ठोस शुरुआत की उम्मीद होगी।

गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में दीप्ति शर्मा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी रही हैं। वह श्रीलंका की कप्तान चामारी अटापट्टू के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक 11 विकेट लेने वाली गेंदबाजों में शामिल हैं। गेंद के अलावा दीप्ति ने बल्ले से भी उपयोगी योगदान दिया है, जैसे बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में उनके 13 रन। दीप्ति के साथ श्री चरणी और प्रेमा रावत ने भी प्रभावशाली स्पिन गेंदबाजी की है। इन तीनों स्पिनरों ने पूरे टूर्नामेंट में विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा है और फाइनल में उनकी भूमिका बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

भारत की तरह श्रीलंका ने भी फाइनल तक के अपने सफर में कोई मुकाबला नहीं गंवाया है, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है। चामारी अटापट्टू की कप्तानी वाली टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल में शानदार जुझारूपन दिखाया। 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, श्रीलंका ने शुरुआती विकेट गंवाने के बावजूद हर्षिता समरविक्रमा (36) और कविशा दिलहारी (33) के महत्वपूर्ण योगदान तथा निलाक्षिका सिल्वा और कौशिनी नुतियांगना की फिनिशिंग पारियों से जीत हासिल की। यह जीत उनके लड़ने की क्षमता और आत्मविश्वास को दर्शाती है।

यह फाइनल भारतीय टीम के लिए 2024 महिला एशिया कप फाइनल की कड़वी यादों को मिटाने का भी एक मौका है, जहां श्रीलंका ने भारत को आठ विकेट से हराकर खिताब जीता था। उस मैच में हर्षिता समरविक्रमा और चामारी अटापट्टू ने अर्धशतक लगाए थे। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली भारतीय टीम पिछली गलतियों को दोहराने से बचना चाहेगी और उस हार का हिसाब चुकता करने का प्रयास करेगी। हालांकि, फाइनल से पहले भारतीय टीम को अपनी मध्यक्रम की बल्लेबाजी और क्षेत्ररक्षण में सुधार करना होगा। शेफाली और स्मृति के अलावा अन्य बल्लेबाज अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल सके हैं, जो चिंता का विषय है।

क्षेत्ररक्षण में भी भारत ने ढिलाई दिखाई है। बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में चार कैच छोड़े गए, जिनमें प्रतिका रावल के दो कैच शामिल थे। इससे पहले पाकिस्तान और थाईलैंड के खिलाफ भी कुल मिलाकर पांच कैच टपकाए गए। इस तरह, भारतीय टीम ने चार मैचों में कुल नौ कैच छोड़े हैं। फाइनल जैसे दबाव वाले मुकाबले में यह बड़ी चुनौती बन सकती है, क्योंकि एक भी चूक महंगी पड़ सकती है। यह महिला एशिया कप फाइनल एक उच्च-दांव वाला मुकाबला होने वाला है, जहां दोनों टीमें अपनी श्रेष्ठता साबित करने के लिए पूरा जोर लगाएंगी।

भारतीय टीम

हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), भारती फुलमाली, ऋचा घोष (विकेटकीपर), गुनालन कमलिनी (विकेटकीपर), प्रतिका रावल, शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, क्रांति गौड़, प्रेमा रावत, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह ठाकुर, नंदनी शर्मा, श्री चरणी और राधा यादव।

श्रीलंका की टीम

चामारी अटापट्टू (कप्तान), हर्षिता समरविक्रमा (उपकप्तान), इमेशा दुलानी, विष्मी गुणरत्ने, कौशिनी एन (विकेटकीपर), संजना कविंदी, हसिनी परेरा, निलाक्षिका सिल्वा, कविशा दिलहारी, मिताली अयोध्या, काव्या कविंदी, सुगंधिका कुमारी, निमाशा मीपागे, चामुदी प्रबोधा और चेतना विमुक्ति।

अभिषेक को रैना ने लाल गेंद क्रिकेट खेलने की सलाह दी

नई दिल्ली। भारतीय टी20 टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से अपनी लय में नहीं दिखे हैं। उनकी बल्लेबाजी की जो चमक शुरुआत में नजर आयी थी वह अब नहीं दिख रही। निरंतरता की कमी से वे रैंकिंग में भी तीसरे स्थान पर खिसक गए हैं। इसी को देखते हुए पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने अभिषेक को सबक मिलने पर लाल गेंद क्रिकेट खेलने की सलाह दी है।

गौरतलब है कि अभिषेक ने अपने करियर में कुल 206 टी20 मैचों में 32.40 की औसत से 5995 रन बनाए हैं, लेकिन जब बात प्रथम श्रेणी क्रिकेट की आती है, तो उनके आंकड़े उतने प्रभावशाली नहीं हैं। उन्होंने अपना आखिरी फर्स्ट-क्लास मैच 2024 में खेला था और अब तक खेले केवल 24 मैचों में एक शतक और पांच अर्धशतक सहित 30.60 की औसत से 1071 रन ही बना सके हैं। ये बल्लेबाज पिछले डेढ़ साल से लाल गेंद के क्रिकेट से दूर रहा है, ऐसे में रैना की टेस्ट क्रिकेट खेलने की सलाह कई सवाल खड़े करती है।

एक शो में रैना ने कहा कि क्रिकेट की मांग बदल गई है और अब अलग-अलग प्रारूपों के लिए अलग-अलग टीमें बनाई जा रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आज की पीढ़ी टेस्ट क्रिकेट खेलने के लिए तैयार है, क्योंकि इसके लिए कड़ी मेहनत और समर्पण की आवश्यकता होती है। रैना ने सीधे तौर पर कहा, मुझे लगता है कि अभिषेक को टेस्ट खेलना चाहिए। उन्होंने कोचों द्वारा प्रतिभाओं को निखारने और मार्गदर्शन देने की भूमिका पर भी जोर दिया, साथ ही मानव सुथार जैसे युवा खिलाड़ियों का भी जिक्र किया कि क्या वे अगले रवींद्र जडेजा बन सकते हैं और तीनों प्रारूपों में खेलने के लिए तैयार हैं।

अभिषेक के लिए यह साल अब तक अच्छा नहीं रहा है। उन्होंने 23 टी20 मैचों की इतनी ही पारियों में सिर्फ 23.36 की औसत से 514 रन बनाए हैं, जिसमें 5 अर्धशतक शामिल हैं। अफगानिस्तान सीरीज में अब देखना है कि वह कैसा प्रदर्शन करते हैं।

टूट गया 112 साल पुराना रिकॉर्ड, ओली रॉबिन्सन ने पाकिस्तान टेस्ट में रचा इतिहास

नई दिल्ली। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिन्सन ने पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच में एक ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जो टेस्ट क्रिकेट में 100 साल से भी ज्यादा समय से कोई गेंदबाज नहीं कर पाया था। एडबस्टन में खेले जा रहे इस मुकाबले में रॉबिन्सन ने अपनी शानदार गेंदबाजी के साथ एक बेहद खास रिकॉर्ड क्लब में एंट्री कर ली है। रॉबिन्सन अब उन गेंदबाजों की विशिष्ट सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने कम से कम 20 टेस्ट मैच खेलने के बाद 19 से कम की प्रभावशाली गेंदबाजी औसत कायम रखा है। पाकिस्तान की पहली पारी में उन्होंने सिर्फ 15 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए, और इस प्रदर्शन के दौरान उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 विकेट भी पूरे किए।

रॉबिन्सन से पहले, यह दुर्लभ रिकॉर्ड केवल इंग्लैंड के ही दिग्गज गेंदबाज सिडनी बार्न्स के नाम था। बार्न्स ने 1914 में अपना आखिरी टेस्ट खेला था, और उनके बाद 112 साल तक कोई भी गेंदबाज 20 या उससे ज्यादा टेस्ट खेलने के बाद 19 से कम की गेंदबाजी औसत तक नहीं पहुंच सका था। अब रॉबिन्सन ने इस लंबे इंतजार को खत्म कर दिया है और अपना नाम क्रिकेट इतिहास के पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज करा लिया है। रॉबिन्सन ने तीसरे टेस्ट की पहली पारी में दो विकेट लेने के बाद अपने करियर में कुल 24 टेस्ट में 104 विकेट हासिल किए, और अपनी गेंदबाजी औसत को 18.86 तक पहुंचाकर इस खास क्लब में जगह बनाई। इस विशिष्ट क्लब में सिडनी बार्न्स के अलावा इंग्लैंड के शुरुआती दौर के कुछ अन्य दिग्गज गेंदबाज भी शामिल हैं। हालांकि, आधुनिक क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करना और भी कठिन माना जाता है। भारत के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी 20 से ज्यादा टेस्ट खेलने के बाद 20 से कम की औसत रखने वाले गेंदबाजों में शामिल हैं, जो दर्शाता है कि रॉबिन्सन कितने उच्च स्तर पर गेंदबाजी कर रहे हैं।

पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे टेस्ट में रॉबिन्सन ने पाकिस्तान की बल्लेबाजी को शुरुआत में ही जोरदार झटका दिया। उन्होंने सईम अयूब को आउट कर अपना 100वां टेस्ट विकेट पूरा किया और बाद में अब्दुल्ला शफीक का विकेट भी हासिल किया, जिससे पाकिस्तान की पूरी टीम पहली पारी में सिर्फ 133 रन पर सिमट गई। रॉबिन्सन के अलावा, जोश टंग और जोफ्रा आर्चर ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए पाकिस्तान को बड़े स्कोर तक पहुंचने से रोका। रॉबिन्सन के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के एक ऐसे रिकॉर्ड क्लब में जगह बनाई है, जिसमें पहुंचना बेहद मुश्किल रहा है।

रजाउल्लाह का मिला-जुला डेब्यू: चार विकेट के साथ महंगा रिकॉर्ड

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ एजबेस्टन टेस्ट में भले ही पाकिस्तान को हार का खतरा सता रहा हो, लेकिन इसी बीच युवा तेज गेंदबाज रजाउल्लाह ने अपने टेस्ट डेब्यू से सबका ध्यान खींचा है। इस इक्कीस वर्षीय गेंदबाज ने पहली ही टेस्ट पारी में चार विकेट झटककर अपनी तेज गेंदों से इंग्लिश बल्लेबाजों को परेशानी में डाला। हालांकि, उनकी गेंदबाजी का दूसरा पहलू भी सामने आया, जिसने पाकिस्तान टीम की चिंताएं बढ़ा दी है। रजाउल्लाह ने मैच की शुरुआत से ही अपनी रफ्तार का दम दिखाया। उन्होंने लगभग 137 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से अपनी पहली गेंद फेंकी और जल्द ही उनकी रफ्तार 145 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। उनकी गेंदों में तेजी के साथ-साथ शानदार स्विंग भी देखने को मिली, जिसने विरोधी बल्लेबाजों को चकित किया। डेब्यू कर रहे इस युवा तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट को पवेलियन भेजकर एक बड़ा विकेट अपने नाम किया और इसके बाद दो और अहम विकेट लेकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

लेकिन, इन चार विकेटों के बावजूद रजाउल्लाह ने एक ऐसा शर्मनाक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया, जिसने पाकिस्तानी खेमे की भौंहें चढ़ा दीं। वह इस पारी में पाकिस्तान की ओर से सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। उन्होंने अपने 23 ओवर के स्पेल में 148 रन खर्च किए, जिससे उनकी इकॉनमी रेट 6.43 रन प्रति ओवर रही। यह आंकड़ा इस बात का स्पष्ट संकेत था कि विकेट लेने के बावजूद वह इंग्लैंड के

बल्लेबाजों को खुलकर रन बनाने से रोकने में नाकाम रहे। आंकड़ों के अनुसार, कम से कम 20 ओवर गेंदबाजी करने वाले गेंदबाजों में रजाउल्लाह का इकॉनमी रेट सबसे खराब रहा। रजाउल्लाह के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि इंग्लैंड के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने भी उनके खिलाफ खुलकर बल्लेबाजी की और बड़े शॉट लगाए। लंबे स्पेल के दौरान उनकी रफ्तार और नियंत्रण में भी कुछ कमी देखने को मिली, जिसका फायदा उठाकर इंग्लिश बल्लेबाजों ने रनों का अंबार लगा दिया। आखिरकार, इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 453 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया और पाकिस्तान पर 320 रन की बड़ी बढ़त हासिल कर ली, जिससे मैच में उनकी स्थिति काफी मजबूत हो गई। हालांकि, रजाउल्लाह के आंकड़े पूरी तरह से खराब नहीं कहे जा सकते। अपने पहले ही टेस्ट में चार विकेट लेना किसी भी गेंदबाज के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, और उनकी रफ्तार तथा आक्रामक अंदाज में भविष्य के लिए काफी क्षमता नजर आती है। लेकिन, 148 रन खर्च करना यह भी बताता है कि उन्हें अभी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की कठोरता के हिसाब से खुद को और बेहतर करना होगा। पाकिस्तान के लिए उनका यह डेब्यू एक तरफ उम्मीद की किरण है, तो दूसरी तरफ गेंदबाजी विभाग में तत्काल सुधार की आवश्यकता भी दर्शाता है।

सेमीफाइनल में हार से टूट गईं पाकिस्तानी कप्तान सना फातिमा

दुबई। महिला टी20 एशिया कप के दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका ने पाकिस्तान को 4 विकेट से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। इस नॉकआउट मुकाबले में मिली हार के बाद पाकिस्तानी टीम की कप्तान फातिमा सना पूरी तरह टूट गईं और मैदान पर ही फफक-फफक कर रोने लगीं। उनकी रोते हुए वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें उनकी निराशा और हार का दर्द साफ झलक रहा है।

दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए इस दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 130 रन का स्कोर खड़ा किया। पाकिस्तान के इस सम्मानजनक स्कोर के जवाब में श्रीलंकाई टीम ने 8 गेंद बाकी रहते 6 विकेट गंवाकर 134 रन बनाए और मैच अपने नाम कर लिया। इस रोमांचक जीत के साथ ही श्रीलंकाई टीम ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, जहां अब रविवार को उनका मुकाबला भारतीय टीम से होगा।

श्रीलंका के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में फातिमा सना ने पाकिस्तान के लिए हरफनमौला प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी में उन्होंने अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा 47 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली, जिसके लिए उन्होंने 36 गेंदों का सामना किया। इस पारी में 4 चौके और 2 शानदार छक्के भी शामिल थे, जिसकी बदौलत ही पाकिस्तानी टीम किसी तरह 130 रन के स्कोर तक पहुंचने में सफल रही। सिर्फ बल्लेबाजी में ही नहीं, सना ने गेंदबाजी में भी कमाल का खेल दिखाया।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम के फाइनल में

नई दिल्ली। जर्मनी के अनुभवी टेनिस खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव यूएस ओपन 2026 के फाइनल में पहुंच गए हैं, जहाँ उनका सामना अब अमेरिका के युवा सनसनी बेन शेल्टन से होगा। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में रूस के करेन खाचानोव को एक कड़ी टक्कर में 6-3, 7-6 (7), 7-6 (6) से हराकर यह उपलब्धि हासिल की। वहीं, बेन शेल्टन ने 11वें नंबर के फ्रांसिस टियाफो को हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई है। शेल्टन के फाइनल में पहुंचने के साथ, साल 2003 के बाद पहली बार कोई अमेरिकी खिलाड़ी यूएस ओपन के पुरुष एकल फाइनल में प्रवेश किया है। बेन शेल्टन पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के फाइनल में पहुंचे हैं और उनके पास अब मौका है कि वह फाइनल में ज्वेरेव को हराकर 2003 के बाद यूएस ओपन का खिताब जीतने वाले दूसरे अमेरिकी खिलाड़ी बनें। आखिरी बार 2003 में एंडी रोडिक ने अमेरिका के लिए यूएस ओपन में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता था। दूसरी ओर, अलेक्जेंडर ज्वेरेव लगातार तीसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचे हैं, जो उनकी शानदार फॉर्म को दर्शाता है। फाइनल में पहुंचने के बाद ज्वेरेव ने आत्मविश्वास से कहा, उम्मीद है कि मैं रविवार को अमेरिकी सपने को सच नहीं होने दूंगा।

ज्वेरेव पर लंबे समय तक ग्रैंड स्लैम खिताब के बिना सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी होने का अनचाहा ठप्पा लगा रहा था। हालांकि, उन्होंने इसी साल फ्रेंच ओपन के खिताब जीतकर अपना पहला मेजर खिताब जीता और इस ठप्पे को हटा दिया। पेरिस में जीत के बाद, ज्वेरेव विंबलडन के फाइनल में भी पहुंचे थे, लेकिन वहां उन्हें जैनिक सिनर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। अब कुछ महीनों बाद ही यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचकर ज्वेरेव एक और मेजर खिताब जीतने के बेहद करीब पहुंच गए हैं। ज्वेरेव आखिरी बार साल 2020 में यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन पहले दो सेट जीतने के बाद भी उन्हें डोमिनिक थीम के खिलाफ उलटफेर का शिकार होना पड़ा था। यही कारण है कि ज्वेरेव के लिए यह यूएस ओपन फाइनल बहुत ज्यादा मायने रखता है, क्योंकि वह अपने पुराने अधूरे सपनों को पूरा करना चाहेंगे।

हम किसी भी टीम को हरा सकते हैं - चमारी अथापट्टू

श्रीलंकाई कप्तान का एशिया कप फाइनल से पहले बड़ा बयान

दुबई नई दिल्ली (ईएमएस)। महिला एशिया कप 2026 का फाइनल 13 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में भारत और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। इस खिताबी मुकाबले से पहले श्रीलंकाई टीम की कप्तान चमारी अथापट्टू ने एक बड़ा बयान देते हुए कहा है कि उनकी टीम में इतनी क्षमता और गहराई है कि वे किसी भी विरोधी टीम को हरा सकती हैं। अथापट्टू का यह बयान सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ दबाव की स्थिति से शानदार जीत दर्ज करने के बाद आया, जिससे उनकी टीम का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है। उन्होंने अपनी टीम के युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से विशेष रूप से प्रभावित होकर कहा कि टीम की ताकत उन युवा प्रतिभाओं में निहित है जो परिस्थितियों के अनुसार जिम्मेदारी उठाने में सक्षम हैं। कप्तान चमारी अथापट्टू ने अपनी टीम की सराहना करते हुए कहा, हमारे पास हर्षिता, नीलाक्षिका, कविशा जैसे बेहतरीन फिनिशर हैं, जो लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। हमारी गेंदबाजी यूनिट भी शानदार लय में है। उन्होंने आगे कहा कि अगर उनकी टीम फाइनल में अपनी रणनीति को सफलतापूर्वक लागू कर पाती है, तो वे निश्चित रूप से किसी भी प्रतिद्वंद्वी टीम को मात दे सकती हैं। सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही विभागों में श्रीलंकाई टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया, हालांकि कप्तान ने फील्डिंग के दौरान कुछ छूटे हुए कैच पर चिंता व्यक्त की और कहा कि उन्हें क्षेत्ररक्षण में सुधार करने की आवश्यकता है। शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 130 रन बनाए थे, जिसमें कप्तान फातिमा सना ने सर्वाधिक 47 रन का योगदान दिया। 131 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत अच्छी नहीं रही, जिसने 5 रन पर 2 और 33 रन पर 4 विकेट गंवा दिए।

अफ़ग़ानिस्तान सीरीज़ से पहले टीम इंडिया को बड़ी राहत

नई दिल्ली। टीम इंडिया के सबसे घातक तेज़ गेंदबाज़ जसप्रीत बुमराह ने अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ़ आगामी टी20 सीरीज़ से पहले अपनी पूर्ण फ़िटनेस का ज़ोरदार प्रदर्शन किया है। दिल्ली के अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में अभ्यास सत्र के दौरान बुमराह पूरी रफ़्तार और लय में गेंदबाज़ी करते हुए दिखाई दिए, जिससे भारतीय टीम प्रबंधन और प्रशंसकों को बड़ी राहत मिली है। 13 सितंबर से शुरू होने वाली इस महत्वपूर्ण सीरीज़ के लिए टीम इंडिया ज़ोरदार पसीना बहा रही है, और बुमराह का यह प्रदर्शन टीम के लिए बेहद शुभ संकेत है। बुमराह, जो इंग्लैंड दौरे के बाद चोटिल हो गए थे और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में अपनी रिकवरी पर काम कर रहे थे, ने अपनी वापसी का ऐलान अपने पहले ही नेट सत्र में कर दिया। उन्होंने पूरे रन-अप के साथ गेंदबाज़ी की, जहाँ उनकी गेंदों में शानदार गति, धार और नियंत्रित लाइन-लेंथ स्पष्ट रूप से दिखाई दी। उन्होंने श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन जैसे अनुभवी बल्लेबाज़ों के साथ-साथ युवा वैभव सूर्यवंशी को भी अपनी तेज़ गेंदों से ख़ूब परेशान किया। उनकी गेंदें बल्लेबाज़ों को लगातार दबाव में रखती नज़र आईं, जो यह दर्शाता है कि बुमराह अपनी पुरानी लय में लौट चुके हैं।

इस अभ्यास सत्र का सबसे दिलचस्प पल जसप्रीत बुमराह और युवा वैभव सूर्यवंशी के बीच का मुकाबला था। जहां वैभव अन्य गेंदबाज़ों, जैसे शिवम दुबे और अर्शदीप सिंह, के ख़िलाफ़ काफ़ी सहजता से अपने शॉट्स खेल रहे थे, वहीं बुमराह के सामने उनकी कहानी बिल्कुल बदल गई। बुमराह ने युवा बल्लेबाज़ की कड़ी परीक्षा ली, कभी अपनी सटीक लाइन-लेंथ से उन्हें उलझाया तो कभी अपनी घातक यॉर्कर से उनकी परीक्षा ली। वैभव बुमराह के सामने उतने सहज नहीं दिखे, जितना वे बाकी गेंदबाज़ों के सामने थे, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर की तेज़ गेंदबाज़ी का सामना करने की चुनौती को दर्शाता है। यह मुकाबला एक तरफ़ टीम इंडिया के सबसे अनुभवी और ख़तरनाक तेज़ गेंदबाज़ को दिखा रहा था, तो दूसरी तरफ़ एक युवा खिलाड़ी को, जिसे बुमराह ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर की तेज़ गेंदबाज़ी का सामना करना कितना बड़ा इम्तिहान हो सकता है।

हालांकि, टीम इंडिया के लिए अच्छी ख़बर केवल बुमराह की फ़िटनेस तक ही सीमित नहीं है। युवा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी भी अपनी पूरी रफ़्तार में गेंदबाज़ी करते हुए दिखे। नितीश ने पूरे रन-अप के साथ गेंदबाज़ी की और ख़ास तौर पर ईशान किशन को उन्होंने कई शॉर्ट गेंदें फेंकी। जिस पेस और इंटेंसिटी के साथ नितीश गेंदबाज़ी कर रहे थे, उसे देखकर यही लगा कि वह भी अपनी फ़िटनेस हासिल कर चुके हैं और मुकाबले के लिए तैयार नज़र आ रहे हैं। पहले से ही फ़िट घोषित किए गए वाशिंगटन सुंदर के अलावा, टीम में शामिल किए गए यश ठाकुर ने भी अभ्यास सत्र में अपनी अच्छी गति से सबको प्रभावित किया। इसका मतलब है कि गेंदबाज़ी विभाग में अब टीम इंडिया के सामने फ़िटनेस की समस्या कम और प्लेइंग इलेवन के चयन की चुनौती ज़्यादा है। अगर जसप्रीत बुमराह पूरी तरह फ़िट हैं, तो उनका प्लेइंग इलेवन में स्थान लगभग तय माना जा रहा है।

डेब्यू में जड़े 9 छक्के, रजाउल्लाह ने की साउदी के ऐतिहासिक रिकॉर्ड की बराबरी

नई दिल्ली। इंग्लैंड दौरे पर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में पाकिस्तान पर क्लीन स्वीप का खतरा मंडरा रहा है। तीसरे और आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान ने इंग्लैंड के सामने सिर्फ 130 रनों का टारगेट दिया है। इस मैच में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था, जिसके बाद पाकिस्तान की टीम पहली पारी में सिर्फ 133 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में इंग्लैंड ने 453 रन बनाए और 320 रनों की विशाल बढ़त हासिल की। हालांकि, पहली पारी में लड़खड़ाने के बाद पाकिस्तान ने अपनी दूसरी पारी में दमदार वापसी करते हुए 449 रन बनाए और इंग्लैंड के सामने 129 रनों की लीड हासिल की।

पाकिस्तान को उसकी दूसरी पारी में इस सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाने में डेब्यूटेंट रजाउल्लाह खान की अहम भूमिका रही। रजाउल्लाह खान ने 9वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए धुआंधार अंदाज में 63 गेंदों में 81 रनों की विस्फोटक पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 9 छक्के और 4 चौके भी लगाए। इसके साथ ही रजाउल्लाह ने न्यूजीलैंड के टिम साउदी के 18 साल पुराने महारिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली है। साउदी ने भी 2008 में इंग्लैंड के खिलाफ 9वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए डेब्यू टेस्ट में 9 छक्के लगाए थे। टेस्ट क्रिकेट में 9वें नंबर पर किसी भी बल्लेबाज द्वारा डेब्यू पर लगाए गए यह सबसे ज्यादा छक्के हैं। बल्लेबाजी के अलावा, उन्होंने गेंदबाजी में भी 4 विकेट लिए, जिसमें इंग्लैंड के प्रमुख बल्लेबाज जो रूट का विकेट भी शामिल रहा। इस तरह रजाउल्लाह खान अपने डेब्यू मैच में पूरी तरह छा गए।

21 साल के रजाउल्लाह खान एक राइट-आर्म मीडियम पेसर ऑलराउंडर हैं और पेशावर के रहने वाले हैं। उन्हें पिछले साल ही पाकिस्तान के घरेलू क्रिकेट में खेलने का मौका मिला था। लॉर्ड्स टेस्ट के बाद पाकिस्तानी टीम से 7 खिलाड़ियों को अचानक बाहर किए जाने के बाद रजाउल्लाह को नेशनल टीम में शामिल किया गया था। दिलचस्प बात यह है कि जब रजाउल्लाह को पाकिस्तान की टीम में शामिल किया गया, तो उन्हें इसकी जानकारी तक नहीं थी। यहां तक कि रजाउल्लाह के पास पासपोर्ट भी नहीं था। जब उन्हें पासपोर्ट के लिए फोन किया गया, तो उनका फोन भी बंद था। ऐसे में उनके कोच से संपर्क किया गया, और जैसे-तैसे कोच की रजाउल्लाह से बात हुई। कोच ने जब रजाउल्लाह से संपर्क किया, तो वह खैबर पख्तूनख्वा के पहाड़ों में थे। उसके बाद वह आनन-फानन वहां से अपने पासपोर्ट और यूके वीजा के लिए बायोमेट्रिक कराने आए और इंग्लैंड के लिए रवाना हुए, जिसके बाद उन्होंने अपने डेब्यू पर यह ऐतिहासिक प्रदर्शन किया।

जाली नोट कांड- 11 हजार का ड्राइवर निकला 5 मकानों का मालिक!

पीएनबी के 17 करोड़ के जाली नोट कांड में चौंकाने वाला खुलासा

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के करेंसी चेस्ट से बरामद हुए 17.29 करोड़ रुपए के जाली नोटों की जांच में एक बेहद चौंकाने वाला मोड़ आया है। इस बहुचर्चित मामले में बैंक का एक संविदा कर्मचारी, जो मात्र 11,000 रुपए महीने की तनख्वाह पर बतौर ड्राइवर-लोडर काम करता था, अब जांच के केंद्र में आ गया है। जांच एजेंसियों को संदेह है कि करेंसी चेस्ट के निलंबित मैनेजर अमित कुमार और इस संविदा कर्मचारी के बीच की साठगांठ से ही असली भारतीय मुद्रा को जाली नोटों से बदला गया। अमित कुमार को हाल ही में चंडीगढ़ से गिरफ्तार किया जा चुका है।

सहारनपुर पुलिस और राष्ट्रीय जांच एजेंसी की संयुक्त जांच के दौरान इस संविदा कर्मचारी की आय और उसकी बेहिसाब संपत्तियों के बीच भारी अंतर देखने को मिला है। शुरुआती जांच के मुताबिक, यह संविदा कर्मचारी कथित तौर पर 5 मकानों, एक महंगी एसयूवी गाड़ी, एक सेडान कार और दो मोटरसाइकिलों का वास्तविक मालिक माना जा रहा है। अपनी 11,000 रुपए की मासिक तनख्वाह के बावजूद, आरोपी कर्मचारी खुद गाड़ी चलाने के बजाय 500 रुपए रोज की दिहाड़ी पर अपना निजी ड्राइवर रखता था, जो उसकी आय के स्रोत पर गंभीर सवाल खड़े करता है। पुलिस टीम ने उसके जनकपुरी/मानकमऊ स्थित आवास पर छापेमारी कर जमीन-जायदाद के दस्तावेज, बैंक खाते और वाहन पंजीकरण कागजात जब्त किए हैं, जो उसकी अघोषित संपत्ति का सबूत हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, बैंक करेंसी चेस्ट एक

बेहद सुरक्षित और संवेदनशील क्षेत्र होता है, जहां आम कर्मचारियों का प्रवेश कड़ाई से प्रतिबंधित रहता है। कागजों में इस संविदा कर्मचारी का काम सिर्फ कैश वैन को ड्राइव करना और लोडिंग-अनलोडिंग करना था। लेकिन जांच में यह सामने आया है कि वह करेंसी चेस्ट के भीतर मैनेजर अमित कुमार के पर्सनल असिस्टेंट (पीए) की तरह काम करता था और उसका मुख्य चेस्ट एरिया में अबाध प्रवेश था। जांच एजेंसियां अब इस बात का पता लगा रही हैं कि क्या चेस्ट के भीतर असली नोटों के बंडलों से पैसे निकालकर उनकी जगह पर जाली नोट सेट कर दिए गए और क्या असली कैश को ठिकाने लगाने में इस लोडर की अहम भूमिका थी। एनआईए इस पहलू पर भी विचार कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में 500 रुपए के उच्च गुणवत्ता वाले जाली नोट कहां से आए। यह सिंडिकेट क्या कोई विदेशी या नेपाल सीमा से जुड़ा नेटवर्क संचालित कर रहा था, इसकी पड़ताल की जा रही है। एनआईए और आरबीआई की संयुक्त ऑडिट टीम इस बात की भी गहन पड़ताल कर रही है कि करेंसी चेस्ट में रखे जाली नोटों में से कोई हिस्सा पहले ही विभिन्न बैंक शाखाओं, एटीएम या बाजार में तो नहीं पहुंच गया, जिससे अर्थव्यवस्था को बड़ा नुकसान हो सकता था।

मराठा आरक्षण : गणपति के बीच मुंबई कूच करेंगे जरांगे

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर सडक़ से मुंबई तक पहुंचने वाला है। मराठा आरक्षण आंदोलन के प्रमुख कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने 19 सितंबर से मुंबई के आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया है। इससे पहले 15 सितंबर से उनके समर्थक मुंबई की ओर मार्च करेंगे। खास बात यह है कि आंदोलन ऐसे समय में मुंबई पहुंचेगा, जब 14 से 25 सितंबर तक गणपति उत्सव चलेगा। ऐसे में सरकार के सामने आंदोलन को संभालने के साथ-साथ शहर में कानून-व्यवस्था और यातायात बनाए रखने की भी चुनौती होगी।

जरांगे ने शनिवार को जालना के अंतरवाली सराटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर आंदोलन की रणनीति का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि मराठा समाज को आरक्षण मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा और इस बार लड़ाई को मुंबई तक ले जाया जाएगा। हालांकि, उन्होंने समर्थकों से साफ तौर पर शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन करने की अपील की है।

जरांगे के मुताबिक प्रदर्शनकारी 15 सितंबर को बीड के पाटोदा से मुंबई के लिए मार्च शुरू करेंगे। इसके बाद अलग-अलग स्थानों पर पड़ाव होगा। प्रस्तावित कार्यक्रम के मुताबिक 16 सितंबर को अहिल्यानगर जिले के श्रीगोंदा, 17 सितंबर को पुणे जिले के हडपसर और 18 सितंबर को रायगढ़ जिले के खोपोली में प्रदर्शनकारी रुकेंगे। इसके बाद नवी मुंबई के खारघरखैराने में पड़ाव होगा और फिर मुंबई की तरफ बढ़ेंगे। जरांगे ने दावा किया कि प्रदर्शनकारी रोजाना करीब 100 किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। 19 सितंबर की सुबह 10 बजे आजाद मैदान में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करने की योजना है।

बैरिकेड मिले तो रास्ते में बैठने का निर्देश

आंदोलन को लेकर जरांगे ने समर्थकों को कई निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के दौरान किसी तरह की हिंसा नहीं होनी चाहिए। पत्थरबाजी और आगजनी से पूरी तरह दूर रहने की अपील की गई है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से वाहनों को सावधानी से चलाने और नियमों का पालन करने को कहा। जरांगे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से भी अपील की कि मुंबई जाने वाले प्रदर्शनकारियों के रास्ते में बाधा न डाली जाए। जरांगे ने कहा कि अगर पुलिस बैरिकेड लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोकती है तो वे वहीं सडक़ पर बैठ जाएं, लेकिन बैरिकेड को हाथ न लगाएं। इसके बाद वैकल्पिक रास्ते से आंदोलन स्थल तक पहुंचने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों को रोकने की स्थिति में इसकी जिम्मेदारी मुख्यमंत्री की होगी।

नंदीग्राम उपचुनाव में ममता बनर्जी को बागी टीएमसी गुट का ऑफर, बोले- आप लड़िए, हम उम्मीदवार नहीं उतारेंगे

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजनीति में तृणमूल कांग्रेस के भीतर जारी सियासी घमासान के बीच नंदीग्राम उपचुनाव को लेकर नया मोड़ आ गया है। पार्टी के बागी गुट ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को नंदीग्राम से चुनाव लड़ने की चुनौती देते हुए बड़ा प्रस्ताव दिया है। बागी गुट का कहना है कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम से चुनाव लड़ती हैं, तो वह उनके खिलाफ अपना उम्मीदवार नहीं उतारेगा।

यह प्रस्ताव ऐसे समय आया है जब तृणमूल कांग्रेस के नाम और चुनाव चिह्न को लेकर ममता बनर्जी और ऋब्रत बनर्जी के नेतृत्व वाले गुट के बीच चुनाव आयोग में विवाद चल रहा है। दोनों पक्ष पार्टी के नाम और 'जोड़ाफूल' चुनाव चिह्न पर अपना दावा कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने दोनों गुटों की दलीलें सुनी हैं और बागी गुट से अतिरिक्त दस्तावेज भी मांगे हैं।

बागी गुट के प्रवक्ता रिजु दत्ता ने कहा है कि ममता बनर्जी अगर नंदीग्राम से मैदान में उतरती हैं, तो उनके खिलाफ उम्मीदवार नहीं उतारने का फैसला किया जाएगा। गुट का दावा है कि इसका मकसद विपक्षी वोटों के बंटवारे को रोकना है। साथ ही बागी खेमे ने खुद को बीजेपी की 'बी-टीम' बताए जाने के आरोपों को खारिज किया है।

नंदीग्राम सीट पश्चिम बंगाल की राजनीति में बेहद महत्वपूर्ण मानी जाती है। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को इसी सीट पर शुभेंदु अधिकारी ने हराया था। बाद में 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद शुभेंदु अधिकारी के दूसरी सीट बनाए रखने के फैसले से नंदीग्राम सीट खाली हुई और यहां उपचुनाव की स्थिति बनी।

अब इस सीट पर मुकाबला और दिलचस्प हो गया है। कांग्रेस ने भी नंदीग्राम से मिलन प्रधान को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया है। उपचुनाव के लिए मतदान 6 अक्टूबर को होना है, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 16 सितंबर है।

टीबी खत्म करने के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में तेज कार्रवाई का संकल्प, डब्ल्यूएचओ ने बनाई नई रणनीति

नई दिल्ली । विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र के सदस्य देशों ने तपेदिक यानी टीबी को खत्म करने के लिए अधिक मजबूत और एकीकृत कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई है। 9 सितंबर 2026 को तिमोर-लेस्ते में हुई डब्ल्यूएचओ दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय समिति की बैठक में टीबी की जल्द पहचान, बेहतर इलाज, रोकथाम और मरीजों के परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने पर जोर दिया गया।

दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र दुनिया की करीब एक चौथाई आबादी का घर है, लेकिन वर्ष 2024 में दुनिया के नए टीबी मामलों में लगभग 34 प्रतिशत मामले इसी क्षेत्र से सामने आए। अनुमान के मुताबिक, इस दौरान क्षेत्र में करीब 36.8 लाख नए टीबी मामले और 4.33 लाख मौतें हुईं। वहीं लगभग 1.5 लाख लोग बहु-दवा प्रतिरोधी और रिफैम्पिसिन-प्रतिरोधी टीबी से प्रभावित हुए। बैठक में देशों ने नियमित स्वास्थ्य सेवाओं के जरिए टीबी की जल्द पहचान, व्यवस्थित जांच और ज्यादा जोखिम वाले तथा वंचित समूहों में सक्रिय रूप से मरीजों की तलाश बढ़ाने पर सहमति जताई। डब्ल्यूएचओ द्वारा सुझाई गई तेज जांच तकनीकों, आणविक जांच और जरूरत के अनुसार डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

टीबी से बचाव के लिए संक्रमित मरीजों के संपर्क में आने वाले लोगों और अन्य जोखिम वाले लोगों को निवारक उपचार उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। साथ ही कुपोषण, मधुमेह और तंबाकू सेवन जैसे टीबी के प्रमुख जोखिम कारकों पर भी कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र ने 2015 के बाद टीबी के खिलाफ प्रगति की है। उपचार कवरेज 85 प्रतिशत से अधिक हो चुका है, टीबी के नए मामलों की दर में 16 प्रतिशत और मौतों में 23 प्रतिशत की कमी आई है। हालांकि, 2030 तक टीबी मामलों में 80 प्रतिशत और मौतों में 90 प्रतिशत कमी के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मौजूदा प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। टीबी का आर्थिक बोझ भी बड़ी चुनौती है। क्षेत्र में टीबी से प्रभावित करीब 44 प्रतिशत परिवारों को विनाशकारी स्वास्थ्य खर्च का सामना करना पड़ता है। दवा-प्रतिरोधी टीबी से प्रभावित परिवारों में यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक है। वर्ष 2024 में क्षेत्रीय टीबी कार्यक्रमों के लिए करीब 90 करोड़ अमेरिकी डॉलर उपलब्ध थे, जबकि अनुमानित जरूरत लगभग 3 अरब अमेरिकी डॉलर थी। डब्ल्यूएचओ ने यह भी कहा है कि 2028 से टीबी का टीका उपलब्ध होने पर मौजूदा उपायों के साथ इसका इस्तेमाल वर्ष 2030 तक करीब 14.5 लाख नए टीबी मामलों और 3 लाख मौतों को रोकने में मदद कर सकता है। सदस्य देशों ने टीबी सेवाओं को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जोड़ने, घरेलू वित्त पोषण बढ़ाने, सीमा पार मरीजों की देखभाल और दक्षिण-दक्षिण सहयोग मजबूत करने पर भी सहमति जताई। लक्ष्य स्पष्ट है—2030 तक टीबी को खत्म करने की दिशा में क्षेत्रीय कार्रवाई को तेज करना और किसी भी मरीज को इलाज से वंचित न रहने देना।

सवालों में उलझ गया दीपके का दौरा

बैहर-बिरसा में पीड़ित परिवारों से मुलाकात, विरोध और कथित व्यवधान के आरोपों के बीच दिनभर गरमाया माहौल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बैहर और बिरसा क्षेत्र में आदिवासी बच्चों की मौत का मामला अब सिर्फ प्रशासनिक सवाल नहीं रह गया है, बल्कि इसके राजनीतिक और सामाजिक असर भी दिखाई देने लगे हैं। इसी मुद्दे की जमीनी हकीकत जानने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रमुख अभिजीत दीपके 12 सितंबर की सुबह करीब 9 बजे बालाघाट पहुंचे। उनके पहुंचने से पहले उनकी टीम प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर लौट चुकी थी। इसके बाद दीपके स्वयं प्रभावित इलाकों में जाकर मृत बच्चों के परिजनों से मिलने और पूरे मामले की वास्तविक स्थिति जानने के लिए प्रभावितों के घर पहुचे ।

बालाघाट पहुंचने के बाद पद्मेश न्यूज़ से चर्चा में दीपके ने साफ कहा कि उनका दौरा महज खानापूर्ति के लिए नहीं है। वे उन गांवों तक जाएंगे, जहां बच्चों की मौत हुई है और पीड़ित परिवारों से सीधे मुलाकात कर उनकी पीड़ा और क्षेत्र की वास्तविक स्थिति समझेंगे। उन्होंने बच्चों की मौत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग उठाते हुए कहा कि केवल तबादले और प्रशासनिक फेरबदल से इतनी गंभीर घटना का अध्याय बंद नहीं किया जा सकता। जिम्मेदार अधिकारियों पर ठोस कार्रवाई होनी चाहिए। इसी बीच दीपके के प्रभावित क्षेत्रों के दौरे ने उस समय नया मोड़ ले लिया, जब गांवों में कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर उनके पहुंचने से पहले ही मौजूद दिखाई दिए। जैसे ही दीपके प्रभावित क्षेत्र में पहुंचे, उनसे सवालों की बौछार शुरू हो गई। सबसे बड़ा सवाल यही था कि बच्चों की मौत का मामला सामने आने के इतने दिनों बाद वे अब क्यों पहुंचे? लगातार सवालों और कथित विरोध के चलते मौके का माहौल गर्माता नजर आया। दीपके ने भी सवालों से बचने के बजाय बातचीत का रुख पलटते हुए सीधे पूछा कि आखिर लगातार हो रही बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन है? हालांकि मौके पर इस सवाल का कोई स्पष्ट जवाब सामने नहीं आया, लेकिन आरोप-प्रत्यारोप के बीच उनके दौरे में व्यवधान की स्थिति जरूर बन गई। उनके साथ मौजूद समर्थकों और बालाघाट से पहुंचे आदिवासी समाज के युवाओं ने आरोप लगाया कि कुछ लोगों ने उनकी गाड़ियों के सामने तक अपने वाहन खड़े कर दिए, जिससे दौरे को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। तमाम व्यवधान के बावजूद दीपके कुछ प्रभावित गांवों तक पहुंचे और मृत बच्चों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने परिवारों से बच्चों की मौत, क्षेत्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और कुपोषण की स्थिति को लेकर जानकारी ली। पीड़ित परिवारों से बातचीत के दौरान उन्होंने मामले को लेकर आगे भी आवाज उठाने और जिम्मेदारों की जवाबदेही तय कराने की बात कही। इस पूरे घटनाक्रम के बीच एक और सवाल खड़ा हो गया कि आखिर दीपके के दौरे के दौरान इतना तनाव क्यों पैदा हुआ? दीपके पहले ही सोशल मीडिया पर आरोप लगा चुके थे कि उनके समर्थकों को पुलिस द्वारा उठाया जा रहा है और बालाघाट आने की सूचना देने वाले लोगों को भी पुलिस तलब कर रही है। बालाघाट पहुंचने के बाद उन्होंने एक बार फिर समर्थकों पर कथित पुलिस दबाव का मुद्दा उठाया और कहा कि अनावश्यक दबाव बनाया गया तो वे पीछे नहीं हटेंगे। दौरे के दौरान पैदा हुए विवाद और कथित व्यवधान का असर दीपके के मीडिया कार्यक्रम पर भी दिखाई दिया। उन्हें देर शाम बालाघाट में मीडिया से चर्चा और प्रेसवार्ता करनी थी, लेकिन दिनभर के घटनाक्रम के बाद उन्होंने मीडिया से दूरी बनाए रखी। देर शाम तक पत्रकार उनकी प्रेसवार्ता का इंतजार करते रहे, लेकिन अंततः दीपके रात करीब 8=30 से 9 बजे के बीच बालाघाट से नागपुर के लिए रवाना हो गए। उधर, उनके आगमन और कार्यक्रम को लेकर पुलिस की अलग-अलग एजेंसियों तथा पुलिसकर्मियों की सक्रियता भी शहर में दिखाई दी। वहीं कुछ भोपाल से आए सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भी दीपके की मौजूदगी को लेकर सक्रिय नजर आए। इससे पूरे घटनाक्रम को लेकर शहर में तरह-तरह की चर्चाएं तेज हो गईं। सोशल मीडिया और व्हाट्सएप ग्रुपों में भी दिनभर इस घटनाक्रम को लेकर बहस चलती रही। कुछ लोगों ने घटनाक्रम को बालाघाट के मीडिया से जोड़कर सवाल उठाए, लेकिन देर शाम तक सामने आए घटनाक्रम में ऐसा कोई स्पष्ट तथ्य सामने नहीं आया कि बालाघाट के स्थानीय मीडिया कर्मियों ने अभिजीत दीपके के दौरे को प्रभावित किया हो। यानि जिस दौरे को बच्चों की मौत के सवाल पर प्रशासन से जवाब मांगने के लिए शुरू किया गया था, वह दिन खत्म होते-होते खुद ही सवालों, आरोपों और कथित व्यवधानों के घेरे में आ गया। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आदिवासी बच्चों की मौत के मूल मुद्दे पर राजनीतिक और प्रशासनिक जवाबदेही तय होगी या फिर पूरा मामला दौरे के दौरान हुए विवाद, आरोप-प्रत्यारोप और सोशल मीडिया की बहस में ही उलझकर रह जाएगा?

पत्रकारिता या अपमान... ?
v/s
आपदा में अवसर... ?

उमेश बागरेचा।

त्वरित टिप्पणी

बालाघाट के पत्रकारों की ऐसी संस्कृति कभी नहीं रहीं है, जैसी कि पिछले कुछ दिनो से बाहरी पत्रकारों या सोशल इंफ्लूएंसरो की हरकतों में देखा जा रहा है जिसमें वे चीखना-चिल्लाना करते हुए प्रश्नों की इकतरफा झड़ी लगाकर सामने वाले पक्ष को अपमानित करने का कार्य कर रहे है। पिछले एक पखवाड़े से इन पत्रकारों ने जिले को अपनी स्वार्थसिध्दी का माध्यम बनाया हुआ है। बकायदा इसके लिये इन्होंने बैक के खाते का स्केनर भी सोशल मीडिया मे जारी किया हुआ है जिसमें बताया जाता है कि अच्छी खासी बड़ी राशि भी एकत्र की गई है। इन तथाकथित स्वनामधन्य पत्रकारो के कारण बालाघाट में शांतिपूर्वक कार्य करने के आदि पत्रकारों के साथ साथ बालाघाट की छवि भी धूमिल हो रही है। काकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके से आज इन तथाकथित स्वनामधन्य पत्रकारों ने अपमानजनक शब्दों के साथ-साथ ही चीखा-चिल्ली भी की है उनकी इस हरकत ने बालाघाट में पत्रकारिता के नाम को कलंकित किया है। ये तथाकथित पत्रकार दीपके के आगमन को लेकर कह रहे थे कि लाशों पर राजनीति करने आ गये है, फिर भी दीपके ने शांतिपूर्वक जवाब देते हुए देरी से आने के लिए मॉफी की बात की। कुछ इसी तरह से एक वाक्यें का सामना नवागत कलेक्टर कुमार सत्यम को भी पिछले दिनों करना पड़ा था जब इन्ही की तरह ही बाहर से आए हुए तथाकथित इंफ्लुएंसरों एवं पत्रकारों ने कलेक्टर की घेराबंदी कर चीखा-चील्ली करते हुए उन्हें अपमानित करने का प्रयास किया था। बैहर में घटित हुई लगभग 3 दर्जन बच्चों की असामायिक मौतें एक संवेदनशील मामला है, इसमें मृतक बच्चों के परिवारों के प्रति सहानुभूति रखते हुए सामुहिक प्रयास यह होना चाहिए कि वहां के हालात जल्द से जल्द काबू में आ जाए,ताकि भविष्य में इन मौतों पर विराम लग सके। 1बच्चों की मौतों पर राजनीति करना या आपदा में अवसर ढूंढना किसी भी पक्ष के लिये ठीक नहीं है। लेकिन जो घटना घटित हुई है, ऐसी घटना दोबारा ना हो इसके लिये सवाल-जवाब लोकतंत्र में होते हैं। राजनैतिक दलों का काम है सत्ता से सवाल करना वैसे ही पत्रकारों का भी काम है सत्ता से सवाल करना, लेकिन सवालों में शालीनता होनी चाहिए, ना तो चीखा-चिल्ली होनी चाहिए और ना ही अपमानजनक भाषा का प्रयोग होना चाहिए। यहां एक सवाल यह भी है कि बाहर से आए इन तथाकथित पत्रकारों एवं सोशल इंफ्लुएंसरों का प्रायोजक कौन है और इन्हें किस पक्ष का संरक्षण प्राप्त है, जिसने इन्हे बालाघाट में लाकर बालाघाट एवं बालाघाट के पत्रकारों की छवि धूमिल करने हेतु छोड़ा गया है?

यात्री बस की चपेट में आई मोटरसाइकिल- युवक गंभीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम में निकुम बासिंगखार रोड पर शनिवार को एक यात्री बस ने मोटरसाइकिल को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को पहले बैहर अस्पताल ले जाया गयाजहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।घायल युवक राजू पिता गर्जनसिंह मरकाम 35 वर्ष ग्राम भीमलाट थाना मलाजखंड निवासी है। जिसका उपचार जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राजू मरकाम अपने परिवार के साथ खेती किसानी का कार्य करता है। 12 सितंबर की सुबह वह मजदूरों से मिलने के लिए मोटरसाइकिल से बलगांव-भड़गांव गया था। मजदूरों से मिलने के बाद वह अकेले मोटरसाइकिल से अपने घर वापस लौट रहा था।बताया गया कि करीब 11 बजे जब राजू मरकाम ग्राम निकुम बासिंगखार रोड पर पहुंचा।तभी मलाजखंड की ओर से तेज रफ्तार में आ रही यात्री बस ने उसकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। बस की टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि राजू मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर रूप से घायल हो गया।हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल बैहर अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया। फिलहाल घायल राजू मरकाम का जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

नेशनल लोक अदालत में 1360 प्रकरणों का निराकरण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देश पर शनिवार को जिले में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला न्यायालय सहित तहसील न्यायालयों, श्रम न्यायालय एवं कुटुंब न्यायालय में राजीनामा योग्य प्रकरणों के निराकरण की प्रक्रिया हुई। इस बीच जिला अधिवक्ता संघ के आह्वान पर अधिवक्ता नवीन न्यायालय भवन निर्माण के लिए राशि स्वीकृत नहीं होने के विरोध में कार्य से विरत रहे।बताया गया कि अधिवक्ताओं की अनुपस्थिति के बावजूद लोक अदालत में बड़ी संख्या में प्रकरणों का निराकरण किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्राणेश कुमार प्राण ने बताया कि प्रीलिटिगेशन के करीब 1200 बैंक संबंधी प्रकरण लोक अदालत में रखे गए थे, जिनमें लगभग 1000 प्रकरणों का निराकरण हुआ। वहीं न्यायालय में लंबित राजीनामा योग्य करीब 400 प्रकरणों में से लगभग 360 प्रकरणों का निराकरण किया गया। इनमें आपराधिक एवं धारा 138 सहित अन्य प्रकरण शामिल रहे। हालांकि क्लेम प्रकरणों में निराकरण अपेक्षाकृत कम रहा।

विरोध के बावजूद लोक अदालत सफल- प्राण

प्रधान जिला न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण ने कहा कि अधिवक्ताओं के कार्य से विरत रहने के बावजूद लोक अदालत में अपेक्षित परिणाम मिले हैं। उन्होंने कहा कि पक्षकारों में लोक अदालत के प्रति जागरूकता बढ़ी है और लोग स्वयं आगे आकर आपसी राजीनामे के माध्यम से अपने प्रकरणों का निराकरण करा रहे हैं। उनके अनुसार पिछले आयोजन की तुलना में इस बार लंबित प्रकरणों के निराकरण का परिणाम बेहतर रहा।

पैसे देने मना करने पर युवक के पेट में चाकू से किये वार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के सरस्वती नगर स्थित सरस्वती स्कूल के ग्राउंड में शुक्रवार की रात एक युवक पर चाकू से हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पैसे नहीं देने पर युवक के पेट में चाकू से वार किया गया । जिससे युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल युवक नवीन पिता शंकरलाल बोपचे 28 वर्ष सरस्वती नगर बालाघाट निवासी है।जिसे जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। परिजनों ने घायल युवक को गोंदिया के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

जानकारी के अनुसार नवीन बोपचे एक फाइनेंस कंपनी में काम करते हैं। बताया गया है कि 11 सितंबर की रात 8 बजे नवीन बोपचे किसी काम से सरस्वती स्कूल के ग्राउंड गए थे। इसी दौरान वहां तीन युवक पहुंचे और नवीन से पैसे मांगने लगे।नवीन के द्वारा पैसे देने से मना करने पर उनके बीच विवाद हो गया। आरोप है कि विवाद के दौरान तीनों युवकों में से किसी ने नवीन के पेट में चाकू से वार कर दिया। चाकू लगने से नवीन गंभीर रूप से घायल हो गए।घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और घायल नवीन को जिला अस्पताल बालाघाट लेकर आए। यहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। इसके बाद परिजन उन्हें गोंदिया के एक निजी अस्पताल लेकर गए। जहां उनका उपचार जारी है।बताया गया है कि नवीन के होश में आने के बाद ही घटना के संबंध में वास्तविक जानकारी सामने आ सकेगी। फिलहाल चाकू से हमला किए जाने की इस घटना को लेकर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

8 साल से फरार स्थायी वारंटी घर में ही धराया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चांगोटोला पुलिस ने मारपीट के मामले में पिछले आठ साल से फरार चल रहे स्थायी वारंटी को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। स्थाई वारंटी चेन्नई में मजदूरी कर फरारी काट रहा था और हाल ही में त्योहार के चलते अपने गांव मऊ स्थित घर आया था। सूचना मिलते ही पुलिस ने घेराबंदी कर उसे गिरफ्तार किया। गिरफ्तार स्थाई वारंटी शिवांश पिता सूरज लड़ उर्फ रामकुमार महोबिया 25 वर्ष ग्राम मऊ निवासी को कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया गया।जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्ष 2018 में मारपीट के एक मामले में शिवांश महोबिया के विरुद्ध धारा 294, 323 एवं 506 भादवि के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया था। अपराध दर्ज होने के बाद से ही आरोपी फरार हो गया था। उसकी फरारी के दौरान ही पुलिस द्वारा प्रकरण में चालान न्यायालय में पेश किया गया था। मामला वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है।आरोपी शिवांश के लगातार फरार रहने के कारण न्यायालय द्वारा उसके विरुद्ध स्थायी वारंट जारी किया गया था। पुलिस द्वारा लंबे समय से उसकी तलाश की जा रही थी। बताया गया कि शिवांश चेन्नई में मजदूरी करते हुए पुलिस की गिरफ्त से बच रहा था।

त्योहार पर घर पहुंचा- पुलिस ने दबोचा

चांगोटोला पुलिस को सूचना मिली कि आठ साल से फरार शिवांश त्योहार के अवसर पर अपने गांव मऊ स्थित घर आया हुआ है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए 11 सितंबर को पुलिस टीम ने ग्राम मऊ में घेराबंदी की। पुलिस ने आरोपी को उसके घर से ही गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में सहायक उप निरीक्षक ग्लैडविन क्षत्रिया, प्रधान आरक्षक जीत सिंह ठाकुर, आरक्षक मुकेश उइके एवं आरक्षक रवि कुशवाहा के साथ एसएसयू टीम के निशिका पाचे, देवेश सिरसाम, नितेश इडपाचे, ओमप्रकाश उइके एवं गजेंद्र मेश्राम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।गिरफ्तारी के बाद आरोपी शिवांश को बालाघाट स्थित न्यायालय में पेश किया गया।जहां से न्यायालय के आदेश पर उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भेज दिया गया।

आवश्यकता है
पार्ट टाईम जॉब
बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय में कम्प्यूटर ऑपरेटर की आवश्यकता है
क्वार्क में पेज सेटिंग कार्य में दक्ष एवं अनुभवी को प्राथमिकता
कार्य अवधि - शाम 8 बजे से रात्रि 12 बजे तक
सम्पादक
बालाघाट एक्सप्रेस
काली पुतली चौक बालाघाट

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायलयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट